शनिवार
06 जुलाई 2024

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

राजद सुप्रीमो ने कर दी बड़ी भविष्यवाणी, अगले महीने ही गिर जाएगी मोदी सरकार

2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

ग्रेटर नोएडा में 25 हजार रोजगार के सृजन का माध्यम बनेगी इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रियल टाउनशिप

- 6,807 करोड़ रुपए के प्रस्तावित निवेश को किया जा रहा है लक्षित, 747.50 एकड़ क्षेत्र में हो रहा इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रियल टाउनशिप का विकास
- 33.52 एकड़ क्षेत्र इंडस्ट्रियल, 72.86 एकड़ ग्रुप हाउसिंग व ईडब्ल्यूएस रेजिडेंशियल तथा 38.15 एकड़ में कमर्शियल लैंड यूज के लिए चिह्नित

केटी न्यूज/लखनऊ

उत्तर प्रदेश को 'वन ट्रिलियन डॉलर' की इकॉनमी बनाने की दिशा में संकल्पित व प्रयासरत योगी सरकार ने ग्रेटर नोएडा में बन रही इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रियल टाउनशिप के वृहद विकास के लिए बड़ा रोडमैप तैयार किया है। सीएम योगी के विजन अनुसार, इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रियल टाउनशिप को 6,807 करोड़ रुपए के प्रस्तावित निवेश को लक्षित करने के माध्यम के तौर पर विकसित किया जाएगा जिसके जरिए इस क्षेत्र में 25 हजार रोजगार के अवसर सृजित होंगे। उल्लेखनीय है कि ग्रेटर नोएडा के परी चौक से 11 किलोमीटर की दूरी पर अजायबपुर रेलवे स्टेशन के करीब इस टाउनशिप का विकास किया जा रहा है। यह क्षेत्र नोएडा मुख्य शहर से भी मात्र 35 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। कुल 747.50 एकड़ में इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रियल टाउनशिप के हो रहे विकास में से 332.52 एकड़ क्षेत्र में इंडस्ट्रियल, 72.86 एकड़ में ग्रुप हाउसिंग व ईडब्ल्यूएस रेजिडेंशियल तथा 38.15 एकड़ में कमर्शियल लैंड यूज की गतिविधियां संचालित होंगी। वहीं, 300.97 एकड़ एरिया का एरिया विकास सेक्टर व साइट लेआउट प्लान रोड्स, साइकिल ट्रैक, एडमिनिस्ट्रेशन बिल्डिंग्स व हरित क्षेत्र के तौर पर विकसित किया जा रहा है।

इलेक्ट्रॉनिक आइटम्स हब के तौर पर बन रही पहचान

ग्रेटर नोएडा में विकासशील इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रियल टाउनशिप दरअसल, दिल्ली-मुंबई औद्योगिक गलियारे के लिहाज से एक प्रमुख परियोजना है, जिसे विश्व स्तरीय मानकों के साथ डिजाइन किया गया है। नए जमाने की कार्यशैली के अनुसार यहां कार्यक्षमता व सौंदर्य के बीच संतुलन बनाया गया है। वैसे, परियोजना के अंतर्गत इंडस्ट्रियल पॉकेट रीजन में पहले से ही कई बड़े प्लांट्स संचालित हैं। इसके जरिए हजारों लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं तथा यह क्षेत्र मोबाइल कॉम्पोनेंट्स व इलेक्ट्रॉनिक आइटम्स के निर्माण क्षेत्र के रूप में अपनी पहचान बना रहा है। इस क्षेत्र की कनेक्टिविटी दिल्ली-हावड़ा रेल लाइन से भी है और अजायबपुर व दादरी रेलवे स्टेशंस क्लोज प्रॉग्जेमिटी पर स्थित हैं, इसी कारण से इस क्षेत्र को भविष्य के बड़े इंडस्ट्रियल हब के विजन के साथ विकसित किया जा रहा है।

कई सेक्टर्स के प्रोडक्ट्स का हो सकेगा उत्पादन

मोबाइल कॉम्पोनेंट्स व इलेक्ट्रॉनिक आइटम्स के निर्माण का कार्य तो इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रियल टाउनशिप में शुरू हो ही चुका है, इसके अतिरिक्त अन्य कई सेक्टर्स की भी निर्माण इकाइयों की संथापना व संचालन की प्रक्रिया में तेजी लाई जा रही है। उल्लेखनीय है कि मोबाइल, पीसीबी, एसी, टीवी, वॉशिंग मशीन व एलईडी कॉम्पोनेंट्स जैसे मैनुफैक्चरिंग सेक्टर्स की निर्माण इकाइयां यहां पहले से ही बड़े स्केल पर प्रोडक्शन कर रही हैं। वहीं, अब इस क्षेत्र में इंडस्ट्रियल मशीनरी, कॉस्मेटिक्स, हेल्थकेयर, आयुर्वेदिक प्रोडक्ट्स, पीवीसी पाइप्स, फिटिंग्स, पाउडर व लिक्विड पेंट्स, इलेक्ट्रिक वायर तथा कॉपर ट्यूब्स व पाइप्स की निर्माण इकाइयों की स्थापना व संचालन की प्रक्रिया के लिए लीज डीड प्रॉसेस को जल्द ही पूरा कर लिया जाएगा।

तेजी से बढ़ रही है निर्माण व विकास प्रक्रिया

सीएम योगी के विजन अनुसार इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रियल टाउनशिप के विकास के लिए बनाई गई विस्तृत कार्ययोजना के क्रियान्वयन के जरिए इंडस्ट्रियल, कमर्शियल व रेजिडेंशियल प्रोजेक्ट्स को गति देने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। फिलहाल, इंडस्ट्रियल लैंड यूज के कुल 42 प्लॉट्स में से 17 बड़े प्लॉट्स आवंटित किए जा चुके हैं जबकि 25 प्लॉट्स की आवंटन प्रक्रिया में भी तेजी लाई जाएगी। इसी प्रकार, रेजिडेंशियल के 6 व कमर्शियल के 7 प्लॉट्स की भी आवंटन प्रक्रिया को जल्द ही शुरू किया जाएगा।

केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल किया है हलफनामा

नीट मामले में केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट से की अपील, नहीं रद्द की जाए परीक्षा

- केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट से कहा, परीक्षा रद्द करने से 2024 में परीक्षा देने वाले लाखों ईमानदार उम्मीदवारों को गंभीर रूप से खतरा होगा

एजेंसी/नई दिल्ली

नीट यूजी मामले में केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल कर परीक्षा को रद्द न किए जाने की अपील की है, जिसके लिए केंद्र की तरफ से कुछ तर्कों और तथ्यों को रखा गया है। सर्वोच्च अदालत में दाखिल किए गए हलफनामे में केंद्र ने कहा, परीक्षा में गोपनीयता के बड़े पैमाने पर उल्लंघन के किसी भी सबूत के अभाव में पूरी परीक्षा को रद्द करना तर्कसंगत नहीं होगा। केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि परीक्षा को पूरी तरह से रद्द करने से 2024 में प्रश्न पत्र देने वाले लाखों ईमानदार उम्मीदवारों को गंभीर रूप से खतरा होगा। इसी हलफनामे में केंद्र ने कहा कि सीबीआई को साजिश, धोखाधड़ी, प्रतिरूपण, विश्वासघात आदि सहित कथित अनियमितताओं के आरोपों के पूरे दायरे की जांच करने के लिए कहा गया है। इसके अलावा केंद्र ने इस बात का भी भरोसा जताया है कि भारत सरकार सभी प्रतियोगी परीक्षाओं को निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से आयोजित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

हलफनामे में आगे कहा गया है कि, भारत सरकार इस बात को पूरी तरह समझती है कि किसी भी परीक्षा में प्रश्न पत्रों की गोपनीयता सर्वोच्च प्राथमिकता है और यदि किसी आपराधिक तत्व के इशारे पर किसी आपराधिक कृत्य के कारण गोपनीयता भंग हुई है, तो भारत सरकार का कहना है कि उक्त व्यक्ति के खिलाफ पूरी कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि उसे दंडित किया जाए। केंद्र सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय में दाखिल किए हलफनामे में परीक्षा को रद्द न किए जाने की अपील पर जोर देते हुए कोर्ट के समक्ष 2021 के सचिन कुमार बनाम डीएसएसबी मामले में आए फैसले को उदाहरण के तौर पर पेश किया है। केंद्र सरकार ने कहा कि शिक्षा मंत्रालय की तरफ से पूर्व इसरो चेयरमैन डॉक्टर के राधाकृष्णन की अध्यक्षता में एक हाई लेवल कमेटी का गठन किया गया है, जो नेशनल टेस्टिंग एजेंसी को बेहतर बनाने के अलावा परीक्षाओं को सही तरीके से कराने के लिए सुझाव देगी। यह कमेटी अगले दो महीने में शिक्षा मंत्रालय को अपनी रिपोर्ट सौंपेगी।

नीट पेपर लीक मामले की जांच कर रही है सीबीआई

शिक्षा मंत्रालय की तरफ से कहा गया है कि केंद्र सरकार ने नीट पेपर लीक मामले की जांच केंद्रीय एजेंसी सीबीआई को सौंप दी है, जिसने इस मामले में एफआईआर दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। 4 जून को नीट यूजी परीक्षा का रिजल्ट आने के बाद परिणामों पर सवाल उठने लगे थे। सीबीआई के पास मामला आने के बाद 23 जून को IPC की धारा 420, 419, 409, 406, 201, 120इ और पीसी एक्ट की धारा -13(2), 13(1) के तहत एफआईआर दर्ज की गई थी।

क्या था विवाद का कारण

नीट यूजी परीक्षा का रिजल्ट आने के बाद सामने आया कि इस परीक्षा में एक साथ 67 छात्रों ने टॉप किया है, जो कि एक बहुत बड़ी संख्या है। ऐसा पहली बार हुआ है कि इतनी बड़ी संख्या में छात्रों को 100 में से 100 अंक प्रदान किए गए थे। इन सभी 67 छात्रों को 720 में से 720 अंक दिए गए थे, जिसके बाद बड़ी संख्या में छात्रों ने इस रिजल्ट का विरोध करते हुए धांधली की आशंका जताई थी। छात्रों की तरफ से सुप्रीम कोर्ट में अब तक इस मामले को लेकर 24 से ज्यादा याचिकाएं दायर की जा चुकी हैं। अब 8 जुलाई को चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय बेंच इस मामले की सुनवाई करेगी।

बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ कर रहे हैं शिक्षा मंत्री: कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने शुक्रवार को कक्षा छठवीं की नई पाठ्यपुस्तकों के प्रकाशन में देरी को लेकर केंद्र सरकार को आड़े हाथों लिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि शिक्षा मंत्री बच्चों की शिक्षा के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने इस मुद्दे को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि या तो समस्या अंदर तक है या फिर अक्षमता हर दिन नई ऊंचाइयों को छू रही है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए जयराम रमेश ने कहा, राष्ट्रीय परीक्षण प्राधिकरण के जरिए परीक्षा प्रणाली को नष्ट करने के बाद प्रधानमंत्री का शिक्षा मंत्रालय अब हमारे बच्चों की शिक्षा के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। स्कूल वर्ष शुरू हो गया है। एनसीईआरटी राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद कक्ष छठवीं के बच्चों का गणित, विज्ञान और सामाजिक विज्ञान की पुष्तक को प्रकाशित नहीं कर पाया। जयराम रमेश ने आगे कहा कि नेशनल सिलेबस एंड टीचिंग लर्निंग मटेरियल कमेटी पाठ्यपुस्तकों को अभी तक अंतिम रूप नहीं दे पाए हैं। उन्होंने बताया कि इसके बाद प्रिंटिंग में 10-15 दिन का समय लगेगा। रमेश ने कहा कि अधिकारियों का मानना है कि छात्रों को नई किताबें उपलब्ध कराने में दो महीने का समय लगेगा। उन्होंने केंद्र पर तंज कसते हुए कहा, या तो समस्या अंदर तक है या फिर अक्षमता हर दिन नई ऊंचाइयों को छू रही है।

महागठबंधन सरकार के समय जारी 3600 करोड़ रु के टेंडर बिहार सरकार ने किए रद्द

एक्शन मोड में नीतीश सरकार

केटी न्यूज/पटना

बिहार सरकार पिछले महागठबंधन सरकार के समय की फाइलों को खंगालने में जुटी है। बिहार सरकार ने महागठबंधन सरकार के समय जारी हुए 3600 करोड़ रुपये के ग्रामीण जलापूर्ति कार्यों के टेंडर रद्द कर दिए हैं। लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण (पीएचईडी) मंत्री नीरज कुमार सिंह ने बताया कि महागठबंधन सरकार के समय जारी हुए टेंडरों में खामियां पाई गईं, जिसके बाद ये फैसला लिया गया। अब विभाग जल्द से जल्द काम के लिए संशोधित निविदाएं जारी करेगा। मंत्री नीरज कुमार सिंह ने कहा कि विभाग की जांच के बाद ये निर्णय लिया गया है। जांच में पाया गया कि इन टेंडरों को जारी करने में उचित प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया और पर्याप्त क्षेत्रों को कवर नहीं किया गया।

उन्होंने कहा कि विभाग ने पिछली महागठबंधन सरकार के दौरान ग्रामीण जलापूर्ति प्रणाली से संबंधित 3600 करोड़ रुपये के टेंडर रद्द कर दिए हैं। इससे पहले हमने पीएचई विभाग के 826 करोड़ रुपये के 350 टेंडर रद्द किए थे। अब तक विभाग ने पिछली सरकार के दौरान अंतिम रूप दिए गए 4,400 करोड़ रुपये से अधिक के टेंडर रद्द किए हैं। उन्होंने कहा कि जांच में पता चला है कि निविदा प्रक्रिया में उचित प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया था। पर्याप्त क्षेत्रों को भी कवर नहीं किया गया था। अब विभाग जल्द से जल्द काम के लिए संशोधित निविदाएं जारी करेगा। सिंह ने कहा कि ये निविदाएं ग्रामीण जलापूर्ति कार्यों से संबंधित थीं, जिसमें हैंडपंप और मिनी जलापूर्ति प्रणाली की स्थापना शामिल है। उन्होंने कहा कि मैंने जांच रिपोर्ट मिलने के बाद हाल ही में विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक बुलाई थी। उस बैठक के बाद इन निविदाओं को रद्द करने का आदेश जारी किया गया। पिछली सरकार के दौरान राजद नेता ललित यादव पीएचईडी मंत्री थे। सिंह ने कहा पिछली सरकार के दौरान पीएचई विभाग के 4600 करोड़ रुपये के कुल 1,160 टेंडर जारी किए गए थे। उन्होंने पाई गई अनियमितताओं के बारे में विवरण देने से इनकार कर दिया।

बिहार में पुल गिरने के मामले में निलंबित किए गए 15 अभियंता

केटी न्यूज/पटना

बिहार में पुल गिरने के मामले में बिहार सरकार ने बड़ी कार्रवाई की है। इस मामले में 15 अभियंताओं को निलंबित किया गया है। वहीं दो इंजीनियर से स्पष्टीकरण मांगा गया है। जिन अभियंताओं को सस्पेंड किया गया है उसमें ग्रामीण कार्य विभाग के 4 और जल संसाधन विभाग के 11 इंजीनियर्स शामिल हैं। जल संसाधन विभाग के अपर मुख्य सचिव चैतन्य प्रसाद ने इस बात की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हाल ही में राज्य में 9 पुल ध्वस्त हुए हैं जिसमें 6 पुल पुराने थे।

मेंटेनेंस के अभाव में इन पुलों के ध्वस्त होने की बात सामने आई है। सभी 6 पुल गंडक छारी योजना से बना था। वही नदी की उड़ाही करने वाली मातेश्वरी कंस्ट्रक्शन कंपनी को ब्लैक लिस्टेड कर दिया गया है।

केरल में अफ्रीकी स्वाइन फीवर का प्रकोप

त्रिशूर। केरल के त्रिशूर जिले के एक गांव के एक खेत में अफ्रीकी स्वाइन फीवर का प्रकोप सामने आया है। अधिकारियों का कहना है कि अफ्रीकी स्वाइन फीवर एक से दूसरे सुअर के सीधे संपर्क में आने से फैलता है। अगर किसी संक्रमित सुअर ने कुछ खाकर छोड़ दिया हो और उसे कोई दूसरा सुअर खा ले, तो भी ये रोग हो जाता है। इसलिए त्रिशूर जिला कलेक्टर ने मडक्कथारा पंचायत में एक निजी खेत में 310 सुअरों को मारने का आदेश दिया है।

12 से रांची में होगी आरएसएस की सर्वोच्च बैठक, संघ प्रमुख होंगे शामिल

एजेंसी/रांची

लोकसभा चुनाव परिणाम आने के बाद आरएसएस की सर्वोच्च बैठक 12 जुलाई से 14 जुलाई के बीच झारखंड की राजधानी रांची में होने जा रही है। इस बैठक में आरएसएस के सर्वोच्च पदाधिकारी सरसंघचालक मोहन भागवत और दत्तात्रेय होसबोले के अलावा अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित रहेंगे। ऐसे में इस बैठक में लोकसभा चुनाव परिणामों के साथ-साथ भाजपा से उसके उन मतभेदों पर भी चर्चा हो सकती है, जो पिछले दिनों चर्चा में रहे थे। चूंकि झारखंड सहित महाराष्ट्र, जम्मू कश्मीर और हरियाणा के विधानसभा चुनाव भी इसी वर्ष होने हैं। अगले वर्ष के जनवरी-फरवरी में दिल्ली और अंत में बिहार के विधानसभा चुनाव भी होने हैं। माना जा रहा है कि बैठक में इन चुनावों को लेकर भी चर्चा हो सकती है। हालांकि, संघ परिवार इसे संगठन की वार्षिक गतिविधियों के लेखा-जोखा के लिए आयोजित की जाने वाली सामान्य गतिविधि बताता है।

भाजपा ने 23 राज्यों में नियुक्त किए प्रदेश प्रभारी

एजेंसी/नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने 23 राज्यों में प्रदेश प्रभारी एवं सह-प्रभारियों की नियुक्ति की है। विनोद तावड़े को बिहार का प्रभारी और सांसद दीपक प्रकाश को सह प्रभारी नियुक्त किया गया है। हरियाणा में डॉ. सतीश पूनिया को प्रभारी बनाया गया है। यहा सांसद सुरेंद्र सिंह नागर सह प्रभारी बनाए गए हैं। तरूण चुघ को जम्मू-कश्मीर का प्रभारी बनाया गया है। वह लद्दाख के भी प्रभारी होंगे। आशीष सूद जम्मू-कश्मीर के सह प्रभारी होंगे। झारखंड के प्रभारी लक्ष्मीकांत बाजपेयी होंगे। अंडमान व निकोबार के प्रभारी रघुनाथ कुलकर्णी नियुक्त हुए हैं। अरुणाचल प्रदेश के प्रभारी अशोक सिंघल, छत्तीसगढ़ के प्रभारी नितिन नवीन, दादरा व नगर हवेली और दमन व दीव के प्रभारी दुष्यंत पटेल, गोवा के प्रभारी आशीष सूद होंगे। श्रीकांत शर्मा हिमाचल प्रदेश के प्रभारी होंगे।

कर्नाटक के प्रभारी डॉ. राधा मोहन दास अग्रवाल होंगे। प्रकाश जावड़ेकर को केरल का प्रभारी बनाया गया है। मध्य प्रदेश का प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह को बनाया गया है। मणिपुर के प्रभारी डॉ. अजीत गोपछड़े, मेघालय के प्रभारी अनिल एंटनी, मिजोरम के प्रभारी देवेश कुमार, नागालैंड के प्रभारी अनिल एंटनी होंगे। ओडिशा के प्रभारी विजयपाल सिंह तोमर, पुडुचेरी का प्रभारी निर्मल कुमार सुराना, विजयभाई रूपानी पंजाब के प्रभारी होंगे। सिक्किम के प्रभारी डॉ. दिलीप जयसवाल रहेंगे। उत्तराखंड के प्रभारी दुष्यंत कुमार गौतम व सह प्रभारी रेखा वर्मा बनाई गई हैं। उत्तर-पूर्व प्रदेश के लिए डॉ. संबित पात्रा को संयोजक एवं वी. मुरलीधरन को सह संयोजक नियुक्ति किया गया है।

सभी निकायों के इंफ्रास्ट्रक्चर और सेवाओं में बड़े पैमाने पर निवेश का हो रहा प्रयास

स्थानीय निकायों की आय में वृद्धि की तैयारी में जुटी योगी सरकार

केटी न्यूज/लखनऊ

स्थानीय निकायों को आत्मनिर्भर बनाने और उनकी आय में वृद्धि के लिए योगी सरकार लगातार प्रयास कर रही है। सरकार की मंशा है कि सभी शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी) के इंफ्रास्ट्रक्चर और सेवाओं में वृहद पैमाने पर निवेश कर उन्हें सुदृढ़ बनाया जाए और इस तरह विकसित किया जाए कि ये आय का बेहतर स्रोत भी बन सके। इसके माध्यम से न सिर्फ नगर निगमों, नगर पालिकाओं और नगर पंचायतों की आय में वृद्धि हो सकेगी, बल्कि ये वन ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी के संकल्प को पूरा करने में अपनी भूमिका का भी निर्वहन कर सकें।

इसके तहत अर्बन लोकल बॉडीज द्वारा चरणबद्ध तरीके से कुल 38 परियोजनाओं का चयन किया जाएगा। जिन इंफ्रास्ट्रक्चर्स में निवेश किया जाना प्रस्तावित है, उनमें ऑफिस बिल्डिंग, अर्बन कियोस्क, मशीनीकृत और अन्य प्रकार की पार्किंग और रोड जंक्शन जैसे प्रशासनिक या यूटिलिटी वाले इंफ्रास्ट्रक्चर शामिल हैं। इसके साथ ही, को-वर्किंग स्पेस, अर्बन मेला, फूड स्ट्रीट हब और डिजिटल स्ट्रीट्स जैसे लाइवलीहुड सेंटर्स और इकॉनमिक इंफ्रास्ट्रक्चर भी शामिल हैं। साथ ही हेरिटेज और कल्चरल इंफ्रास्ट्रक्चर में हेरिटेज स्ट्रीट, कंजरवेशन प्रोजेक्ट्स, म्यूजियम, एग्जिबिशन स्पेस, आर्ट गैलरी, अर्बन आर्ट डेकोर और स्टेच्यू भी हैं। सोशल एवं मनोरंजक सुविधाओं में अर्बन कम्युनिटी सेंटर, मैरिज हॉल, रिटायरमेंट होम्स, सीनियर केयर सेंटर, वर्किंग वुमेन हॉस्टल्स, वर्किंग मेन हॉस्टल्स, आडिटोरियम, अर्बन कैफे हैं तो पब्लिक हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर में पेट क्लिनिक्स, पार्क्स, ओपन जिम, मल्टीपरपस स्पोर्ट्स फैसिलिटीज शामिल हैं।

निर्धारित क्राइटेरिया पर होगा इंफ्रास्ट्रक्चर का चयन

इंफ्रास्ट्रक्चर के निवेश के लिए फंड का आवंटन शहरी स्थानीय निकाय द्वारा किए गए टैक्स कलेक्शन और इसके अपने हिस्से के अनुपात में होगा। साथ ही, इंफ्रास्ट्रक्चर का चयन गाइडलाइंस में निर्धारित क्राइटेरिया के अनुसार होगा। इसके अलावा इंफ्रास्ट्रक्चर के चयन में शहरी स्थानीय निकाय के आकार की भी बड़ी भूमिका रहेगी। उन इंफ्रास्ट्रक्चर्स को प्राथमिकता दी जाएगी, जिनमें पीपीपी प्रपोजल की संभावना हो। इस इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण के लिए शहरी स्थानीय निकाय द्वारा भूमि उपलब्ध कराई जाएगी।

राजद सुप्रीमो ने कर दी बड़ी भविष्यवाणी, अगले महीने ही गिर जाएगी मोदी सरकार

केटी न्यूज/पटना

राष्ट्रीय जनता दल का आज 28वां स्थापना दिवस है। स्थापना दिवस के मौके पर पार्टी की तरफ से भव्य आयोजन किया गया। आरजेडी के प्रदेश कार्यालय के कपूरी सभागार में बड़ी संख्या में पार्टी के नेता और कार्यकर्ता पहुंचे। प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह की अध्यक्षता में स्थापना दिवस समारोह धूमधाम के साथ मनाया गया। इस मौके पर राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव और तेजस्वी यादव ने कार्यकताओं को संबोधित किया। इस दौरान राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने केंद्र की मोदी सरकार को लेकर बड़ी भविष्यवाणी कर दी। कहा कि अगे महिने अगस्त में मोदी की सरकार

गिर जाएगी। लालू यादव ने यह दावा भी किया कि मोदी सरकार के गिरने के बाद देश में इंडिया गठबंधन की सरकार बनेगी। दिल्ली की मोदी सरकार बिलकुल कमजोर है। हो सकता है कि अगस्त में यह सरकार समाप्त हो जाएगा। उन्होंने कार्यकताओं को आरजेडी को मजबूत बनाने को कहा। यह काम बहुत जरूरी है पार्टी मजबूत होगी तो हम सब भी मजबूत होंगे।

मुंगेरी लाल के हसीन सपने देख रहे हैं राजद सुप्रीमो लालू: एनडीए

पटना। राष्ट्रीय जनता दल (फ्खऊ) के 28वां स्थापना दिवस के मौके पर राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने केंद्र की मोदी सरकार को लेकर बड़ी भविष्यवाणी कर दी। दिल्ली की मोदी सरकार बिलकुल कमजोर हो चुकी है। उन्होंने कार्यकताओं को आरजेडी को मजबूत बनाने को कहा। यह काम बहुत जरूरी है पार्टी मजबूत होगी तो हम सब भी मजबूत होंगे। लालू के इस बयान के बाद बीजेपी हमलावर हो गयी है।

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानन्द राय ने कहा कि लालू जी मुंगेरी लाल के हसीन सपने देख रहे हैं। देश और बिहार की

जनता नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाकर यह इच्छा जता दी है कि अब नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश आगे बढ़ेगा और देश बचेगा। उसी तरह से बिहार में पीएम मोदी और नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार बढ़ेगा और बचेगा। बिहार को बर्बाद, बदनाम,जंगलराज बनाने वाली आरजेडी इंडी गठबंधन को बिहार अब कभी बर्दाश्त नहीं करेगी। नरेंद्र मोदी ही भारत के सच्चे सपूत हैं वो ही देश को बचा सकते हैं और आगे बढ़ा सकते हैं। बिहार की जनता नीतीश जी और एनडीए पर विश्वास करती है। बिहार की जनता अपराधियों का राज फिर नहीं चाहती है। जंगलराज को फिर से लाना नहीं चाहती है। 2025 के विधानसभा चुनाव में एनडीए इंडी गठबंधन को धूल चटा देगी।

वहीं, बिहार के डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा ने भी लालू पर हमला बोलते हुए कहा कि लालू उम्र के अंतिम पड़ाव पर हैं। अब उनको घबराने वाला सपना आ रहा है। हमारी कामना है कि वो स्वस्थ हो जाए। मां भारती के संतानों का आशीर्वाद देश के प्रधानमंत्री को तीसरी बार भारत विश्व गुरु की ओर मजबूती से कदम बढ़ा रहा है। और अपराध और भ्रष्टाचार को पोषित करने वाले घबरा रहे हैं। उन्होंने दावा कि 15 अगस्त को लाल किला पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी झंडा फहराएंगे जिसके बाद भ्रष्टाचारियों का धड़कन रुक जाएगा।

दूसरी ओर, केंद्रीय मंत्री व बेगूसराय सांसद गिरिराज सिंह ने कहा कि लालू-तेजस्वी नीतीश कुमार का पैर पूजे... नीतीश का फोटो लगाकर बाप-बेटा उनका चरण छूए जो उन्हें 2015 में लाइफ दे दिया..नहीं तो फिर अगली बार ये 22 सीट पर अटकेंगे। गिरिराज ने लालू प्रसाद यादव से कहा कि वो नीतीश कुमार का लॉकेट पहन ले जो उन्होंने अभयदान दिया था।

पूर्व डिप्टी सीएम ने मुख्यमंत्री पर पुलों के ध्वस्त होने का ठीकरा फोड़ा, कस तंज

ये लोग बैठकर पुल गिरवा रहे हैं: तेजस्वी

- बोले तेजस्वी... वर्षों से यह विभाग जदयू के पास था
- कहा- हम तो केवल 18 महीने ही रहे

केटी न्यूज/पटना

बिहार में पिछले बीस दिन के भीतर करीब दर्जनभर पुलों के ध्वस्त होने को लेकर आरोप-प्रत्यारोप का दौर नहीं थम रहा है। एक तरफ जहां सत्ताधारी दल आरजेडी को दोषी बता रहे हैं तो वहीं आरजेडी ने इसका ठीकरा जेडीयू पर फोड़ा है। तेजस्वी यादव ने कहा कि है कि पिछले 17-18 साल से यह विभाग जेडीयू के पास ही था और जो भी पुल गिर रहे हैं, वह इनके कार्यकाल में ही बने थे।तेजस्वी यादव ने कहा कि नीतीश कुमार जब से मुख्यमंत्री बने हैं तब से लेकर अबतक ग्रामीण कार्य विभाग सिर्फ 18 महीने छोड़ दिए जाएं तो जेडीयू के पास ही रहा है। बिहार में लगातार पुल गिरने की घटनाएं हो रही हैं। राज्य में एक दर्जन से अधिक पुल गिर चुके हैं। हम तो केवल 18 महीने ही रहे, उस वक्त तो विभाग के पास पैसा ही नहीं था।

उन्होंने कहा कि 6 से 8 महीने तो विभाग में पैसा लाने में ही लग गए। अबतक तो हमलोगों ने सिर्फ पुल पास किया था। वो पुल या तो बनने शुरू हुए होंगे या टेंडर की प्रक्रिया चल रही होगी लेकिन 18 महीने के अलावा 17-18 साल

तक यह विभाग जेडीयू के पास रहा। जो पुल गिर रहे हैं वह जेडीयू के टाइम का ही है। तेजस्वी ने कहा कि बिहार में पुल गिर रहा है, पेपर लीक हो रहे हैं। बिहार में लगातार अपराध की घटनाएं हो रही हैं। भ्रष्टाचार चरम पर पहुंच गया है। ऐसी डबल इंजन की सरकार जो भ्रष्टाचार में लिप्त है वह कुछ नहीं बोल रही है और ना ही पुलों के गिरने की कोई जिम्मेवारी लेने को तैयार है। देखो गजब खेल है कि डबल इंजन सरकार का एक इंजन भ्रष्टाचार में तो दूसरा अपराध में लगा हुआ है। उन्होंने कहा कि जो लोग पेपर लीक करवा रहे हैं, जिन लोगों ने बेरोजगारी बढ़ाई है, जिन लोगों ने गरीबी बढ़ाई है, जिन लोगों ने महंगाई बढ़ाई और जिन लोगों के कार्यकाल में पुल गिरा आने वाले समय में बिहार की जनता इनको सत्ता में लौटने नहीं देगी। विदेश में बैठ कर ट्वीट करने के जेडीयू के आरोप पर तेजस्वी ने कहा कि ये लोग यहां बैठकर पुल गिरवा रहा है।

छपरा में पुल टूटने से डीएम ने किया इन्कार

छपरा। सारण जिले में दो दिनों में तीन पुल ध्वस्त हो गए। बुधवार को पहला पुल छपरा के जनता बाजार थाना क्षेत्र के ढोढ़ा नाथ मंदिर के पास टूटा था। दूसरा उससे 500 मीटर की दूरी पर सारण गांव में टूटा और तीसरा पुल गुरुवार को सारण के बनियापुर प्रखंड की सरैया पंचायत में गिरा था। इस तरह करीब 24 घंटे में जिले में तीन पुल क्षतिग्रस्त हो गए। तीन पुल गिरने के बाद भी छपरा के जिलाधिकारी ने ऐसी खबरों से गुरुवार को इन्कार कर दिया। एबीपी बिहार पर जब गुरुवार को खबर चली तो डीएम अमन समीर मौके पर पहुंचे। इससे पहले गुरुवार को ही इस मामले पर जब एबीपी न्यूज ने जिलाधिकारी अमन समीर से बात की थी तो उन्होंने कहा था कि उन्हें इसके बारे में कोई जानकारी नहीं हैं, ना ही कोई पुल टूटा है। इसके बाद जब खबरें चलीं तो जिलाधिकारी अमन समीर सारण के बनियापुर में टूटे हुए पुल का निरीक्षण करने पहुंचे। यहां सरैया पंचायत की गंडकी नदी पर बना पुल टूट ध्वस्त हो गया है। डीएम ने स्थल का निरीक्षण किया।

जांच का प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का दिया निर्देश : डीएम ने अनुमंडल पदाधिकारी संजय कुमार राय एवं कार्यपालक अभियंता बाढ़ नियंत्रण और जल निस्सरण

प्रमंडल को संयुक्त रूप से जांच का प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी अमन समीर ने उक्त नदी पर बने सभी पुल-पुलिया की अपडेट स्थिति की जांच करने का निर्देश भी दिया है। इसके साथ ही जिलाधिकारी अमन समीर ने मढ़ौरा अनुमंडल अंतर्गत सारण तटबंध का भी निरीक्षण किया। बाढ़ नियंत्रण के लिए बाढ़ अवधि में सभी जगहों पर पर्याप्त मात्रा में बाढ़ निरोधी सभी सामग्री रखने और सभी स्थलों पर प्रतिनियुक्त श्रमिकों एवं संबंधित एजेंसियों की सूची एसडीओ एवं सीओ को उपलब्ध कराने के लिए कहा। वहीं कटाव के संबंध में अविलंब एक्शन लेने और संदर्भित स्थल के मजबूतीकरण के लिए योजना तैयार कर विभाग में प्रस्ताव भेजने का निर्देश दिया।

ससुर की हत्या कर बहू पहुंची थाने, बोली... मैंने की हत्या

केटी न्यूज/पटना

बहू ने पहले अपने ससुर की हत्या करने बाद थाने पहुंच कर सरेंडर कर दिया। घटना की जानकारी जैसे ही पुलिस व ग्रामीणों को हुई। गांव में सनसनी फैल गई वहीं चर्चा का विषय गर्म हो गया। जब बहू ने पुलिस के सामने अपना अपराध कबुल कर लिया।

जब पुलिस के अधिकारियों ने पूछा कि आखिर तुम ने ऐसा क्यों किया। उसने बताया कि उसका ससुर रामनरेश महतो ने कुछ दिन पूर्व ही जमीन बेची थी। जमीन बेचने के उन्हें जो पैसे मिला था। उसे मृतक रामनरेश ने अपने बेटे-बहू को नही दिए उन पैसों को अपने पास रख लिया। जिसके कारण मृतक रामनरेश की बहू प्रिया नाराज थी। जिसके बाद उनके खाने में बेहोशी वाली दवा देकर उनकी गला घोट कर हत्या कर दी। घटना समस्तीपुर जिले के मोहनपुर थाना क्षेत्र बिनगामा गांव में हुई। मृतक की पहचान बिनगामा गांव निवासी 65 वर्षीय रामनरेश महतो के रूप में की गई है। घटना के संबंध में मृतक के पुत्र सूरज महतों ने कहा कि उसका पिता बहू पर गलत नजर रखता था। जिसके बाद उसने घटना को अंजाम दिया। दुसरी तरफ पुलिस ने मृतक को पोस्टमार्टम के लिए कागजी प्रक्रिया पुरा करने के बाद भेज दिया। आरोपी बहू से पूछताछ कर रही है। मनोहरपुर थानाध्यक्ष अजीत कुमार त्रिवेदी ने कहा कि घटना की सूचना मिलते ही मौके पहुंचे। पुलिस जांच में जूट गई है। पटोरी के डीएसपी बीके मेधावी ने बताया कि सुबह हिला थाना पहुंची थी। उसने कहा था कि अपने ससुर की गला घोंट कर हत्या की है। हालांकि, हत्या किन कारणों से की गई है यह अभी जांच का विषय है।

सम्राट चौधरी का लक्ष्य सिर्फ बिहार का उप-मुख्यमंत्री बने रहना है: प्रशांत किशोर

केटी न्यूज/पटना

- सीएम नीतीश कुमार के आगे मुरेठा समर्पित किए जाने पर पीके का सम्राट चौधरी पर तंज

जन सुराज पदयात्रा के शिल्पकार प्रशांत किशोर ने सम्राट चौधरी को घेरते हुए कहा कि बिहार में उप-मुख्यमंत्री बने रहने के लिए सम्राट चौधरी ने अपना गर्दन कटवा दिया। अररिया पहुंचें प्रशांत किशोर ने आगे कहा कि आप जिस नेता की बात कर रहे हैं, उन्होंने एक मुरेठा बांधा था जिनका नाम है सम्राट चौधरी। आज से कुछ महीने पहले उन्होंने कहा था कि मैं जब नीतीश कुमार को पद से हटा दूंगा तब जाकर मैं मुरेठा खोलुंगा। बीते दिन जाकर उप-मुख्यमंत्री बनने की लालच में अपना सर और मुरेठा दोनों को कुर्बान कर दिया। सम्राट चौधरी का तो एक ही लक्ष्य था नीतीश कुमार को हराना, मगर देखिए अब उनका लक्ष्य सिर्फ उप-मुख्यमंत्री बने रहना है।

बिहार में सम्राट चौधरी कोई नए नेता नहीं हैं। पिछले मंत्रिमंडल में भी मंत्री थे कौन सा इन्होंने तोप मार लिया था? भाजपा वाले बड़ी बात करते हैं परिवारवाद की आप हमें बताएं कौन हैं सम्राट चौधरी शकुनी चौधरी के लड़के हैं। लालू जी के सरकार में मंत्री थे तो नीतीश कुमार के भी सरकार में मंत्री

थे। मांझी जी जब मुख्यमंत्री बने तब भी वो मंत्री बन गए। सम्राट चौधरी आसमान से अवतरित नहीं हुए हैं।

आने वाले विधानसभा में इसका सबसे बड़ा खामियाजा नीतीश कुमार को होगा। राजनीतिक तौर पर नीतीश कुमार पहले से ही मरे हुए सांप हैं उनको जो भी अपने गले में डालेगा वो बैठ जाएगा। नीतीश कुमार तो खुद डूबे हुए हैं जो उनके साथ जाएगा वो भी डूब जाएगा।

पटना के श्री कृष्ण मेमोरियल हॉल में केंद्रीय मंत्रियों के सम्मान में हुआ कार्यक्रम

पटना। शुक्रवार को पटना के श्री कृष्ण मेमोरियल हॉल में केंद्रीय मंत्रियों के सम्मान में कार्यक्रम का आयोजन किया गया।इस मौके पर प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष सह डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने कहा कि सीएम नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार लगातार विकास कर रहा है। बिहार में नीतीश कुमार ने जो लक्ष्य तय किया है, उसे पूरा करेंगे। एनडीए के सभी कार्यकर्ता एकजुट है और 2025 में एक बार फिर 2010 विधानसभा चुनाव परिणाम का रिकॉर्ड तोड़ेंगे। डिप्टी सीएम विजय सिन्हा ने सभी केंद्रीय मंत्रियों का अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि बिहार जाति की राजनीति नहीं करती। पीएम ने कहा था कि जब तक बिहार विकसित नहीं होगा, तब तक देश विकसित नहीं होगा। हम सभी को मिलकर बिहार को आगे बढ़ाना है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने जीतन राम मांझी का चुटकी लेते हुए कहा कि यह सबसे कम उम्र के नेता हैं। ये मेरे गोतिया भी हैं। जब से मुझे विभाग मिला है बिहार में दो मीटिंग की है। आम जनता को विश्वास दिलाता हूं कि रोजगार दिलाने का काम करूंगा। दशहरा के बाद किशनगंज में बड़ा यज्ञ करूंगा।अब लुका छुपी से काम नहीं चलेगा। लालू यादव ने जीवन भर अराजकता फैलाने का काम किया। मैं कहूंगा कि नीतीश जी एक भूल हुई है। वो है तेजस्वी को डिप्टी सीएम बनाकर लालू यादव को फिर से जीवन दान देना। नीतीश कुमार ने ही तेजस्वी को बनाया है। बिहार में माई और बाप समीकरण खत्म करना होगा और राम राज्य स्थापित करना होगा। केंद्रीय राज्य मंत्री नित्यानन्द राय ने कहा कि मेरा मन है कि हम आपका अभिनंदन करें। एनडीए को हमने बड़ी जीत दिलाई है। जीतन राम मांझी को चाचा कहकर बुलाया और कहा कि दिल्ली में हम दोनों को चाचा-भतीजा ही बुलाया जाता है। हम सब लोग यहां बैठे हैं तो तेजस्वी यादव और राहुल गांधी का मुंह लटक गया है।

रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी बिहार ने की निबंधित परियोजनाओं की रैंकिंग जारी

पैनोरमा ग्रुप ने टॉप 10 में बनाई जगह

केटी न्यूज/पटना

रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी बिहार ने शीर्ष दस चल रही निबंधित परियोजनाओं की रैंकिंग जारी की जिसमें पैनोरमा ग्रुप ने टॉप 10 में बनाई जगह,कोशी- सीमांचल को गौरवान्वित किया है। टॉप टेन में जगह आने पर शुभचिंतकों द्वारा चलभाष एवम सोसल मीडिया पर पैनोरमा ग्रुप के सी एम डी को बधाई एवम शुभकामनाएं लोग दे रहे हैं। इस मौके पर ग्रुप के संस्थापक सह प्रबंध निदेशक संजीव मिश्रा ने बताया कि इस सफलता में कोशी-सीमांचल और पूर्णिया वासियों का भी बड़ा योगदान है। यह उपलब्धि हमारे क्षेत्र की पहचान और आपकी उम्मीदों का परिणाम है। आपके भरोसे ने हमें इस मुकाम तक पहुंचाया है, और हम भविष्य में भी इसी तरह आपका साथ निभाते रहेंगे।

बता दें कि रेरा (रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी) बिहार ने सोमवार को शीर्ष दस चल रही निबंधित परियोजनाओं की रैंकिंग जारी की है। रेरा के अध्यक्ष विवेक कुमार सिंह ने यह सूची जारी की। प्रमोटरों की रैंकिंग प्राधिकरण की वेबसाइट -

(https://rera.bihar.gov.in](https://rera.bihar.gov.in) - पर भी देख सकते हैं। भावी घर/प्लॉट खरीदार चल रही परियोजनाओं और परियोजनाओं की रैंकिंग देख सकते हैं। इसके लिए 'बिहार रियल एस्टेट प्रोजेक्ट कोशेंट (बीआरक्यू)' नाम दिया गया है।

बीआरक्यू डेटा जारी करते हुए रेरा बिहार के अध्यक्ष विवेक कुमार सिंह ने कहा, ह्लपरियोजनाओं की रैंकिंग के संबंध में हमने भौतिक प्रगति, आवंटियों से एकत्र किए गए धन का उपयोग और परियोजना के प्रमोटर के खिलाफ दायर शिकायतों और ऐसे अन्य मामलों जैसे कारकों को ध्यान में रखा है। रैंकिंग गतिशील रहेगी और पंजीकृत परियोजनाओं के प्रमोटरों द्वारा किए गए अनुपालन के आधार पर यह तदनुसार बदल जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि इस अभ्यास का उद्देश्य चल रही निबंधित परियोजनाओं के प्रदर्शन के बारे में एक रिपोर्ट प्रदान करना है। इससे प्रमोटरों के बीच एक स्वस्थ प्रतिस्पर्धा भी शुरू होगी जो विभिन्न मापदंडों पर अपने प्रदर्शन में सुधार करके अपने स्कोर में सुधार करने का प्रयास करेंगे।

पूर्णिया के पैनोरमा सिटी ने जारी टॉप 10 वाली सूची में जगह बनाकर जिले का नाम रोशन किया है। पटना के बाहर केवल पूर्णिया का पैनोरमा सिटी इस प्रतिष्ठित सूची में शामिल है। पैनोरमा सिटी के निदेशक श्री संजीव मिश्रा ने इस उपलब्धि पर कहा, ह्लहमारी परियोजना पैनोरमा सिटी का इस सूची में शामिल होना हमारे प्रयासों और हमारी टीम की मेहनत का परिणाम है। हम अपने ग्राहकों को बेहतर सेवा और गुणवत्ता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।ह्व प्रिय कोशी-सिमांचल और पूर्णिया वासियों, पैनोरमा ग्रुप की इस सफलता में आपका भी बड़ा योगदान है। यह उपलब्धि हमारे क्षेत्र की पहचान और आपकी उम्मीदों का परिणाम है। आपके भरोसे ने हमें इस मुकाम तक पहुंचाया है, और हम भविष्य में भी इसी तरह आपका साथ निभाते रहेंगे।

कुख्यात गुड्डू राय के गिरफ्तारी पर लगी मुहर, बक्सर एसपी ने प्रेस वार्ता कर दी जानकारी

सोनपा में रुपये लेकर जमीन पर कब्जा दिलाने गुर्गों के साथ गया था गुड्डू: एसपी

♦ गुड्डू राय व उसके छह गुर्गे दो पिस्टल, 30 कारतूस, छह मोबाईल व बोलेरो के साथ गिरफ्तार

केटी न्यूज/बक्सर

कुख्यात गुड्डू राय उर्फ धनंजय राय तथा उसके आधा दर्जन गुर्गों के गिरफ्तारी की केशव टाइम्स की खबर पर एसपी मनीष कुमार ने मुहर लगा दिया है। उन्होंने शुक्रवार को प्रेस वार्ता आयोजित कर इस आशय की जानकारी दी। गुड्डू के साथ उनके छह अन्य साथियों को गिरफ्तार किया गया है। उनके पास से दो देशी पिस्टल, चार मैगजीन, 30 कारतूस, छह मोबाईल तथा एक बोलेरो वाहन जब्त किया गया है। आवश्यक पूछताछ के बाद सभी को जेल भेज दिया गया है। प्रेस वार्ता में एसपी ने बताया कि राजपुर थाना क्षेत्र के सोनपा की निवेदिता देवी पिता स्व. नर्वदेश्वर राय ने राजपुर पुलिस को आवेदन दे बताई है कि उसके पट्टीदार बिपीन राय, कुख्यात गुड्डू राय उर्फ धनंजय राय समेत कुल आठ लोगों पर हथियार के बलपर मेरी जमीन पर कब्जा करने चाहते है। राजपुर थानाध्यक्ष ने इसकी सूचना एसपी को दी। तब सदर डीएसपी धीरज कुमार के नेतृत्व में एक टीम गठित कर तत्काल छापेमारी का निर्देश दिया गया।

इसके बाद राजपुर पुलिस सोनपा जा रही थी तो सोनपा मोड़ के पास गांव की तरफ से एक सफेद रंग की बोलेरो आती दिखाई पड़ी। जिसे पुलिस ने रूकवा तलाशी लिया तो उसमें दो पिस्टल, चार मैगजीन, 30 कारतूस तथा छह मोबाईल मिले। इसके बाद पुलिस ने बोलेरो वाहन को जब्त करते हुए सभी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान एक आरोपी बिपीन राय ने बताया कि हमलोग गुड्डू राय के लिए काम करते है। सोनपा के अनुबंध राय उर्फ टुनटुन राय पिता स्व. सरदेंदू राय डिहरी पहुंच गुड्डू राय से अपने पट्टीदार के जमीन पर हो रहे निर्माण कार्य को रूकवाने तथा दहशत मचाने के लिए अपने लड़को को भेजने की बात कहे थे तथा इसके लिए मुहमांगी रकम देने की बात कहे थे। बिपीन ने पुलिस को बताया कि गुड्डू राय ने ही उनलोगों को हथियार व गाड़ी मुहैया कराया है। इसके बाद पुलिस ने उनलोगों की निशानदेही पर चौसा रेलवे क्रासिंग के पास से गुड्डू राय को गिरफ्तार कर लिया।

इन लोगों की हुई है गिरफ्तारी : गिरफ्तार लोगों में राजपुर थाना क्षेत्र के डिहरी गांव निवासी गुड्डू राय उर्फ धनंजय राय, उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिला के नैनसन थाना क्षेत्र के नैनसन गांव निवासी स्व. सुंदरी प्रसाद राय के पुत्र बिपीन राय, पटना जिला के बिहटा थाना क्षेत्र के बिहटा निवासी संजीत कुमार के पुत्र अभिषेक कुमार, राजपुर थाना क्षेत्र के पीपाढ़ी गांव के बबन साह के पुत्र राकेश कुमार उर्फ तुलसी, सोनपा के स्व. सरतेंदू राय के पुत्र अनुबंध राय उर्फ टुनटुन राय, इटाढ़ी थाना क्षेत्र के अतरौना गांव निवासी स्व. ललन सिंह के पुत्र रजनीश कुमार तथा सोनपा के कमलेश राय के पुत्र अवनीश राय शामिल है।

सदर डीएसपी के नेतृत्व में की गई गिरफ्तारी : एसपी ने बताया कि उसे गिरफ्तार करने वाली टीम में सदर डीएसपी धीरज कुमार, राजपुर थानाध्यक्ष संतोष कुमार, डीआईयू बक्सर के राकेश कुमार, डीआईयू प्रभारी युसूफ अंसारी, डीआईयू के दारोग मंगलेश कुमार मधुकर, राजपुर थाना के सब इंस्पेक्टर रौशन अली, सहायक सब इंस्पेक्टर अनिल कुमार व रंजीत कुमार पासवान के साथ पुलिस बल शामिल थे।

गुड्डू पर पटना से यूपी तक दर्ज है दर्जनों मामले, इनाम भी हुआ था घोषित : बता दें कि बक्सर पुलिस के हत्थे चढ़े गुड्डू उर्फ धनंजय राय अपराध की दुनिया का बड़ा खिलाड़ी है। वह पिछले ढाई दशक से अपराध की दुनिया में सक्रिय रहा है। इस दौरान उस पर हत्या व अपहरण जैसे संगीन मामले भी दर्ज है। जानकारी के अनुसार यूपी से लेकर पटना तक उसके खिलाफ दर्जनो मामले दर्ज है। पूर्व में यूपी की एसटीएफ ने बक्सर पुलिस के सहयोग से उसे कोलकाता से गिरफ्तार किया था। उस समय उस पर 65 हजार रूपए का ईनाम घोषित किया गया था। गुड्डू पर बिहार यूपी के थानों में हत्या, अपहरण रंगदारी के करीब दो दर्जन मुकदमे दर्ज हैं।

पेशी पर जाने के दौरान ट्रेन से कूद भागा निकला था गुड्डू : बता दें कि 2009 में बनारस जेल से पेशी के लिए उसे पुलिस अभिरक्षा में गाजीपुर कोर्ट लाया जा रहा था। लेकिन चलती टेज्न में उसने पुलिस को धक्का दे ट्रेन से छलांग लगाकर भाग निकला था। इसके बाद उस पर 18 फरवरी 2003 को डिहरी के ही चंद्रशेखर यादव उर्फ किनू मुखिया की हत्या करने का मामला राजपुर थाने में दर्ज है। इसी साल के 10 जून को नौशाद आलम के बेटे का अपहरण का मामला भी इस पर दर्ज हुआ था।

यूपी से दानापुर तक दर्ज हैं दर्जनों मामले : गुड्डू राय पर बक्सर जिले के राजपुर थाना में नौ मामले दर्ज है। वहीं मुफस्सिल थाना में एक बक्सर नगर थाना में दो मामले दर्ज है। वहीं दानापुर में वर्ष 2005 में एक मामला दर्ज है। इस तरह बिहार में कुल 13 मामले दर्ज हैं। यूपी के जमानिया में एक जबकि सुहवल थाने में तीन, जीआरपी मउ में एक बलियां के दुबहड़ में एक नरही में दो मामले दर्ज हैं।

जेल से भागने के बाद की थी शिवसेना नेता की हत्या

बता दें कि गुड्डू राय को वाहन चेकिंग के दौरान यूपी के बलियां पुलिस ने गिरफ्तार किया था। इसी दौरान बनारस से गाजीपुर लाए जाने के दौरान वह ट्रेन से कूद कर भाग गया था तथा यूपी व बिहार पुलिस की आंखों में धूल झोंकता रहा। 23 नवंबर 2013 को उसने अपने ही गांव के शिवसेना नेता अग्निदेव राय की हत्या कर डाली थी। यूपी-बिहार के बॉर्डर कर्मनाशा पुल के समीप हत्या का मामला राजपुर थाने में दर्ज है। इसके पहले उसने 2013 में ही 27 अक्टूबर को अग्निदेव के भांजे को अगवा भी किया था।

व्यवसायी के बेटे को अगवा कर सुर्खियों में आया गुड्डू

22 सितंबर 2005 को गुड्डू राय ने पटना डीएवी स्कूल के चौथी कक्षा के छात्र गोलू का अपहरण सगुना मोड़ के पास से कर लिया था। वह अपने गुर्गो के साथ गोलू को जबरन बस से उतार अपनी गाड़ी से लेकर भाग गया था। उस समय विधानसभा चुनाव होने वाला था तथा गोलू दानापुर के प्रतिष्ठित लोहा व्यवसायी अनिल सिंह का बेटा था। इस अपहरण कांड से जहां बिहार के राजनीतिक गलियारे में तूफान मचा था। वहीं गुड्डू पुलिस के लिए चुनौती बन गया तथा बिहार व पूर्वांचल इलाके के कुख्यात अपराधियों में शुमार हो गया।

एक नजर

लालगंज के पास दो ऑटो की आमने समाने की टक्कर में छह लोग घायल, दो गंभीर

बक्सर। बक्सर इटाढ़ी मार्ग पर मुफस्सिल थाने के लालगंज के पास दो ऑटो के आमने समाने की टक्कर हो गई। जिसमें सवार छह लोग घायल हो गए। स्थानीय लोगों के सहयोग से पुलिस ने सभी को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भिजवाया गया। जिनका इलाज किया जा रहा है। जबकि, इन घायलों में दो लोगों की हालात गम्भीर बताई जाती है। जबकि गंभीर एक युवक को चिकित्सकों द्वारा रेफर कर दिया गया। मिली जानकारी के अनुसार इटाढ़ी से ऑटो में सवार होकर छह लोग बक्सर स्टेशन पर ट्रेन पकड़ने के लिए आ रहे थे। इनकी ऑटो जैसे ही मुफस्सिल थाना क्षेत्र के लाल गंज के पास पहुंची तभी बक्सर की ओर से जा रही तेज रफ्तार ऑटो अनियंत्रित हो सामने से आ रही ऑटो में जोरदार टक्कर मार दी। बक्सर की ओर आ रही ऑटो सड़क पर पलट गई। जिसमे सवार सभी छह लोग घायल हो गए। घायलों को पुलिस द्वारा अस्पताल पहुंचाया गया। जिसमे कुकुढा निवासी प्रदीप कुमार 20 वर्ष पिता गुप्तेश्वर राम और धीरज कुमार 23 वर्ष की हालत गंभीर बताया जा रही है। चिकित्सकों ने बताया प्रदीप राय के पैर की हड्डियां टूटने और गहरा जख्म होने के कारण रेफर कर दिया गया। जिसे परिजन निजी अस्पताल में लेकर चले गए। इस संबंध में मुफस्सिल थाना के चौकी प्रभारी सोनू कुमार ने बताया कि घटना की सूचना पर पुलिस पहुंच सभी घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल पहुंचाया गया है। घायलों द्वारा कोई ऑटो वाले के खिलाफ आवेदन दिया जाता है तो आगे की कार्रवाई की जाएगी

डुमरांव नप क्षेत्र में फॉगिंग मशीन बनकर तैयार, आज से शुरू होगा दवा का छिड़काव

डुमरांव। नगर परिषद ने खराब पड़े फॉगिंग मशीन को बनवाकर सही करा लिया है। शुक्रवार को इसका ट्रायल भी किया गया। ट्रायल में सबकुछ सही पाया गया, जिससे नप के अधिकारियों की चिंता दूर हो गई। नप चेयरमैन सुनीता गुप्ता ने बताया की शहर में जगह-जगह जलमाव से मच्छरों के प्रकोप में बेतहासा वृद्धि हुई है, जिससे लोगों की रात की निंद हराम हो गई है। शहर में मच्छर मारने की दवा के छिड़काव के लिए लोगों की मांग बढ़ने लगी थी। लोगों की मांग और शहर में मच्छरों के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए नप चेयरमैन सुनीता गुप्ता व ईओ मनीष कुमार ने फॉगिंग मशीन को ठीक कराते हुए शनिवार से दवा का छिड़काव शुरू करने की बात कही है। इन्होंने बताया कि नागरिकों परेशानी को दूर करने के लिए नप हमेशा तैयार है। जैसे ही मच्छरों से नागरिकों और पढ़ने वाले बच्चों को रात्रि में परेशानी होने की शिकयत मिली, उसी समय फॉगिंग मशीन को ठीक करा लिया गया। इतना ही नहीं जलमाव के स्थलों को भी चिन्हित किया गया है, उसे भी दूर किया जाएगा।

अच्छी बारिश के बाद धान की रोपनी हुई शुरू

केसठ। धान की रोपनी के लिए मानसून का इंतजार कर रहे किसानों को झमाझम बारिश ने निहाल कर दिया है। मानसून की पहली बारिश के साथ ही कई इलाकों में किसान रोपनी की तैयारी में जुट गए हैं। आधुनिक तकनीकी से खेती किसानों को अब रास आने लगी है। वे इस तकनीकी से अधिकतर खेतों में धान रोपनी कर भरपूर लाभ पाना चाहते है। इसी दौरान प्रखंड के कुलमनपुर गांव के प्रगतिशील किसान दया शंकर दूबे ने अपने चार एकड़ खेत में आधुनिक तकनीकी से धान की रोपनी कराई। आधुनिक तकनीकी अपनाने वाले किसानों ने बताया कि सामान्य तरीके से खेती करने की अपेक्षा आधुनिक तरीके से खेती करने से अधिक उपज होती है। जिससे किसानों को कम लागत खर्च में अच्छी पैदावार होती है। साथ ही खेतों से खरपतवार निकालने व कीटों के प्रकोप से दूर रहता है। इधर किसान सलाहकार अमरेंद्र कुमार ने बताया कि आधुनिक तकनीकी से खेती करनेवाले किसानों की संख्या प्रतिवर्ष धीरे-धीरे बढ़ रही है। इस दौरान टुना दूबे, धर्मेंद्र दूबे समेत अन्य किसान मौजूद थे। कुलमनपुर के अलावे भी प्रखंड के अन्य गांवों में भी धान की रोपनी शुरू हो गई है।

कार्यपालक सहायकों को दी गई विदाई

चौगाई। चौगाईं प्रखंड स्थित अंचल कार्यालय के सभागार में अंचल में कार्यरत तीन कार्यपालक सहायकों के स्थानांतरण पर शुक्रवार को विदाई समारोह कार्यक्रम आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी तेज बहादुर सुमन एवं अंचलाधिकारी गौतम कुमार ने संयुक्त रूप से किया। वही संचालन नाजीर जितेंद्र कुमार ने की। इस दौरान अंचल के अधिकारी व कर्मी मौजूद थे। चौगाई अंचल में कार्यरत कार्यपालक सहायक अभय कुमार राय का चक्की, विकास सिंन्हा का सिमरी एवं बबली कुमारी का जिला कल्याण विभाग आरटीपीएस में स्थानांतरण हुआ है। अंचल के कार्यपालक सहायकों को अंगवस्त्र एवं फूल माला पहनाकर विदाई दी गई। बीडीओ एवं सीओ ने कहा कि कार्यपालक सहायकों का कार्यकाल अंचल कार्यालय के लिए सराहनीय रहा है। वहीं कार्यपालक सहायकों ने कहा कि अंचल के अधिकारियों, कर्मियों एवं आम लोगों का काफी सहयोग मिलता रहा है। जो यादगार बन कर रहेगा। जनता ने जो प्रेम और प्यार दिया है उसे हमेशा याद रखेंगे। मौके पर समीर त्रिपाठी, राजीव कुमार, उमेश कुमार समेत अन्य लोग मौजूद थे।

बंगाल में महिलाओं पर हिंसा के खिलाफ आगे आई मातृशक्ति, सौंपा स्मार पत्र

डुमरांव। पश्चिम बंगाल में लगातार महिलाओं के साथ अत्याचार जारी है। महिलाओं की खुलेआम नृसंश हत्या किया जा रहा है। बंगला में महिलाओं पर हो रहे अत्याचार रोकने के लिए मातृ शक्ति संगठन बक्सर की संयोजिका ओम ज्योति भगत के नेतृत्व में भारत सरकार के गृहमंत्री अमित शाह के नाम एक स्मार पत्र बक्सर जिलाधिकारी के माध्यम से सौंपा गया। स्मार पत्र में पश्चिम बंगाल के संदेशखाली, कुच बिहार और उत्तर दिनाजपुर चोपरा की घटना का उल्लेख करते हुए कड़ी निन्दा की है। पश्चिम बंगाल में एक महिला मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के रहते हुए पश्चिम बंगाल के विभिन्न हिस्सों में महिलाओं के साथ अत्याचार जारी है। महिलाओं के साथ हो रहे अन्याय, अत्याचार और अपमान से महिलाएं व्यथित है। मातृ शक्ति संगठन बिहार के द्वारा ज्ञापन सौंप कर मांग की गई है कि पूरे मामले में हस्तक्षेप कर न्यायिक जांच कराने और दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई हो। पीड़ित महिलाओं के शारीरिक और मानसिक उपचार और उनके पुनर्वासन की व्यवस्था की जाय। ज्ञापन को ओम ज्योति भगत, पूनम चौबे, श्यामा, प्रमिला पाठक, प्रमिला पांडेय, वंदना कुमारी आदि ने संयुक्त रूप से सौंपा है।

खबरें फटाफट

फरार चल रहे तीन वारंटी धराये

डुमरांव। अनुमंडल के कोरानसराय पुलिस ने फरार चल रहे तीन वारंटियों को धर दबोचा है। गिरफ्तार वारंटियों की पहचान स्थानीय गांव के रहने वाले सुरेश साह, अमरनाथ तिवारी और उमेश तिवारी उर्फ गुड्डू तिवारी के रूप में हुई है। पुलिस ने तीनों आरोपियों से कड़ी पूछताछ के बाद उन्हें जेल भेज दिया। थानाध्यक्ष अभय कुमार सिंह ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ स्थानीय थाने में मामला दर्ज किया गया था। जिसके आलोक में न्यायालय से वारंट निर्गत था।

अतिक्रमण हटाने के लिए लगेगी अदालत

डुमरांव। कैसरे-ए-हिंद की जमीन पर अतिक्रमण हटाने के लिए पूर्व में हुए धरना के बाद अब तक हुई कार्रवाई की जानकारी को लेकर आगामी सात जुलाई को नगर के पुराना चकबंदी कार्यालय के पास जनता की अदालत आयोजित होगी। इसकी जानकारी देते हुए सार्वजनिक संपत्ति बचाओ मंच के संयोजक प्रदीप शरण ने बताया कि ट्रेनिंग स्कूल के पास कैसरे-ए-हिन्द की जमीन पर अतिक्रमण हटाने के लिए पिछले दिनों मंच द्वारा लगातार धरना का आयोजन किया गया था। जिसकी जानकारी और आगे की रणनीति तय करने के लिए जनता की अदालत द्वारा फैसला लिया जायेगा।

चक्की से शुरू हुआ संपूर्णता अभियान

केटी न्यूज/बक्सर

शुक्रवार को संपूर्णता अभियान का उद्घाटन चक्की प्रखंड परिसर में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम से जिले में संपूर्णता अभियान की शुरूआत की गई। जिसका उद्देश्य स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण व कृषि क्षेत्र में सुधार कर लोगों को इसका लाभ देना है। मुख्य रूप से संपूर्णता अभियान में कृषि, स्वास्थ्य, पोषण और शिक्षा को मजबूत करना है। कार्यक्रम में जिला योजना पदाधिकारी, नीति आयोग निदेशक, डुमरांव एसडीओ, बीडीओ चक्की, बीपीआरओ, एमओआईसी, बीसीएम एवं सीएचओ उपस्थित थे।

यह कार्यक्रम 4 जुलाई 2024 से 30 सितंबर 2024 तक चलेगी। कार्यक्रम में समुदाय के समग्र विकास में संपूर्णता अभियान के महत्व पर जोर दिया गया। साथ ही गणमान्य व्यक्तियों ने इस पहल के लिए अपने विचार और दृष्टिकोण साझा किए। उन्होंने विस्तार से बताया कि प्रत्येक क्षेत्र इस कार्यक्रम से कैसे लाभान्वित होंगे। जबकि पिरामल फाउंडेशन टीम की भागीदारी ने पहल के लिए विशेषज्ञता और संसाधन लाने के लिए विभागों के साथ सहयोग को रेखांकित किया। कार्यक्रम में स्वास्थ्य, पोषण, जीविका और कृषि के स्टॉलों का प्रदर्शन किया गया। जिससे इन क्षेत्रों की प्रमुख गतिविधियों और प्रयासों को उजागर किया गया। जीविका के स्टॉल से नीति निदेशक निर्मल भगत के द्वारा उनका उत्पाद भी खरीदा गया।

डुमरांव पुलिस ने चलाया वाहन जांच अभियान, वसूला 60 हजार जुर्माना

केटी न्यूज/डुमरांव

बक्सर एसपी के निर्देश पर डुमरांव पुलिस ने एसडीपीओ अफाक अख्तर अंसारी के नेतृत्व में शहर के स्टेशन रोड स्थित त्रिमुहानी विष्णु मंदिर के सड़क पर वाहन जांच अभियान चलाया। इस दौरान डीएसपी ने कई वाहनों को रुकवाया और उनसे इस संबंध में पूछताछ की।

पूछताछ के दौरान कई वाहन चालकों द्वारा कोई पुख्ता साक्ष्य नही मिलने पर इन्हें को जब्त कर लिया और उनसे चालान काट जुमार्ना वसूला गया। पुलिस के इस अभियान से वाहन चालकों में हड़कंप मचा रहा। पुलिस को देख कई वाहन चालक रास्ते बदल भाग खड़े हुए। इस दौरान वाहनों से करीब 60 हजार रुपये का जुमार्ना वसूला गया। डीएसपी ने बताया कि कि विधि-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण की रोकथाम व शराब तस्करों को लेकर यह अभियान अनवरत जारी रहेगा। पुलिस यातायात नियमो के तहत वाहनों का परिचालन करने की हिदायत दे रही है। चेकिंग के दौरान अपराधी, शराब तस्कर, फरार वार्रटियों पर पुलिस की विशेष नजर है। साथ ही, वाहनों के कागजात, ड्राइविंग लाइसेंस, हेलमेट के अलावे ट्रिपल लोडिंग पर भी ध्यान दिया जा रहा था। पुलिस के इस अभियान से सड़कों पर बैगेर कागजातों के चलने वाले वाहन चालकों के बीच अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।

बक्सर जिला का युवक लापता परिजनों ने की मदद की अपील

केटी न्यूज/डुमरांव

बक्सर जिला के डुमरांव स्थित चतुरशाल गंज का रहनेवाला एक 34 वर्षीय युवक उमाकांत चौधरी, पिता-जगनारायण चौधरी 28 जून 2024 से लापता है। युवक के लापता होने से उसकी मां-पिता समेत परिवार के अन्य लोगों का रो-रोकर बुरा हाल है। युवक के संबंध में जगनारायण चौधरी ने बताया कि वह बोल पाने में असमर्थ है। कुछ पूछने पर केवल हां या ना में जवाब देता है। वह पढ़ना-लिखना भी नहीं जानता।

उन्होंने बताया कि उनके डांटने से नाराज होकर उमाकांत घर छोड़कर चला गया। उसके जाने के बाद से घर के लोग उसकी खोज खबर के लिए परेशान हैं। करीब एक सप्ताह बीतने के बाद भी उसके बारे में कोई जानकारी नहीं मिल पाई है। उन्होंने लोगों से अनुरोध किया है कि कृपया उनके बेटे को खोजने में मदद करें। अगर इस संबंध में किसी को कोई जानकारी मिले तो वह मोबाइल नंबर - 8083142940 / 8554866730 / 6207646642/ 9472045945 / 8210442455 पर सम्पर्क स्थापित कर सूचित करने की कृपा करें।

मां डुमरेजिन व मां काली मंदिर रोड का होगा जीर्णोद्धार

♦ नप ईओ ने किया निरीक्षण, एजेंसी व कर्मियों को दिया आवश्यक निर्देश

केटी न्यूज/डुमरांव

नगरवासियों को जलजमाव से मिलेगी मुक्ति दिलाने के लिए नप ने कवायदें शुरू कर दिया है। खराब रोड की मरम्मत करने के लिए नप ने एजेंडा तैयार कर लिया है। तैयार एजेंडे की जानकारी लेने के लिए ईओ मनीष कुमार ने उन स्थलों का निरीक्षण किया। इतना ही नहीं मां डुमरेजिन और मां काली मंदिर तक जाने वाले रास्ते भी बनेंगे, प्राक्कलन में इसे भी शामिल किया गया है। इतना ही नहीं ईओ ने वैसे मोहल्लों का भी निरीक्षण किया जहां जलजमाव की समस्या विकराल रूप धारण कर लिया है।

बता दें की शहर में बहुत सी ऐसी मोहल्ले की सड़के हैं, जो जर्जर हो चुकी है। जर्जर और गड्ढेनुमा सड़क पर जलजमाव हो जाने से लोगों को पैदल चलना मुश्किल हो रहा है। नप ने इससे निजात दिलाने के लिए एजेंडा बना रखा है। जो एजेंडा में रोड शामिल हुए हैं, उसका निरीक्षण गुरूवार को ईओ मनीष कुमार व चेयरमैन प्रतिनिधि सुमित सौरव व नप के बड़ाबाबू दुर्गेश सिंह द्वारा किया गया। ईओ स्थल पर पहुंच स्थिति को देखे और समझे। उन्होंने केशव टाइम्स से बात करते हुए बताया की शहर को स्वच्छ और सुंदर रखने के लिए हर प्रयास किये जाएंगे। नगर के खिरौली मोहल्ला और टेक्सटाईल्स कॉलोनी की स्थिति और खराब है। लिहाजा इसमें शीघ्र ही काम लगाने की बात कही। वैसे नगर का साफाखाना रोड, पुरानाथाना रोड, जंगल बाजार रोड, सुमित्रा कॉलेज रोड की स्थिति खराब है। बारिश होने से इन मोहल्लों की स्थिति नारकीय हो गई है। ईओ के निरीक्षण करने और शीघ्र समाधान निकालने के आश्वासन से लोगों में खुशी है।

नावानगर के आथर पंचायत में संचालित रैंडम साइट पर पहली रात में लिया गया 100 से अधिक लोगों का सैंपल

फाइलेरिया उन्मूलन के लिए जिले में नाइट ब्लड सर्वे की हुई शुरूआत

केटी न्यूज/बक्सर

फाइलेरिया उन्मूलन को लेकर जिले में 10 अगस्त से शुरू होने वाले सर्वजन दवा सेवन (एमडीए) कार्यक्रम के लिए जिले में नाइट ब्लड सर्वे (एनबीएस) की शुरूआत हो चुकी है। इस क्रम में गुरुवार की रात नावानगर प्रखंड के आथर में एनबीएस के लिए रैंडम साइट का संचालन किया गया। जिसका उद्घाटन पंचायत की मुखिया रेखा देवी, वीबीडीसीओ पंकज कुमार, पीरामल ईंडिया के अविकल्प मिश्रा ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया।

इस दौरान मुखिया रेखा देवी ने कहा कि फाइलेरिया समाज के लिए एक अभिशाप है। जिसके कारण पूर्व के दिनों में मरीज दिव्यांग बन जाते थे, लेकिन अब इसे रोका जा सकता है। इसके लिए सरकार और स्वास्थ्य विभाग के द्वारा आशा कार्यकताओं के माध्यम से साल में एक बार वृहद पैमाने पर दवा खिलाई जाती है। आशा कार्यकताएं अपने सामने दवाओं का सेवन कराती है। जिसका सेवन इस बार सभी मिलकर करेंगे। ताकि, लोगों को भविष्य में इस बीमारी के खतरे से बचाया जा सके।

एनबीएस से चलता है माइक्रो फाइलेरिया दर का पता : शिविर में वीबीडीएसओ पंकज कुमार ने बताया कि फाइलेरिया एक खतरनाक बीमारी है। जो कि एक बार हो जाए तो कभी ठीक नहीं होता है। इसलिए इसकी पहचान करके इसको जड़ से खत्म करने की अभियान में नाइट ब्लड सर्वे अहम भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि नाइट ब्लड सर्वे के माध्यम से फाइलेरिया के परजीवी का पता लगाया जा सकता है। इसके साथ ही लोगों से उन्होंने अपील किया कि नाइट ब्लड सर्वे के दौरान अपने ब्लड का जांच जरूर कराएं और आसपास के लोगों को भी ब्लड जांच करवाने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने बताया कि प्रत्येक साइट से एनबीएस के दौरान 300 लोगों का ब्लड सैंपल लिया जाएगा। इसके लिए रात्रि 8:30 बजे से रात्रि 12:00 बजे तक नाइट ब्लड सर्वे किया जाएगा। जिसमें 20 वर्ष व उससे अधिक आयु के सभी व्यक्तियों का ही ब्लड सर्वे किया जाएगा।

मुखिया और स्थानीय पंचायत की आशा ने निभाई महत्वपूर्ण भूमिका : आथर पंचायत में संचालित एनबीएस के लिए शिविर में पहली रात ही 100 से अधिक लोगों ने अपने अपने ब्लड का सैंपल दिया। जिसमें मुखिया और स्थानीय पंचायत की आशाओं ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। एनबीएस के पूर्व आशा कार्यकताओं ने लोगों को फाइलेरिया व इसके दुष्प्रभाव से लोगों को अवगत कराया। साथ ही, उन्हें फाइलेरिया उन्मूलन में एनबीएस की भूमिका के प्रति लोगों को जागरूक किया। जिसकी बदौलत बड़ी संख्या में लोगों ने एनबीएस के लिए अपनी सहभागिता निभाई। इस क्रम में जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ. शैलेंद्र कुमार ने जिले में एनबीएस के लिए चयनित गांव के लोगों से ज्यादा से ज्यादा संख्या में आकर ब्लड सैंपल देने की अपील की। ताकि, जिले से फाइलेरिया का उन्मूलन करने के लिए सर्वजन दवा सेवन कार्यक्रम का संचालन किया जा सके। मौके पर वीबीडीएस उपेंद्र पांडेय, लैब टेक्नीशियन धर्मेंद्र कुमार, नावानगर सीएचसी के कर्मीगण, आशा कार्यकताएं व पंचायत के लोग उपस्थित थे।

शादी का झांसा देकर कई महिला व लड़कियों के साथ गंदा काम करने वाला गिरफ्तार

बीएसएफ का फर्जी कमांडेंट धराया, भेजा जेल

♦ सोशल मीडिया के सभी प्लेटफॉर्म की डीपी पर लगा रखी थी कमांडेंट का वर्दी पहने हुए फोटो

केटी न्यूज/अरवल

खुद को बीएसएफ का कमांडेंट बताने वाले शख्स को अरवल पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी स्वयं को बीएसएफ का फर्जी कमांडेंट बनाकर लड़कियों और महिलाओं को शादी का झांसा देता था और उनका यौन शोषण करता था। साथ ही, ब्लैकमेल कर उनसे पैसे ऐंठने का भी काम किया करता था। उसकी इस करतूत से महिलाएं और लड़कियां काफी परेशान थी। वह अपनी आदतों से बाज नहीं आ रहा था। एक के बाद एक लड़कियों और महिलाओं को वो बीएसएफ का कमांडेंट बनकर सोशल मीडिया के माध्यम से फंसाता था और फिर ब्लैकमेल कर उनके साथ गंदा काम करता था। पुलिस के हत्थे चढ़े इस शातिर अपराधी की पहचान दीपक शर्मा के रूप में हुई है, जो खुद को बीएसएफ का कमांडेंट कहता था। उसने वर्दी पहनने हुए अपनी फेक फोटो तमाम सोशल मीडिया प्लेटफार्म जैसे व्हाट्सएप, फेसबुक, इंस्टाग्राम, एक्स पर लगा रखी थी। आरोपी कमांडेंट की फेक फोटो लगाकर लड़कियों और महिलाओं को झांसे में लेकर अपना शिकार बनाता था। अबतक उसने कई लड़कियों और महिलाओं को अपना शिकार बना चुका है।

पीड़िता ने दर्ज कराई प्राथमिकी : अपनी आदतों के कारण उसने बिहार के रोहतास जिला की एक महिला को भी झांसा देकर उसका यौन शोषण किया था। जिसके बाद पीड़ित महिला ने फर्जी कमांडेंट के खिलाफ थाने में प्राथमिकी दर्ज करायी। महिला की शिकायत के बाद पुलिस ने छानबीन शुरू की। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उसे धर दबोचा। इस बात की जानकारी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कृति कमल ने दी। उन्होंने बताया कि दीपक शर्मा नामक व्यक्ति मेट्रोमोनियल वेबसाइट पर खुद को बीएसएफ का असिस्टेंड कमांडेंट बताता था और उसमें फर्जी आईकार्ड भी लगा रखा था। उसी आईकार्ड को लगाकर वह शादी के लिए लड़कियों से संपर्क करता था और शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाता था।

तकनीकी अनुसंधान के आधार पर की गई गिरफ्तारी : एसडीपीओ ने बताया कि महिला के आवेदन पर संज्ञान लेते हुए पुलिस अधीक्षक राजेन्द्र कुमार भील के निर्देश पर एक टीम गठित की गई और तकनीकी अनुसंधान के आधार पर छापेमारी कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अपराधी के पास से एक मोबाइल जब्त किया गया है। गिरफ्तार अपराधी की पहचान महदिया थाना क्षेत्र के खरसा गांव निवासी राधेश्याम शर्मा के बेटे दीपक शर्मा के रूप में हुई है। दीपक शर्मा के खिलाफ बिंदापुर, द्वारिका थाने में भी धारा 376 के तहत मामला दर्ज है। गिरफ्तारी के दौरान छापेमारी में महिला थानाध्यक्ष सत्यास्वरूप, सब इंस्पेक्टर हरिकांत कुमार और क्यूआरटी शामिल थे।

पत्नी की हथेली काटने वाला पति गिरफ्तार

घर से दो बंदूक और 8 जिंदा कारतूस बरामद

केटी न्यूज/औरंगाबाद

गुरुवार की रात औरंगाबाद के देव थाना क्षेत्र के जंगी मोहल्ला में पत्नी माधुरी देवी 41 की हथेली काटने वाले पति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। सदर डीएसपी 2 अमित कुमार ने प्रेसवार्ता कर बताया कि आरोपी सुनील कुमार ने गुरुवार को अपनी पत्नी का हथेली काटकर अलग कर दिया था। जिसकी सूचना के बाद पुलिस ने देव थाना मोड़ के समीप से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। एसडीपीओ ने बताया कि सुनील वहां से दूसरे शहर में भागने की फिराक में था। गुप्ता सूचना मिलने पर पुलिस ने दबोच दिया। जिसके बाद महिला के वयान पर देव थाने में कांड संख्या 146/ 24 दर्ज की गई थी। एफएसएल की टीम घटनास्थल का निरीक्षण किया था। वहीं एसपी के निर्देश पर अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिए एक एसआईटी टीम का गठन किया गया था।

गिरफ्तारी के बाद अभियुक्त के निशानदेही पर उसके घर से दो बंदूक और घटना में प्रयुक्त तलवार सहित 8 जिंदा कारतूस बरामद किया है। आरोपी सुनील कुमार की मां सुशीला देवी ने कहा कि पुलिस सुनील को गोली मारकर हत्या कर दें। उन्होंने बताया कि साल 2021 में उसने अपने पिता की गोली मारकर हत्या करने की कोशिश की थी, लेकिन वो बच गए थे। इस मामले में सुनील जेल भी जा चुका है। सुशीला ने कहा कि मेरी भी हत्या करना चाहता है। वो लगातार घर के सभी सदस्यों की हत्या करने की धमकी देता है।

एक नजर

काराकाट में ठनका गिरने से एक की मौत व 4 बुरी तरह से झूलसे, घायलों का इलाज जारी

काराकाट। काराकाट थाना क्षेत्र के हटियां गांव में शुक्रवार को करीब 11 बजे आकाशीय बिजली गिरने से एक की मौत तथा चार लोग जख्मी हो गये। जख्मियों का इलाज ईंटम्हां के एक निजी क्लिनिक में जारी है। मृतक हटियां गांव निवासी रौशन कुमार उम्र करीब 18 वर्ष पिता चंदन सिंह बताया जाता है। इसी गांव के चार जख्मियों में पिंटू कुमार उम्र करीब 32 वर्ष पिता बीरेंद्र सिंह, हृदया नंद कुमार उम्र करीब 17 वर्ष पिता भगवती महतो, विकास कुमार उम्र करीब 15 वर्ष पिता प्रमोद मेहता व जितेंद्र सिंह उम्र करीब 33 वर्ष पिता केशो यादव बताया जाता है। बताया गया कि जितेंद्र कुमार की स्थिति नाजुक बनी हुई है। ग्रामीणों ने बताया कि गांव के पास एक पेड़ के नीचे पांचों वर्षा से भीगने के डर से खड़े थे तभी अचानक आकाशीय बिजली गिर पड़ी। जहां बताया गया कि गर्जन व चमक इतनी तेज थी कि कहना मुश्किल है। आकाशीय बिजली गिरने के बाद गांव में कोहराम मच गया। ग्रामीणों ने सुना कि पेड़ पर बिजली गिरी है, वहीं पर पांच लोग थे तो अफरा तफरी मच गया। पांचों लोगों को इलाज के लिए सीएचसी काराकाट लाया गया जहां डॉक्टर ने एक कि मौत की पुष्टि कर दी। चार जख्मियों को परिजनों ने इलाज के लिए ईंटम्हां निजी क्लिनिक में ले गये, जहां इलाज जारी है। मृत रौशन कुमार दो बहनों में इकलौता भाई था। बेटे की मौत से माता पिता काफी सदमे में है। जानकारी मिलते ही बीडीओ राहुल कुमार सिंह व पुलिस सीएचसी पहुंची। शव को कब्जे से लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल सासाराम भेज दिया गया।

बकायेदार उपभोक्ताओं के काटे गए कनेक्शन

बिक्रमगंज। विद्युत आपूर्ति प्रशाखा बिक्रमगंज के अंतर्गत बिजली बिल भुगतान नहीं करने वाले उपभोक्ताओं का बिजली कनेक्शन काटी जा रही है। बिजली कंपनी ने इसके लिए अभियान तेज कर दिया है। बताते चलें कि शुक्रवार को ग्राम बसगीतिया के 9 बकायेदार उपभोक्ताओं का बिजली कनेक्शन काटा गया है। साउथ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के द्वारा आदेश जारी किया गया है कि जो भी उपभोक्ताओं का बिजली बिल बकाया है, उनकी बिजली कनेक्शन काट दिया जाये। सहायक विद्युत अभियंता बिक्रमगंज राज कुमार ने बताया कि उपभोक्ताओं का विद्युत संबंध बकाया राशि रहने के कारण कनेक्शन कटने के बाद पुनः विद्युत कनेक्शन बहाल करने हेतु रि-कनेक्शन चार्ज जमा करना होगा। जो उपभोक्ता किस्त में बकाए की राशि को जमा करना चाहते हैं, वह अवर प्रमंडल बिक्रमगंज कार्यालय से संपर्क स्थापित कर किस्तीकरण करा सकते हैं।

एचडब्ल्यूसी पर जन आरोग्य समिति का गठन

बिक्रमगंज। शुक्रवार को शिवपुर पंचायत के अंतर्गत हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर शिवपुर में मुखिया कुमारी श्वेता सिंह की अध्यक्षता में जन आरोग्य समिति का गठन किया गया। जिसमें हेल्थ एंड वेलनेस से संबंधित सभी बिंदुओं पर विस्तार से बात की गई एवं मुखिया के द्वारा बताया गया कि जो भी फंड आती है। उस फंड का उपयोग स्वास्थ्य केंद्र को बेहतर बनाने में किया जाय। साथ ही, मेरे द्वारा जो भी सहयोग की जरूरत होगी वह हम समय-समय पर आप लोगों को देते रहेंगे। प्रखंड स्वास्थ्य प्रबंधक अशोक कुमार के द्वारा बताया गया कि हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर सेंटर के चारों ओर चार दिवारी की जरूरत है, जिसकी पूर्ति के लिए मुखिया द्वारा आश्वासन दिया गया है कि जल्द ही इस कार्य को पूरा कराया जाएगा। मौके पर शिवपुर पंचायत के सरपंच सुरेंद्र सिंह, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी मनीष सागर, एएनएम गीता कुमारी, शशि कुमारी, स्कूल के शिक्षक, पीरामल फाउंडेशन के जिला प्रोग्राम लीडर कुश कुमार एवं पंचायत के आशा व आंगनबाड़ी सेविका उपस्थित थे ।

मशरूम उत्पादन कर साल भर स्वरोजगार प्राप्त कर सकते हैं किसान: कृषि वैज्ञानिक

♦ केविके में मिल्की मशरूम उत्पादन तकनीक पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण

केटी न्यूज/बिक्रमगंज

कृषि विज्ञान केंद्र बिक्रमगंज में मिल्की मशरूम उत्पादन तकनीक पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। जिसमें कुल 35 प्रशिक्षणार्थियों ने व्यावहारिक रूप से प्रैक्टिकल करके मिल्की मशरूम का तकनीक सीखा। केंद्र की वरीय वैज्ञानिक और प्रधान डॉक्टर शोभा रानी ने बताया कि देश के समस्त मैदानी भागों में दूधिया मशरूम की एक फसल ली जा सकती है। जहां तापमान 25 से 40 डिग्री सेल्सियस के बीच रहता है। अभी तक ज्यादातर किसान ओयस्टर मशरूम का उत्पादन करते है जो ठंढे मे किया जाता है।

अगर किसान भाई दूधिया मशरूम को वर्तमान फसल चक्र में शामिल कर लें तो अपने मशरूम उत्पादन काल को बढ़ा सकते हैं तथा वर्ष भर मशरूम उत्पादन से स्वरोजगार प्राप्त कर सकते हैं। दूधिया मशरूम का वैज्ञानिक नाम केलोसाइबे इंडिका है। दूधिया मशरूम का तना अधिक मांसल, लंबा वह आधार काफी मोटा होता है। कैप बहुत ही छोटी तथा जल्दी खुलने वाली होती है। दूधिया मशरूम की टिकाऊ क्षमता अर्थात तुराई के बाद भंडारण करने की अवधि अपेक्षाकृत अधिक होती है। मांग कम होने पर इस मशरूम की तुड़ाई तीन-चार दिन देर से भी करने पर गुणवत्ता में कमी नहीं आती है। पौष्टिकता की दृष्टि से दूधिया मशरूम में लगभग 17% प्रोटीन, 4% वसा 3.4% विटामिन, 64% कार्बोहाइड्रेट तथा 2.7% स्टार्च होते है। इसके अलावा खनिज तत्व पोटैशियम, सोडियम, फास्फोरस, आयरन, कैल्शियम भी अधिक मात्रा में पाया जाता है। अतः यह औषधीय और पौष्टिक गुनो से भरपूर होता है। दूधिया मशरूम की खेती के लिए अधिक तापमान की आवश्यकता होती है। अतः मार्च अप्रैल के समय से ही शुरू होता है। जब वातावरण में बहुत अधिक गर्मी होने लगती है तो किसान भाई ओयस्टर मशरूम का उत्पादन नहीं कर पाते हैं। वैसी स्थिति में वह श्वेत दूधिया मशरूम का उत्पादन कर सकते हैं और आयअर्जन का एक सहारा बन सकते हैं। शुक्रवार को कृषि विज्ञान केंद्र में इस तीन दिवसीय प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले प्रशिक्षणर्थियों के बीच प्रमाण पत्र का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम में केंद्र के सभी वैज्ञानिक डॉ. आरके जलज, डॉ रामाकांत, डॉ रतन सहित अन्य लोग मौजूद थे।

ठनका गिरने से व्यापारी सहित तीन लोगों की मौत

केटी न्यूज/जहानाबाद

मखदुमपुर प्रखण्ड के गंगो बिगहा गांव में अचानक आकाशीय बिजली गिरने से एक व्यपारी सहित तीन लोगों की मौत हो गई। शुक्रवार की दोपहर आई बारिश में अचानक आकाशीय बिजली चमकी जिसमे तीन लोगों की जान चली गई।

मिली जानकारी के अनुसार मखदुमपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पुनहदा पंचायत अंतर्गत ग्राम गंगो बिगहा गांव में गया जिले के बेला थाना क्षेत्र के नेवारी व्यवसायी बलम नेवारी खरीदारी कर गाड़ी पर लोड करा रहा था। इसी बीच अचानक वर्षा होने लगी। वर्षा से बचने के लिए व्यवसायी तथा दो ग्रामीण भूषण यादव एवं प्रमोद यादव नेवारी के पिंज के नीचे छिप गए। इसी बीच अचानक बादल चमका और आकाशीय बिजली गिरी। आकाशीय बिजली गिरने से तीनों व्यक्ति बलम यादव, ग्रामीण भूषण एवं प्रमोद यादव बुरी तरह झुलस गए। ग्रामीणों ने आनन-फानन में भूषण यादव तथा प्रमोद यादव को शकूराबाद पीएचसी में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। वहीं बलम यादव की मृत्यु घटना स्थल पर ही हो गई थी, घटना के बाद ग्रामीणों द्वारा मखदुमपुर थाने की पुलिस को घटना की सूचना दी गई। जिसके बाद पुलिस ने शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया।

शौहर ने बीबी को जहर देकर मार डाला

सासाराम। रोहतास जिले में शौहर द्वारा अपनी बीबी को घुमाने के बहाने मायके से ले जाकर बीबी को जहर देकर मार डालने का मामला प्रकाश में आया है। घटना सासाराम नगर थाना इलाके की बताई गई। मृतीका महिला शबीना परवीन बताई गई। घटना के बाद पुलिस जांच में जुटी हुई है। फिलहाल महिला का हत्यारा शौहर मुन्ना खां फरार बताया जा रहा है।

इस संबंध में मृतीका विवाहिता के मां सीमा बेगम ने बताया कि वह सासाराम के नूरनगंज के रहने वाली है। पिछ्ली ईद के दौरान उसने अपने पुत्री शबीना परवीन की शादी शहजलालपीर सासाराम के अनवर खां के पुत्र मुन्ना खां से की थी। शादी के कुछ ही महीने बाद उसके पति मुन्ना खां उनकी बेटी को प्रताड़ित करने लगा, तो विवाहिता ने अपने मायके चली आई थी। जिसके बाद उनकी बेटी शवीना परवीन का शौहर मुन्ना खां और उसने मृतका को घुमाने के बहाने ले गया। जहां उसने उनकी बेटी को बल पूर्वक जहर दे दिया। जिससे महिला की मौत सदर अस्पताल सासाराम में इलाज के दौरान हो गई। हालांकि, पुलिस ने मृतका की मां का बयान दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी।

वार्डों में अधिकार क्षेत्र के बाहर कार्यों को कराने पर की ईओ से शिकायत

काराकाट। नगर पंचायत में फिर एक अजीब मामला संज्ञान में आया है। जहां के वार्ड सं. सात के अधिकार क्षेत्र में वार्ड ग्यारह के पार्षद गीता देवी द्वारा जबरन पीसीसी गली का कार्य कराया जा रहा है। जिसके संदर्भ में वार्ड सं. सात के संजय राम ने दो बार 25 जून 2024 व शुक्रवार 5 जुलाई को शिकायती प्रार्थना पत्र कार्यपालक पदाधिकारी को दिया है। यह पूरा मामला नगर पंचायत काराकाट वार्ड सात के क्षेत्र में माधव मील के पास गली निर्माण होने की कोई जानकारी वार्ड सात पार्षद को नहीं है।जिसका निर्माण क्षेत्राधिकार से आगे बढ़कर जबरन वार्ड ग्यारह पार्षद करा रहे हैं। वहीं वार्ड पार्षद संजय राम ने इस लिखित शिकायत नगर कार्यालय में देते हुए कहा कि मेरे वार्ड क्षेत्र में बिना मेरे सहमति और अनुशंसा के बिना जबरन योजना का कार्य कराया जा रहा है। जो नगर पालिका अधिनियम 2007 के विरुद्ध है। अंत में तत्काल प्रभाव से कार्य योजना की निरस्त करने की बात लिखी है। इस पूरे मामले में ईओ सीमाल मतीन से जानकारी लिया तो कहा कि अभी तीन दिन पहले ही प्रभार लिया हूं। इसकी जानकारी आज हुआ जो नियमावली के विरोध किया गया है। काम हो जाने बाद पेमेंट नही किया जाएगा।

34.93 करोड़ की लागत से बलिया रेलवे स्टेशन की बदल रही सूरत, जल्द नजर आएगा बदलाव

♦ स्टेशन भवन का विस्तार, स्टेशन के फसाड का सुन्दरीकरण, वीआईपी कक्ष के आधुनिकीकरण के साथ ही एसी लाउंज का निर्माण कार्य 85 फीसदी पूरा

केटी न्यूज / बलिया

अमृत स्टेशन योजना के अंतर्गत पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मंड़ल पर वाराणसी सिटी-छपरा रेल खण्ड़ पर स्थित बलिया रेलवे स्टेशन को 34.93 करोड़ की लागत से पुनर्विकसित किया जा रहा है। बलिया रेलवे स्टेशन उत्तर प्रदेश के बलिया शहर के मध्य में स्थित है। यह स्टेशन भारत के प्रमुख शहरों से सीधे जुड़ा हुआ है।

बलिया भारत के उत्तर प्रदेश राज्य का एक शहर है। शहर की पूर्वी सीमा दो प्रमुख नदियों, गंगा और घाघरा के जंक्शन पर स्थित है। यह शहर वाराणसी से 140 किमी और राजधानी लखनऊ से करीब 380 किमी दूर स्थित है। देश के स्वतंत्रता इतिहास में बड़ी संख्या में बलिया के स्वतंत्रता सेनानियों का योगदान रहा है। बलिया पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी डिवीजन के अंतर्गत एनएसजी-3 श्रेणी का स्टेशन है, जिसमें चार प्लेटफार्म हैं। बलिया स्टेशन से आनन्द विहार के लिए

हमसफर एक्सप्रेस, सियालदह एक्सप्रेस,भृगु एक्सप्रेस,नई दिल्ली एक्सप्रेस, दादर एक्सप्रेस, कामायनी एक्सप्रेस,शाहगंज पैसेंजर, औड़ीहार पैसेंजर, छपरा-वाराणसी सिटी पैसेंजर, प्रयागराज रामबाग पैसेंजर समेत कुल 48 सवारी, मेल व एक्सप्रेस गाड़ियां संचालित हो रही है तथा यहां से लगभग 18000 यात्रियों का आवागमन प्रतिदिन होता है। बलिया एक बहुत ही महत्वपूर्ण और व्यस्त रेलवे स्टेशन है। यहां अन्त्योदय एक्सप्रेस एवं सुपर फास्ट ट्रेनों समेत राजधानी एक्सप्रेस भी रुकती हैं।

अमृत स्टेशन योजना के अन्तर्गत बलिया रेलवे स्टेशन पर किये जा रहे उन्नयन एवं सुधार कार्यो में स्टेशन भवन का विस्तार, स्टेशन भवन के फसाड (मुखड़े) का सुन्दरीकरण के साथ सुधार कार्य, वीआईपी कक्ष में सुधार के आधुनिकीकरण एवं एसी लाउंज का निर्माण कार्य 85 फीसदी पूर्ण हो गया है। प्लेटफार्म सं. 04 के लिए रिटेनिंग वॉल(250 मी.)में से (132 मी.) का कार्य पूर्ण हो गया है। सकुर्लेटिंग एरिया की दिशा में 450 मीटर की चारदीवारी में से 200 मीटर का निर्माण पूर्ण हुआ है। प्लेटफार्मों पर 8 बे पीपी शेल्टर के प्रावधान के साथ 95 फीसदी का निर्माण पूरा हो गया है एयर शीटिंग प्रगति पर है।

ट्रैफिक सकुर्लेशन में सुधार और सकुर्लेटिंग एरिया (2420 वर्ग मीटर) का सौंदर्यीकरण कार्य, स्टेशन के मुख्य प्रवेश द्वार पर 40 मीटर विस्तार का प्रावधान कार्य, 10 वर्ग मीटर में दिव्यांगजन सुविधाओं वाले शौचालयों का प्रावधान का कार्य, स्टेशन के अग्रभाग एवं उन्नयन कार्यों में सुधार, 96 वर्ग मीटर में एसी वेटिंग हॉल के निर्माण का कार्य, 60 वर्गमीटर में नये (पुरुष, महिला एवं दिव्यांगजन) शौचालय ब्लॉक का निर्माण, 1800 वर्ग मीटर के पार्किंग क्षेत्र का निर्माण कर उसमें टू व्हीलर, थ्री व्हीलर एवं फोर व्हीलर पार्किंग का प्रावधान का कार्य, लिफ्ट और एस्केलेटर के साथ 12 मीटर चौड़े फुट ओवर ब्रिज का निर्माण कार्य, 2280 वर्ग मीटर प्लेटफार्म शेल्टरों का प्रावधान, स्टेशन पर अन्तर्राष्ट्रीय मानक के अनुरूप बेहतर साइनेज, लिफ्ट और एस्केलेटर का प्रावधान कर आसान नेविगेशन के माध्यम से यात्री अनुभव को बढ़ाने सहित विभिन्न निर्माण कार्य प्रगति पर है। उपरोक्त कार्यो के पूर्ण हो जाने पर बलिया स्टेशन पर रेल यात्रियों एवं उपयोगकताओं को जहां एक ओर उन्नत एवं आधुनिक यात्री सुख-सुविधाओं का लाभ मिलेगा। वहीं दूसरी ओर रेल परिसर में प्रवेश करते ही सुखद अनुभूति मिलेगी।

खबरें फटाफट

शटर तोड़ दो दुकानों में चोरी की वारदात

गाजीपुर। दुल्लहपुर थाने के इनामीपुर गांव के स्टेट हाई-वे के पास बीती रात अज्ञात चोरों ने दिल्ली मोटर्स और कोलकाता बैट्री के दुकानों का शटर खोलकर चोरों ने चोरी की घटना को अंजाम दिया। मालूम हो कि हरदासपुर कला गांव निवासी दिनेश चौबे दिल्ली मोटर्स की दुकान खोल रखे थे। देर शाम दुकान बंद करके घर चले गए थे। रात में चोरों ने शटर तोड़कर अंदर प्रवेश किया बाल्टी में कीमती मोबिल लगभग 45000 तथा 3500 नगदी लेकर फरार हो गए। ठीक बगल की दुकान कोलकाता बैट्री मालिक छोटे लाल सोनी दुकान बंदकर दुल्लहपुर अपने घर चले गए थे। रात में शटर तोड़कर छह बैट्री कीमत लगभग 50000 लेकर फरार हो गए। शुक्रवार को जब ग्रामीणों ने बिखरा सामान देखा तो दुकानदार मालिकों को सूचना दिए।

कपड़ा पसारते वक्त करेंट से हुई मौत

गाजीपुर। बहरियाबाद क्षेत्र के पांडेय का पूरा (पलिवार) निवासी अखिलेश पांडेय उर्फ गुड्डू (45) गुरुवार की रात में स्नान करने के बाद घर के बाहर लोहे के तार से बनी अलगनी पर अंडरवियर डालते समय तार में प्रवाहित विद्युत की चपेट में आने से गंभीर रूप से झुलस गया। अस्पताल ले जाने के बाद उनकी मौत हो गई।

बलिया जिले के दोकटी थाना क्षेत्र के श्रीपतिपुर का मामला, मची सनसनी

खेत में सो रहे युवक की पीटकर हत्या मृतक के नाक और मुंह में भरी थी मिट्टी

♦ घटना की जानकारी मिलने के बाद पहुंचे एसपी व एएसपी ने किया घटना स्थल का निरीक्षण

केटी न्यूज / बलिया

बलिया जिले के दोकटी थाना क्षेत्र के श्रीपतिपुर (धतूरी टोला) गांव निवासी कमलेश बिंद 34 वर्ष पुत्र स्व. लाल बच्चा बिंद की हत्या बदमाशों ने गुरुवार की रात खेत में लाठी डंडे से पीट-पीटकर कर दिया। इसके बाद बदमाशों ने मृतक के नाक और मुंह में मिट्टी भर दिया। घटना की जानकारी खेत में शौच करने जा रहे ग्रामीणों को शुक्रवार की सुबह हुई। इसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी। घटना की जानकारी होते ही पुलिस अधीक्षक देव रंजन वर्मा और अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी दुर्गा प्रसाद तिवारी सहित दोकटी पुलिस घटना स्थल पर पहुंच गई।

जहां एसपी ने घटना स्थल का मौका मुयायना किया और मातहतों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बलिया भेज दिया। मिली जानकारी के अनुसार गुरुवार की रात मृतक कमलेश बिंद के चचेरे भाई का तिलक था, जहां रात वह भोजन करने के बाद खेत में स्थित अपने मड़हे में सोने के लिए चला गया। इसी बीच बदमाश रात में वहां पहुंचे और कमलेश की लाठी डंडे से पीट पीटकर हत्या

कर दिया। इससे भी जी नहीं भरा तो उन्होंने उनके नाक एवं मुंह में मिट्टी भर दिया और वहां से फरार हो गए। शुक्रवार की सुबह खेत में शौच के लिए गए लोगों ने देखा कमलेश के शव को देखा। इसके बाद ग्रामीणों ने घटना की सूचना मुकामी पुलिस को दी। सूचना मिलते ही दोकटी थानाध्यक्ष मदन पटेल घटनास्थल पर पहुंचकर मौका मुआयना कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बलिया भेज दिया। परिजनों ने बताया कि मृतक दो भाई है। बड़ा भाई टुनटुन गुजरात में नौकरी करता है। कमलेश दुबई में नौकरी करता था। आठ माह पूर्व पिता की मौत के बाद उनके श्राद्ध कर्म में शामिल होने के लिए दुबई से आया था, तब से दुबई नहीं गया। मृतक कमलेश की शादी रेवती थाना क्षेत्र के गोपाल नगर में हुई है। मृतक के तीन छोटे-छोटे बच्चे है। हत्या के बाद मृतक की पत्नी व मां का रोते-रोते बुरा हाल है। मृतक की मां ने बताया कि हम लोगों की किसी से कोई दुश्मनी नहीं है।

एक नहीं दो युवकों को बदमाशों ने मारी थी गोली

बलिया। गुरुवार की शाम सोनबरसा दलन छपरा मार्ग पर नागा बाबा की कुटी के पास बदमाशों की गोली से घायल बैरिया निवासी राकेश गोड़ अपने परिजनों से डर कर घटनास्थल गलत बताया था। गोली काण्ड बैरिया थाना क्षेत्र के नरहरि बाबा मंदिर के निकट टोला बाज राय का है, जिसमें बदमाशों की गोली से राहुल कुंवर भी बुरी तरह घायल है। एसएचओ धर्मवीर सिंह ने बताया कि राहुल कुंवर की तहरीर पर पीयूष सिंह निवासी तालिबपुर, प्रियांशु वर्मा निवासी करमानपुर, आलोक यादव निवासी मिश्रा के मठिया, विशाल प्रताप सिंह हाल मुकाम कर्ण छपरा तथा एक अज्ञात के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया है। राहुल कुंवर ने बताया कि वह जयप्रकाश नगर से लौट रहा था। टोला बाज राय के पास पहले से खड़े उक्त लोग हाथ में तमंचा लेकर हवा में लहराते हुए हम लोगों पर फायर करने लगे। गोली हमें तथा राकेश गोंड को लगी।

पिकअप की चपेट में आने से बाइक सवार व्यापारी की मौत

गाजीपुर। बहरियाबाद थाना क्षेत्र के सैदपुर मार्ग अंतर्गत पेट्रोल पंप के पास शुक्रवार को विपरीत दिशा से आ रहे पिकअप वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार व्यापारी की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। घटना के बाद पिकअप छोड़कर भाग रहे चालक को ग्रामीणों ने दौड़ा कर कबीरपुर से धर दबोचा और पिटाई कर दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव और पिकअप समेत चालक को थाने ले आई। मालूम हो कि प्यारेपुर चट्टी निवासी सरार्फा व्यवसायी हिमांशु सेठ बहरियाबाद के अपने रिश्तेदार सरार्फा व्यवसायी के दुकान से सामान लेकर बाइक से वापस जा रहा था कि जैसे ही वह पेट्रोल पंप के पास पहुंचा विपरीत दिशा से सैदपुर की तरफ आ रही पिकअप की चपेट में आ गया। इससे सिर में गंभीर चोट लगने से मौके पर ही उसकी मौत हो गई। मृतक गोंडा जनपद का मूल निवासी है। लगभग दस वर्ष पूर्व वह प्यारेपुर चट्टी पर मकान खरीद सरार्फा की दुकान कर सपरिवार रहने लगा।

मृतक की पत्नी विनीता को जैसे ही पति के मौत की खबर मिली वह बेसुध हो गई। छोटा भाई अभिषेक जिसकी बहरियाबाद बाजार में इलेक्ट्रॉनिक्स की दुकान है। सूचना पर दहाड़े मारता मौके पर पहुंचा। मृतक की एक दो वर्षीया पुत्री लड्डू है।

एक नजर

जन-जन की यही पुकार, अगली बार अखिलेश यादव की सरकार: पूर्व विधायक त्रिवेणी राम

गाजीपुर। जखनियां ब्लाक के अंतर्गत मंझनपुर गांव में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर पीडीए जन चौपाल लगाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व विधायक त्रिवेणी राम ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि आज देश और प्रदेश की जो हालात है। वह पूर्ववर्ती सरकारों में नहीं थी। महंगाई बेरोजगारी भ्रष्टाचार चरम सीमा पर हो चुकी है। महंगाई इस कदर बढ़ रही है कि मध्यवर्गीय पूरी तरह से त्रस्त है। सरकारी नौकरी पैसा वाला भी लोग अपने जितनी तनख्वाह मिलती है बच्चों की पढ़ाई लिखाई और रोजमर्रा के सामानों की खरीदारी में ही समाप्त हो जा रही है। अभी हाल ही में टेलीकॉम कंपनियां भी अपने रिचार्ज के दामों में बढ़ोतरी किया है। जिसका असर आम जनमानस पर पड़ रहा है। सपा सरकार में ऐसी हालत नहीं थी रोजगार कितने अवसर थे कि युवा सड़कों पर दौड़ लगाते हुए दिखाई देते थे। बच्चों के पढ़ाई लिखाई की फीस इतनी मांगी नहीं थी। जितना कि आज प्राइवेट स्कूलों में देखा जा रहा है। इस पीडीए चौपाल के बाद वृक्षारोपण भी किया गया है। इस मौके पर विधानसभा अध्यक्ष अवधेश उर्फ राजू यादव, ब्लॉक अध्यक्ष वजीर भारती, जिला पंचायत सदस्य उपेंद्र कुशवाहा आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन मंझनपुर के प्रधान हरेंद्र कुमार ने किया।

पर्यावरण के बिगड़े हालात सुधारें, अधिक से अधिक पौधे लगाने का दिया संदेश

गाजीपुर। जखनियां ब्लाक परिसर में वन विभाग के क्षेत्रीय वन अधिकारी शंकरनाथ के नेतृत्व में ब्लॉक परिसर में पर्यावरण को लेकर वन महोत्सव का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जखनियां ब्लाक परिसर में खंड विकास अधिकारी संजय कुमार गुप्ता और क्षेत्रीय वन अधिकारी शंकरनाथ द्वारा परिसर में मौलश्री, पीपल, नीम, आम सहित दर्जनों पौधे लगाए गए। इस मौके खंड विकास अधिकारी संजय कुमार गुप्ता ने कहा कि पर्यावरण के प्रति हम लोगों को जागरूक होना पड़ेगा। पर्यावरण के बिगड़े हालात को कैसे सुधारा जाए उसका मात्र एक व्यवस्था है। अधिक से अधिक वृक्ष लगाए। वृक्ष लगाने से फल खाने को तो मिलता ही है। साथ लकड़ियां भी लोगों के काम के आने वाली वस्तु है और उससे बड़ी बात है कि वृक्ष लगाने से जलवायु परिवर्तन सुधरेगा। वन विभाग के क्षेत्रीय वन अधिकारी शंकरनाथ ने कहा कि कुछ दिन पूर्व में भीषण गर्मी से हर लोगों ने झेला है। जिसने भीषण गर्मी से लापरवाही की उसको नुकसान भी उठाना पड़ा। ऐसे में हम सबको पर्यावरण के प्रति सचेत रहना चाहिए और पूरी धरती को हरा भरा करने के लिए वृक्ष अधिक से अधिक लगाना चाहिए। ताकि पर्यावरण में सुधार हो सके और लोगों को स्वच्छ हवा मिल सके। इस मौके पर जखनियां वन रेंज के दारोगा अनिल मौर्य, अशोक यादव, अमरनाथ, रामबच्चन, एडीओ पंचायत विजय मिश्रा, राजकमल, गौरव सिंह, फैज अहमद, नवीन श्रीवास्तव, शैलेंद्र दुबे, अंगद राम, सतीश कुमार लिपिक, प्रधान नंदू गुप्ता, मदन कुमार श्रीकेश गोड सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

शोक संतप्त परिवार से मिले दो-दो कैबिनेट मंत्री, न्याय का दिया भरोसा

मऊ। प्रदेश सरकार के मंत्री पंचायती राज तथा अल्पसंख्यक कल्याण मुस्लिम वक्फ एवं हज विभाग एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष सुहेलदेव समाज पार्टी ओम प्रकाश राजभर द्वारा जनपद के ताजोपुर मझउवा में सड़क दुर्घटना में मृतक स्वर्गीय गुड़िया देवी, स्वर्गी गरिमा राजभर व घायल कुमारी मंजू राजभर के पीड़ित परिवार से मुलाकात/शोक संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि दोषियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी तथा शासन से हर संभव मदद दिलाने का प्रयास किया जाएगा। वहीं प्रदेश सरकार के मंत्री श्रम एवं सेवायोजन समन्वय विभाग अनिल राजभर जी ने मृतक के परिवार से कहा कि पीड़ित परिवार को सबसे पहले न्याय मिलना चाहिए यदि सिद्ध होता है कि इस घटना को जानबूझकर किया गया है, तो जो दोषी हैं उनके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। उस घटना के समय मां बेटी सहित एक अन्य के साथ दुर्घटना घटी जिसमें दो लोगो की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई, तथा तीसरे का इलाज चल रहा है। उन्होंने कहा कि इस घटना के बारे में जिला प्रशासन द्वारा किस प्रकार की कार्रवाई की जा रही है इसकी समीक्षा जिला प्रशासन के साथ बैठक कर की जाएगी । उन्होंने कहा कि जब घटना में शामिल तीसरे व्यक्ति का बयान स्पष्ट हो चुका है तो जल्द से जल्द दोषियों के खिलाफ कार्रवाई कराई जाएगी। मंत्री ने कहा कि जांच करातें पूरी मदद करने का आश्वासन ग्रामीणों को दिए।

शासन से नहीं मिली धनराशि, गाजीपुर जनद के 19 परिषदीय स्कूलों का नहीं हुआ निर्माण

♦ बरसात में विद्यालय का भवन नहीं बनने से पठन-पाठन में हो रही दिक्कत

केटी न्यूज/गाजीपुर

शासन के निर्देश पर बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा जर्जर एवं ध्वस्त हुए 22 परिषदीय स्कूलों में से महज तीन का ही निर्माण पूर हो सका है। शेष बचे 19 भवनों के निर्माण के लिए शासन की ओर से धनराशि न मिलने से निर्माण शुरू नहीं हो सका। इस कारण पठन- पाठन कार्यों को संचालित कराने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

बेसिक शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने बताया कि शासन की ओर से पिछले वर्ष मात्र तीन विद्यालयों के नवनिर्माण के लिए 15 लाख हरेक विद्यालय के हिसाब से

लगभग 45 लाख की धनराशि उपलब्ध कराया था। मालूम हो कि शासन ने जर्जर भवनों में पढ़ रहे छात्रों की सुरक्षा को देखते हुए पिछले वर्ष ऐसे भवनों को चिन्हित करने का निर्देश दिया था, जो पूरी तरह से खस्ताहाल हो चुके हैं। ताकि भविष्य में किसी तरह से सम्भावित खतरे से बचा जा सके। टीम गठित होने के बाद 22 जर्जर विद्यालय चिन्हित किए गए हैं। इसके बाद उनका मूल्यांकन तीन सदस्यीय टीम ने निर्धारित किया। इसके बाद इन विद्यालयों की नीलामी एवं उसके ध्वस्तिकरण का काम किया गया था।

बीईओ अशोक कुमार गौतम ने बताया कि जर्जर व ध्वस्त किए गए 22 विद्यालयों में से तीन का निर्माण पूरा हो चुका है। शेष 19 के निर्माण के लिए शासन से अभी धनराशि नहीं मिली है। धनराशि के मिलते ही शेष भवनों का भी निर्माण शुरू करा दिया जाएगा।

डीएम ने कटानरोधी कार्यों का किया निरीक्षण बोले- कार्य में हमेशा रखें मानक का ख्याल

केटी न्यूज/बलिया

सम्भावित बाढ़ को देखते हुए जिलाधिकारी प्रवीण कुमार ने शुक्रवार को रामगढ़, गोपालपुर व दूबेछपरा में हुए कटानरोधी कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने बाढ़ खण्ड के अभियंताओं को सचेत किया कि कटानरोधी कार्य की गुणवत्ता हमेशा अच्छी होनी चाहिए। हर कार्य में मानक का शत प्रतिशत ख्याल रखा जाए। अभी भी अगर कहीं कोई कमी रह गयी हो तो शीघ्र उसे ठीक करा लिया जाए। रामगढ़ में रिवेटमेंट के कार्य के निरीक्षण के दौरान लोहे की जालियों के में डाले गये पत्थर के बीच गैप होने पर जिलाधिकारी ने सवाल किया।

अधिशासी अभियंता संजय मिश्र को निर्देशित करते हुए कहा कि थोड़ी भी लापरवाही पूरा प्रोजेक्ट बेकार कर सकती है, इसलिए कटानरोधी कार्य में

मानक का पूरा ख्याल रखा जाए। दो दिन के अंदर पूरे गैप को भरवा कर अवगत कराने को कहा। बारिश के पानी के कारण हुए रेन कट को भी तत्काल सही कराने का निर्देश दिया। इस दौरान जिलाधिकारी ने ग्रामीणों से भी बातचीत कर बाढ़ व कटान की स्थिति की जानकारी ली। अधिशासी अभियंता से कहा कि बचाव सम्बन्धी प्रोजेक्ट बनाते समय स्थानीय ग्रामीणों से भी राय-विमर्श कर लें। इसके बाद गोपालपुर व दूबेछपरा में हुए कटानरोधी कार्यों को बारिकी से देखा। वहां भी ग्रामीणों से बातचीत कर लेखपाल, सचिव, आशा बहु, एएनएम, आदि की गांव में उपस्थिति व सरकार की योजनाओं लाभ मिलता है या नहीं, इसकी पड़ताल की। वहां भी निर्देश दिया कि रिवेटमेंट कार्य में मानक के अनुरूप मजबूत जाली का प्रयोग किया जाए। उधर, अधिशासी अभियंता ने बताया कि ज़िले में 22 बाढ़ समितियां बनायी गयी हैं, जो बाढ़ व कटान की स्थिति की सूचना तत्काल देंगे। इससे और बेहतर निगरानी रखी जा सकेगी।

एटीएम में काली टेप लगाकर रूपए फंसाने वाले दो आरोपी धराए

बलिया। शहर कोतवाली पुलिस ने एटीएम में काली टेप लगाकर रूपए फंसाने के आरोप में दो आरोपियों को शुक्रवार को राजधानी रोड स्थित इण्डियन आयल पेट्रोल पम्प के पास एसबीआई के एटीएम के सामने से गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के कब्जे से स्विफ्ट डीजायर कार, 20 काली पट्टी प्लास्टिक की, एक चाकू का टुकड़ा, 20 हजार 500 रुपए नकद, छह एटीएम कार्ड, तीन आधार कार्ड व दो पैन कार्ड बरामद किया गया। दोनों आरोपियों का नाम छोटू कुमार यादव पुत्र हरिशंकर यादव निवासी चक्की बिशेश्वर डेरा व सुदामा यादव पुत्र प्रभु यादव निवासी रावल डेरा थाना कृष्णा ब्रह्म है।

मिथलेश व शाहीद का उड़ीसा हॉकी ऐकेडमी व विवेक का यूपी छात्रावास हाकी ऐकेडमी वाराणसी में चयन

गाजीपुर के तीन होनहार खिलाड़ियों ने बढ़ाया जिले का मान

केटी न्यूज / गाजीपुर

जनपद के सदर तहसील अंतर्गत तीन होनहार हाकी खिलाड़ियों में से मिथलेश एवं मुहम्मद शाहीद का उड़ीसा हाकी ऐके-डमी में एवं विवेक कुमार का यूपी छात्रावास हाकी ऐकेडमी वाराणसी के लिए चयन हुआ है। इस चयन की जानकारी खेल प्रेमियों व उनके परिजनों को होते ही उनमें खुशी की लहर दौड़ पड़ी। लोगों ने इस चयन को लेकर एक दूसरे को बधाई देने के साथ मिठाई खिलाकर इस खुशी पर जश्न मनाया। लोगों ने कहा कि गाजीपुर के तीनों युवा खिलाड़ियों पर उन्हें उम्मीद ही नहीं पूरा यकीन है कि वह एक दिन सीनियर भारतीय टीम की ओर से खेलते हुए अपने खेल एवं कला कौशल की बदौलत अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नाम रौशन करेगें। नेहरू स्टेडियम में हॉकी के कोच बृजेश ने बताया कि तीनों खिलाड़ियों का चयन लखनऊ में आयोजित एक ट्रायल मैच में किया गया है। उन्होंने बताया कि तीनों खिलाड़ी वर्तमान समय में नेहरू स्टेडियम में अभ्यासरत हैं। उन्होंने बताया कि मिथलेश व विवेक आईटीआई चौराहा गाजीपुर व मुहम्मद शाहीद गोराबाजार के रहने वाले हैं।

कोच ने बताया कि वर्तमान समय में मिथलेश कक्षा आठ एवं मुहम्मद शाहीद और विकेक कक्षा सात में अध्ययनरत हैं। कहा कि तीनों का चयन होना पूरे जिले के लिए हर्ष का विषय है। कोच ने कहा कि तीनों खिलाड़ी काफी होनहार हैं। उनके खेल को देखते हुए लगता है कि वह बहुत जल्द ही भारतीय टीम में अपना स्थान बना लेगें। उधर बातचीत में चयनित तीनों खिलाड़ियों ने बताया कि उनका चयन होना उनके लिए गर्व का विषय है। कहा कि प्रतियोगिताओं में मौका मिलने पर वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेगें। कहा अगर किसी के प्रति जूनुन है तो निश्चित ही वह लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। कहा कि इसका श्रेय वह अपने कोच व दोस्तों के साथ ही माता- पिता के आशीर्वाद को देगें।

इन खिलाड़ियों के चयन होने पर जिला क्रीड़ाधिकारी अरविंद यादव एवं समस्त प्रशिक्षक ने उन्हें बधाई देते हुए एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उम्मीद जताई है। एक दिन तीनों खिलाड़ी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जिले का नाम रौशन करेंगे।

जौनपुर शहर को जाम से निजात दिलाने के लिए डीएम ने की बैठक

केटी न्यूज/जौनपुर

जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मांदड़ ने मीटिंग हॉल में सेतु निर्माण के अधिकारियों के साथ बैठक की। इसमें जफराबाद-सुल्तानपुर-लखनऊ रेलवे सेक्सन (नईगंज) में बनने वाले ओवर ब्रिज की समीक्षा के दौरान बताया गया कि 10 दिन के अंदर रेलवे भाग अनुमानित डिजाइन ड्रॉइंग द्वारा सेतु निगम को उपलब्ध करा दिया जाएगा, उसके बाद निर्माण कार्य सेतु निगम के द्वारा प्रारंभ कर दिया जाएगा। जगदीशपुर ओवर ब्रिज के निर्माण की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने निर्देश दिया है कि आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण करते हुए जल्द से जल्द निर्माण कार्य शुरू किया जाए। जनपद में उत्तर रेलवे के जौनपुर-शाहगंज रेल सेक्शन के सम्पार संख्या-43ए एवं 42 एए पर संयुक्त रेल ओवर ब्रिज तथा जफराबाद-जंघई-प्रयागराज (हौज) खास की स्वीकृति के लिए वार्षिक कार्य योजना में सम्मिलित करने हेतु आवश्यक कार्यवाही करे। इस अवसर पर उप्र राज्य सेतु निगम वाराणसी लि वाराणसी दीपक गोविल, उप परियोजना प्रबन्धक सेतू निर्माण इकाई जौनपुर जेपी गुप्ता, सहायक अभियंता केके मिश्रा सहित अन्य उपस्थित रहे।

चकबंदी अधिकारी समय से पूरा करें कार्य: डीएम

जौनपुर। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मांदड़ की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में चकबंदी विभाग की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई बैठक में जिलाधिकारी के ने जनपद में चकबंदी प्रक्रिया की प्रगति के संबंध में चकबंदी अधिकारियों के से जानकारी लेते हुए निर्देशित किया गया, कि चकबन्दी प्रक्रिया के अर्न्तगत आने वाले गावों को निर्धारित समयावधि में चकबंदी कार्य पूर्ण किया जाए। उन्होंने धारा 8, 9, 10, प्रकाशन, नयी वार्षिक खतौनी, चक निर्माण के सम्बन्ध में जानकारी के सम्बन्ध में डीडीसी चकबंदी से जानकारी प्राप्त की और निर्देशित किया,कि 05 साल से ऊपर के मुकदमे जल्द से जल्द निस्तारित किया जाए। इस दौरान उन्होंने कब्जा परिवर्तन वाले गांव के संबंध में जानकारी ली और आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए इस अवसर पर चकबन्दी अधिकारी, सहायक चकबन्दी अधिकारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

एक नजर

दबंगों ने वकील पर किया हमला, आक्रोशित अधिवक्ताओं ने किया विरोध प्रदर्शन

जौनपुर। बदलापुर तहसील से घर लौटते समय एक अधिवक्ता पर दबंगों ने हमला बोल दिया। इसमें अधिवक्ता गंभीर रूप से घायल हो गए। आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने पर आक्रोशित अधिवक्ताओं ने शुक्रवार को तहसील परिसर मे विरोध प्रदर्शन किया और गिरफ्तारी न होने तक कार्य बहिष्कार कर दिया। बदलापुर तहसील के अधिवक्ता व ग्राम प्रधान विनोद कुमार गौतम प्रतिदिन की तरह तहसील से बुधवार की शाम करीब सात बजे अपने घर लोहिंदा की ओर बाइक से जा रहे थे। वह उमरी गांव के पास पहुचे, तभी बाइक सवार चार दबंगों ने उन पर हमला बोल दिया। दबंगों के हमले से वह गंभीर रूप से घायल हो गए। पीड़ित अधिवक्ता की तहरीर पर पुलिस एनसीआर दर्ज कर लिया। वहीं आरोपियों की गिरफ्तारी न होने से आक्रोशित अधिवक्ताओं ने शुक्रवार को तहसील परिसर में विरोध प्रदर्शन किया और गिरफ्तारी न होने तक कार्य बहिष्कार कर दिया। बदलापुर तहसील अधिवक्ता संघ के महामंत्री विष्णु शुक्ला बताया कि क्षेत्राधिकारी और एसडीएम से दोषियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने की मांग की है। आरोपियों की गिरफ्तारी तक कार्य बहिष्कार कर दिया है।

एबीवीपी की देशव्यापी मुहिम परिसर चलो यात्रा पहुंची चंदौली, हुआ जोरदार स्वागत

चंदौली। विद्यालय परिसर को जीवंत बनाने और परिसर संस्कृति को बहाल करने के उद्देश्य से अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) की देशव्यापी मुहिम ' परिसर चलो यात्रा ' शुक्रवार को चंदौली जनपद पहुंची। इस दौरान चंदौली मुख्यालय पर दिलीप कुमार सिंह जिला व्यवस्थापक, पवन कुमार सिंह प्रांत संयोजक के नेतृत्व में युवाओं द्वारा परिसर चलो यात्रा का जोरदार स्वागत किया गया। इस दौरान एबीवीपी के काशी प्रांत सहमंत्री नमन श्रीवास्तव ने बताया कि एबीवीपी काशी प्रांत की ओर से आयोजित 'परिसर चलो यात्रा ' के अंतर्गत सोनभद्र के दुद्धी से आरंभ होकर वाराणसी के काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में छह जून को पहुंचेगी। बताया कि यात्रा का उद्देश्य जागरूकता अभियान के तहत है। इसमें विद्यार्थियों को परिसर जाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। वहीं काशी प्रांत मीडिया सहसंयोजक अभिनव त्रिपाठी ने बताया कि परिसर में विद्यार्थियों की घटती उपस्थिति से उपजे चिंतन के परिणाम स्वरूप ' परिसर चलो अभियान ' वर्ष भर विद्यार्थी परिषद चलायेगी। बताया कि इस जागरूकता अभियान के माध्यम से परिसर संस्कृति की महत्ता को बताने के साथ-साथ परिवारों में जाकर भी विद्यार्थियों को परिसर जाकर शिक्षा ग्रहण करने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

भारत और भारतीयता के लिए समर्पित था उनका पूरा जीवन : पुष्पराज सिंह

जौनपुर। भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जयंती की पूर्व संध्या काल पर जिला अध्यक्ष पुष्पराज सिंह की अध्यक्षता में एक संगोष्ठी आयोजित की गई। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह ने कहा कि भारत की एकात्मता और अखंडता के लिए उनके द्वारा किए गए बलिदान को यह देश सदैव स्मरण करेगा। डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन भारत और भारतीयता के लिए समर्पित था। भारत की एकात्मता और अखंडता के लिए उनके द्वारा किए गए बलिदान को यह देश सदैव स्मरण करेगा। उन्होंने कहा कि वह भारत के उद्योग और खाद्य नीति के मार्गदर्शक थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी के विचार को आगे बढ़ाया जा रहा है। स्वतंत्र भारत की पहली सरकार ने तुष्टिकरण की नीति पर चलना शुरू किया तो उन्होंने कैबिनेट से इस्तीफा देकर भारतीय जनसंघ की स्थापना की। डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी का सरकार से मतभेद उस समय भी देखने को मिला था, जब तत्कालीन नेहरू सरकार ने भारत के संविधान में जबरन अनुच्छेद 370 जोड़कर देश की संप्रभुता और सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करने का प्रयास किया था। उसका श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने जमकर विरोध किया था। उस समय उन्होंने नारा दिया था एक देश के दो प्रधान, दो विधान और दो निशान नहीं चलेंगे। बेचन पाण्डेय ने कहा कि डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी महान देशभक्त, प्रखर स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और प्रख्यात शिक्षाविद थे। आजादी के आंदोलन में उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। मात्र 35 वर्ष की आयु में कोलकाता विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में शिक्षा क्षेत्र अनेक उल्लेखनीय कार्य किए। आजादी के पूर्व बंगला में आई अकाल की त्रासदी के समय उन्होंने मानवता की सेवा का उदाहरण प्रस्तुत किया।

खबरें फटाफट

छात्रा को टक्कर मारते हुए खेत में गिरी कार

चंदौली। बबुरी थाना क्षेत्रा के जरखोर में रफ्तार का एक कहर देखने को मिला। जहां स्कूल से पढ़कर लौट रही छात्रा को तेज रफ्तार कार टक्कर मारते हूए खेत में जा गिरी। घटना में छात्रा संगीता (18) गम्भीर रूप से घायल हो गई। जिसे बबुरी स्थित निजी अस्पताल ले जाया गया। जहां हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल और फिर बाद में ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया। जहां छात्रा जीवन मौत के बीच जंग लड़ रही है। जबकि कार सवार वाहन छोड़ मौके से फरार हो गए। घटना से आक्रोशित ग्रामीणों बबुरी जरखोर मार्ग जाम कर दिया।

हाई टेंशन तार की चपेट में आने से दो युवकों की मौत

जौनपुर। सिंगरामऊ क्षेत्र के बछुआर गांवनिवासी दो युवक गुरुवार की शाम 7:30 बजे के करीब हाई टेंशन तार के चपेट में आने से बुरी तरह झुलस गए और उनकी मृत्यु हो गई। जानकारी पर ग्रामीणों ने आनन फानन में स्थानीय पीएचसी ले गए जहां शुरूआती उपचार के बाद गंभीर हालत में बदलापुर रेफर कर दिया गया बदलापुर चिकित्सक डॉक्टर संजय दुबे ने दोनों युवकों को मृत घोषित कर दिया। मृतक युवक सूरज तिवारी पुत्र कृष्ण कुमार तिवारी 22 वर्ष व श्याम यादव 22 वर्ष पुत्र अमरनाथ यादव निवासी बछुआर की मृत्यु हो गई। घटना के बाद परिजनों सहित ग्रामीणों में कोहराम मचा है मौके विधायक रमेश चंद्र मिश्र पुलिस बल के साथ मौजूद थे।

नाबालिग को भगाने का आरोप, अपहृता सकुशल बरामद

चंदौली। सकलडीहा कोतवाली पुलिस ने नाबालिग लड़की को शादी का झांसा देकर अपहरण करने वाले अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। मामले में पीड़िता के पिता ने मुकदमा दर्ज कराया था। अपहृता को भी सकुशल बरामद किया जा चुका है। जानकारी के अनुसार क्षेत्र के एक गांव निवासी नाबालिग लड़की की पिता ने सकलडीहा कोतवाली में अपने नाबालिग पुत्री को शादी का झांसा देकर अपहरण करने के मामले में मुकदमा दर्ज करवाया था। इसी बीच पुलिस ने कार्यवाही करते हुए घटना के आरोपी को अलीनगर तिराहे से गिरफ्तार कर लिया और अपहृता को भी सकुशल बरामद कर लिया। पुलिस द्वारा जानकारी देते हुए बताया गया कि गिरफ्तार अभियुक्त का नाम रविकान्त यादव है जिसके विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

सीएम योगी के निर्देश पर आधिकारियों ने बाढ़ को लेकर तैयारियां की पुख्ता

बाढ़ से पहले सरकार की तैयारियां मुकम्मल, 612 बाढ़ चौकियां स्थापित

- बाढ़ से प्रभावित होने वाले संभावित 39 जिलों में खाद्यान्न टेंडर प्रक्रिया पूरी, 25 जिलों में मॉकड्रिल
- संभावित बाढ़ प्रभावित जनपदों के लिए 10 करोड़ की धनराशि जारी

केटी न्यूज / लखनऊ

योगी सरकार ने प्रदेश में बाढ़ की आशंकाओं को देखते हुए इससे निपटने के लिए व्यापक स्तर पर तैयारियां पूरी कर ली हैं। सीएम योगी के निर्देश पर बाढ़ से निपटने एवं जनहानि-धनहानि को न्यूनतम करने के लिए 24 अतिसंवेदनशील और 16 संवेदनशील इलाकों में बाढ़ चौकियों की स्थापना कर ली गयी है, जहां पर एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और पीएसी की टुकड़ियों को तैनात किया गया है। इसके अलावा बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के लोगों को राहत देने के लिए 40 जिलों में से 39 जिलों में खाद्यान्न टेंडर प्रक्रिया पूरी कर ली गयी है। बता दें कि सीएम योगी ने हाल में ही बाढ़ पूर्व तैयारियों को लेकर एक उच्च स्तरीय बैठक में अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये थे, जिसके बाद अधिकारियों ने मिशन मोड में महज चार से पांच दिन के अंदर तैयारियों को अंजाम दिया है।

प्रमुख सचिव राजस्व पी गुरु प्रसाद ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में अलर्ट रहने के साथ तैयरियों को पुख्ता करने के निर्देश दिये थे। ऐसे में सीएम योगी की मंशा के अनुरुप प्रदेश के अतिसंवेदनशील और संवेदनशील क्षेत्रों में 612 बाढ़ चौकियों की स्थापना की जा चुकी है। वहीं इन क्षेत्रों में अतिरिक्त बाढ़ चौकियों की स्थापना की कार्रवाई चल रही है। इन बाढ़ चौकियों में एनडीआरएफ की 7 टीमें, एसडीआरएफ की 18 टीमें और पीएसी की 17 टीमें तैनात कर दी गयी हैं। इसके साथ ही आपदा मित्रों को भी तैनात किया गया है। इसके अलावा सभी बाढ़ प्रभावित जनपदों में नावों का चिन्हीकरण और नाविक तैनात कर दिये गये हैं। उन्होंने बताया कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में एक वर्ष में 4700 राहत चौपालों को आयोजन किया गया, जिसमें लोगों को बाढ़ के दौरान अपनी और अपने मवेशियों की किस तरह सुरक्षा करनी है, इसकी जानकारी दी गयी। वहीं बाढ़ पूर्व तैयारियों के तहत एसडीआरएफ, एनडीआरएफ और पीएसी की ओर से 25 जनपदों में मॉकड्रिल की गयी।

बाढ़ प्रभावित 39 जिलों में खाद्यान्न पैकेट की टेंडर प्रक्रिया पूरी

राहत आयुक्त जीएस नवीन ने बताया कि बाढ़ प्रभावित जनपदों के लिए 10 करोड़ की धनराशि जारी की जा चुकी है। इस धनराशि से बाढ़ प्रभावित जनपदों में विभिन्न आवश्यक खरीदारी पूरी कर ली गयी है। उन्होंने बताया कि बाढ़ प्रभावित 40 जिलों में से 39 जिलों में खाद्यान्न पैकेट की टेंडर प्रक्रिया पूरी कर ली गयी है। वहीं गाजीपुर में खाद्यान्न पैकेट का टेंडर एक दो दिन में पूरा कर लिया जाएगा। बाढ़ प्रभावित इलाकों में दो खाद्यान्न पैकेट वितरित किये जाएंगे। इनमें पहले पैकेट में प्रति परिवार को ढाई-ढाई किलोग्राम के दो लाई के पैकेट, 2 किलो भुना चना, प्लास्टिक के पैकेट में 1 किग्रा. गुड़, बिस्किट के 10 पैकेट, माचिस और मोमबत्ती के एक पैकेट, 2 पीस नहाने का साबुन, एक 20 लीटर का जरीकेन, 12 गुणे 10 वर्ग फिट मोटाई का एक तिरपाल, जिसका जीएसएम 110 से कम न हो आदि सामान वितरित किया जाएगा। वहीं दूसरे पैकेट में प्रति व्यक्ति 10 किग्रा. आटा, 10 किग्रा. चावल, 2 किग्रा. अरहर दाल, 10 किग्रा. आलू, 200 ग्राम हल्दी, 100 ग्राम मिर्च, 200 ग्राम सब्जी मसाला, 1 लीटर सरसों का तेल और 1 किग्रा. नमक का पैकेट वितरित किया जाएगा।

मंदिर की दान पेटी पर चोर ने किया हाथ साफ

जौनपुर। केराकत कस्बे के सरायबिरु पुलिस बूथ से मात्र 100 मीटर की दूरी पर पहलवान बाबा का सुप्रसिद्ध मंदिर है। जिसमे बीती रात 4 जुलाई को शातिर चोर ने दान पेटिका तोड़कर चोरी की बारदात को अंजाम दिया।चोरी की पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गयी। सीसीटीवी फुटेज में दिखाई दे रहा एक कर चोर दान पेटी को अपने औजारों से खोलकर उसमे रखे गए रुपए भी गायब कर दिया। यह पुलिस ड्यूटी की सक्रियता पर प्रश्न चिन्ह लगाता है।

अभियुक्त के खिलाफ कुर्की जब्ती का आदेश

चंदौली। जनपद के अपर जिला जज तृतीय के न्यायालय में विचाराधीन एनडीपीएस एक्ट के एक मुकदमें में फरार चल रहे मुगलसराय कोतवाली क्षेत्र के एक अभियुक्त के खिलाफ गैरजमानती वारण्ट के साथ कुर्की जब्ती का आदेश जारी किया है। विदित हो कि मुगलसराय कोतवाली में दर्ज मुकदमा संख्या 18/2008 एनडीपीएस एक्ट 8/21 अपर जिला जज तृतीय के न्यायालय में अपराध संख्या 10/2008 एनडीपीएस एक्ट 8/21 विचाराधीन है। उक्त मुकदमें का अभियुक्त मुगलसराय कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत मालगोदाम रोड राममंदिर निवासी परवेश वांछित है और वह फरार चल रहा है।

भाकपा ने जुलूस निकाल सीपी रेगुलेटर को गंगा नहर से जोड़ने की उठाई मांग

केटी न्यूज/चंदौली

भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के बैनर तले भवन निर्माण व अन्य संनिर्माण श्रमिकों ने शुक्रवार को जिला मुख्यालय पर जुलूस निकालकर जिलाधिकारी निखिल टी फुंडे को पत्रक सौंपा। मांग किया कि हड़रिका में रास्ता निर्माण, डवरी कला में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को अतिक्रमण से मुक्त करने व सरने अनुसूचित बस्ती में रास्ते का निर्माण, सरने माइनर की खोदाई, सीपी रेगुलेटर को गंगा नहर से जोड़ा जाए। वहीं आठ सूत्री मांग पत्र श्रम प्रवर्तन अधिकारी को सौंपा। मांग किया कि यूपीबीओसीडब्लू के बंद पड़े पोर्टल को तत्काल चालू किया जाए। साथ ही सीआरएस पोर्टल के नाम पर आवेदन निरस्त करने की प्रक्रिया को तत्काल बंद किया जाए। इसके पूर्व सदर ब्लाक परिसर में आयोजित सभा में राज्य कमेटी (सीपीएम) सदस्य गुलाब चंद ने कहा कि केंद्र और राज्य की सरकार मजदूर विरोधी है। इसका जीता जागता प्रमाण पंजीकृत श्रमिकों को हित लाभ से वंचित करने के लिए श्रम विभाग से संबंधित यूपीबीओसी व पोर्टल को बंद कर दिया गया है। मनरेगा का बजट घटाया गया है। श्रम कानून में बदलाव किया जा रहा है।

चंदौली जिलाधिकारी ने विभागों को 6 इंडिकेटरों में शत प्रतिशत लक्ष्य हासिल करने का दिया निर्देश

केटी न्यूज/चंदौली

जिलाधिकारी निखिल टी. फुंडे ने कलेक्ट्रेट सभागार में नीति आयोग द्वारा आकांक्षी जनपद में जिला स्तरीय संपूर्णता अभियान का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित कर किया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि देश के सभी आकांक्षी जिला व आकांक्षी विकास खण्ड में नीति आयोग के द्वारा स्वास्थ्य, शिक्षा, बाल विकास परियोजना, कृषि एवं आजीविका से संबंधित सूचकांकों पर कार्य किया जाना है। जिसके तहत नीति आयोग द्वारा आकांक्षी जिला चंदौली के चहनियां ब्लाक को आकांक्षी विकास खंड के रूप में चयनित किया गया है इसके लिए सभी संबंधित विभागों द्वारा कार्य योजना बनाई गई है। सभी संबंधित विभागों को जुलाई, अगस्त एवं सितंबर कुल तीन माह के अंदर इन छह इंडिकेटरों में शत प्रतिशत लक्ष्य हासिल करने का निर्देश दिया गया है। शुभारंभ के मौके पर जिलाधिकारी ने इस अभियान के तहत चयनित गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की और उन्हें प्रधानमंत्री मातृत्व योजना के तहत लाभ भी प्रदान किया। इस अभियान के तहत नीति आयोग ने छह सूचकांकों को चुना है। जिसमें चिन्हित आकांक्षी विकास खण्ड में स्वास्थ्य एवं पोषण के सूचकांक में प्रथम तिमाही के अंदर सभी गर्भवती महिलाओं प्रसव पूर्व जांच, ब्लाक के सभी 30 वर्ष से अधिक के लोगों का उच्च रक्तचाप जांच, प्रखंड के सभी 30 वर्ष पूरा कर चुके लोगों के मधुमेह की जांच,शत प्रतिशत टीकाकरण और सभी गर्भवती महिलाओं के बीच बाल विकास परियोजना विभाग के द्वारा पोषाहार का वितरण किया जाना सुनिश्चित किया गया है। इसके अलावा सभी आजीविका समूह के बीच रिवाल्विंग फंड का वितरण और कृषि विभाग के द्वारा संग्रह किए गए सभी मिट्टी के नमूने का परीक्षण कर स्वायल हेल्थ कार्ड जारी करना शामिल है।

धूमधाम से मनी स्व. रामविलास पासवान की जयंती

केटी न्यूज/चंदौली

सदर विकासखंड के कोनिया पासवान बस्ती में शुक्रवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय रामविलास पासवान की जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस दौरान पासवान समाज के लोगों ने उनके चित्र पर श्रद्धा-सुमन अर्पित किया। इसके साथ ही उनके व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डाला। साथ ही स्थानीय लोगों में मिष्ठान का वितरण भी किया। सपा नेता व जिला पंचायत सदस्य रमेश यादव ने कहा कि एक सामान्य दलित परिवार में पैदा हुए रामविलास पासवान भारतीय राजनीतिक के प्रमुख नेताओं में से एक थे। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री बीपी सिंह, एचडी देवगौड़ा, इंद्र कुमार गुजराल, अटल बिहारी बाजपेई, मनमोहन सिंह व नरेंद्र मोदी के साथ काम किया। सयुस के पूर्व जिला महासचिव दिलीप पासवान ने कहा कि पूर्व केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान ने दलितों व असहाय वर्ग के उत्थान के लिए कई ऐतिहासिक कार्य किए, जिस वजह से दलित समाज के लोग सदैव उन्हें याद करते हैं।

सांसद अफजाल अंसारी मामले में कोर्ट ने सुरक्षित रखा फैसला

गाजीपुर। गाजीपुर से सांसद अफजाल अंसारी की क्रिमिनल अपील पर इलाहाबाद हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। सभी पक्षों ने अपनी दलीलें पेश कीं। सुनवाई के बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया। अफजाल अंसारी ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में चार साल की सजा के खिलाफ अपील दायर की है। उन्हें कृष्णानंद राय के मर्डर मामले में गाजीपुर कोर्ट ने सजा सुनाई है।

मीटर रीडरों के मानदेय व पीएफ से संबंधित समस्याओं को उठाया

आंदोलित मीटर रीडरों की लड़ाई में आगे आए पूर्व विधायक

केटी न्यूज/ चंदौली

चार माह से रुके पड़े मानदेय को लेकर आंदोलित विद्युत विभाग के मीटर रीडरों को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव मनोज सिंह डब्लू का साथ मिला। इस दौरान उन्होंने एक्सईएन विद्युत खंड प्रथम कार्यालय पर धरनारत मीटर रीडरों से मुलाकात की और उनकी समस्याओं को सुना। इसके साथ ही एक्सईएन विद्युत से मुलाकात कर मीटर रीडरों के मानदेय व पीएफ से संबंधित समस्याओं को मजबूती के साथ रखा और एक सप्ताह के अंदर रुके हुए मानदेय का भुगतान कराने के साथ ही संबंधित फर्म के बिलों को रोकने की मांग की। चेताया कि यदि ऐसा नहीं हुआ तो मीटरों रिडरों के हित में बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

इस दौरान समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव व पूर्व विधायक मनोज सिंह डब्लू ने कहा कि विद्युत विभाग को अपनी सेवाएं देने वाले मीटर रीडरों का मानदेय पिछले चार माह से ठेकेदार व संबंधित फर्म द्वारा रोक रखा गया है। जब भी मीटर रिडर अपने मानदेय की बात करते हैं तो ठेकेदार द्वारा मीटर रीडरों को मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाता है और उन्हें काम से निकालने की धमकी दी जाती है। कहा कि मीटर रीडरों को पहले से ही बहुत कम मानदेय मिल रहा है। बावजूद इसके उसे चार माह तक रोक दिए जाने से इनके समक्ष अपना परिवार चलाना मुश्किल हो गया है।

कहा कि आर्थिक तंगी व मानसिक प्रताड़ना झेल रहे मीटर रीडर अंततः अपने हक के लिए एक्सईएन कार्यालय पर धरनारत हुए और उन्होंने समस्या के समाधान के लिए मदद मांगी है। कहा कि एक्सईएन ऐसे तमाम फर्म व ठेकेदारों का बिल भुगतान ना करें और मीटर रीडरों का भुगतान सुनिश्चित कराएं। इसके साथ ही मीटर रीडरों से पीएफ का पैसा ठेकेदार द्वारा काटा जाता है लेकिन इनके पीएफ खाते में पैसा जमा नहीं किया जा रहा है। मानदेय व पीएफ का मुद्दा मीटर रिडरों के आर्थिक हित से जुड़ा अत्यंत गंभीर मामला है, जिसे बिजली विभाग तत्काल संज्ञान में लेकर रुके हुए मानदेय का भुगतान कराए। साथ ही पीएफ विसंगतियों को भी दूर करना सुनिश्चित करें। इस बाबत एक्सईएन विद्युत ने बताया कि मामला संज्ञान में है जिससे विभाग के उच्चाधिकारियों के साथ ही संबंधित फर्म को अवगत करा दिया है। क्रमबद्ध तरीके से सभी मीटर रीडरों की समस्या को दूर कर दिया जाएगा। इस अवसर पर चन्द्रिका जायसवाल, बृजेश कुमार, मुकेश कुमार, दिलीप कुमार, संतोष यादव, सोनू चौहान, चंदन चौहान, विनोद चौहान, वीरेंद्र प्रताप, अक्षय, अतुल, अमित आदि उपस्थित रहे।

भगवान जगन्नाथ मंदिर में अविवाहित जोड़ों को नहीं जाना चाहिए, राधा रानी ने दिया था श्राप

पंचांग के अनुसार आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा बेहद उत्साह के साथ निकाली जाती है। इस यात्रा को गुंडिचा यात्रा और रथ महोत्सव के नाम से भी जाना जाता है। भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा में लोग जप-कीर्तन कर गुंडीचा नगर तक जाते हैं। जगन्नाथ पुरी मंदिर में भगवान जगन्नाथ, भाई भगवान बलभद्र और बहन देवी सुभद्रा जी विराजमान हैं। हर वर्ष भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा निकाली जाती है। यह यात्रा में देश-विदेश में अधिक प्रसिद्ध है। इसमें अधिक संख्या में श्रद्धालु शामिल होते हैं। ऐसा माना जाता है कि भगवान जगन्नाथ मंदिर में अविवाहित जोड़ों को नहीं जाना चाहिए। आइए जानते हैं इसके पीछे की वजह के बारे में।

पौराणिक कथा के अनुसार, एक बार श्री राधा रानी ने जगन्नाथ मंदिर में दर्शन करने का विचार किया। जब वह मंदिर में प्रवेश कर रही थीं, तो उनको पुजारी ने रोक दिया। इसके बाद पुजारी से इसके बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि आप श्री कृष्ण की प्रेमिका हैं और विवाहिता भी नहीं हैं। इस वजह से भगवान श्री कृष्ण की पत्नियों को मंदिर में प्रवेश करने की अनुमति नहीं मिली, तो आपको भी मंदिर में जाने की अनुमति नहीं है। इस वजह से राधा रानी पुजारी की इस बात से नाराज हो गईं। इसके बाद राधा रानी ने जगन्नाथ मंदिर को श्राप दिया कि यदि जीवन में कोई अविवाहित जोड़ा एक साथ मंदिर में प्रवेश करेगा, तो उसे कभी भी प्रेमी या प्रेमिका का प्यार नहीं मिलेगा।

यात्रा में होते हैं 3 रथ

यात्रा के लिए 3 रथ बनाए जाते हैं। इन रथ में भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा अलग-अलग रथ पर सवार होकर अपनी मौसी के घर जाते हैं। वहां कुछ दिन विश्राम करने के बाद वापस आते हैं। ऐसा बताया जाता है कि इन रथों को नेम के पेड़ की लकड़ियों की सहायता से बनाया जाता है। सबसे खास बात यह है कि इन रथ को बनाने के लिए किसी भी धातु और कील का प्रयोग नहीं किया जाता है।

मिलते हैं ये लाभ

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, भगवान जगन्नाथ बहन सुभद्रा और भाई बलभद्र का रथ को खींचने से साधक को सुख-समृद्धि का आशीर्वाद प्राप्त होता है और जीवन में आने वाली सभी बाधाओं से मुक्ति मिलती है। रथ यात्रा में शामिल होने से इंसान को मोक्ष की प्राप्ति होती है।

53 साल बाद बना अद्भुत संयोग

2 दिन की होगी जगन्नाथ रथयात्रा

उड़ीसा के पुरी में होने वाला जगन्नाथ रथ यात्रा देश के साथ-साथ पूरी दुनियाभर में प्रसिद्ध है। जहां पर दुनियाभर के लोग उस अद्भुत नजारे को देखने के लिए पहुंचते हैं। बता दें हर साल अषाढ़ माह में भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा निकाली जाती है। इस यात्रा में भगवान कृष्ण के साथ-साथ भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा को भी विराजमान किया जाता है। बता दें कि इस साल जगन्नाथ रथयात्रा 7 जुलाई से आरंभ हो रही है, जो 16 जुलाई को समाप्त होगी। इस साल जगन्नाथ यात्रा पर काफी दुर्लभ संयोग सालों बाद बन रहा है। इस बार तिथियों की हेरफेर के कारण लगातार दो दिन रथ यात्रा होगी। इसके बाद गुंडिचा मंदिर पहुंचेंगे। आपको बता दें कि हर साल आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को जगन्नाथ रथ यात्रा का आरंभ होता है। इसके साथ ही आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष के 11वें दिन जगन्नाथ जी की वापसी के साथ होता है।

कब है जगन्नाथ यात्रा

इस साल जगन्नाथ यात्रा की शुरुआत 07 जुलाई 2024 से 16 जुलाई 2024 तक होगी। इस बीच में 10 दिन की अवधि भगवान जगन्नाथ के भक्तों के लिए बेहद शुभ और मंगलकारी मानी जाती है। यही कारण है कि इस यात्रा में दूर-दूर से श्रद्धालु आकर शामिल होते हैं।

53 साल बाद बना दुर्लभ संयोग

इस साल पुरी में निकलने वाली जगन्नाथ रथयात्रा पूरे दो दिन चलेंगे। पंचांग के अनुसार, इस साल आषाढ़ माह के कृष्ण पक्ष की तिथियां घट गई है। ऐसे में रथयात्रा के पहले की सभी परंपराएं 7 जुलाई तक चलेंगी। इसके बाद सुबह के बजाय शाम को रथयात्रा शुरू होगी। लेकिन रथयात्रा के बाद रथ नहीं हांका जाता है। इसलिए रात को रथ रोक दिया जाएगा और 8 जुलाई को जल्द सुबह रख चलाना शुरू होगा। इसके बाद इस दिन गुंडिचा मंदिर पहुंच जाएंगे। बता दें कि तिथियों का ऐसा संयोग साल 1971 को बना था।

अलग-अलग रथ में सवार होते हैं श्री कृष्ण, बलराम और सुभद्रा जी

बता दें कि भव्य जगन्नाथ रथयात्रा में 3 रथ निकाले जाते हैं, जो कृमशः श्री कृष्ण, बलराम और उनकी बहन सुभद्रा का होता है। हर एक रथ अपने आप पर खास होता है।

भगवान जगन्नाथ का रथ

पहला रथ जगन्नाथ जी का होता है, जिसे नंदीघोष कहा जाता है। इसके साथ ही इसमें लहरा रही ध्वजा को त्रैलोक्य मोहिनी कहा जाता है। इसके साथ ही इस रथ में कुल 16 पहिए होते हैं। इस रथ में पीला रंग का इस्तेमाल किया जाता है।

भगवान बलराम विराजेंगे दूसरे रथ पर

भगवान बलराम के रथ को तालध्वज कहा जाता है। इसके साथ ही रथ में लगे ध्वज को उनानी कहा जाता है। इस रथ में कुल 14 पहिए होते हैं। इसके साथ ही इस रथ को जिस रस्सी से खींचते हैं उसे वासुकी कहा जाता है।

मां सुभद्रा का तीसरा रथ

भगवान जगन्नाथ की छोटी बहन सुभद्रा का भी रथ निकाला जाता है। इस रथ को पद्म ध्वज कहा जाता है। इस रथ में कुल 12 पहिए होते हैं। इस रथ लाल रंग के कपड़ों का इस्तेमाल किया जाता है। इसके साथ ही खींचने वाली रस्सी को स्वर्णाचूड़ा कहा जाता है।

हिंदू धर्म में भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा का बड़ा धार्मिक महत्व है। यह यात्रा हर साल आषाढ़ माह में शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को निकलती है। यह यात्रा ओडिशा के पुरी में स्थित जगन्नाथ मंदिर से बड़े धूमधाम और भव्यता के साथ निकाली जाती है। यह मंदिर चार पवित्र धामों में से एक है। यह यात्रा कुल 10 दिनों कि होती है और इसके बाद आषाढ़ शुक्ल पक्ष के 11वें दिन जगन्नाथ जी की वापसी के साथ इस यात्रा का समापन होता है। इस यात्रा में शामिल होने के लिए देश के कोने-कोने से श्रद्धालु आते हैं। जगन्नाथ मंदिर पर श्रीहरि विष्णु के आठवें अवतार भगवान श्रीकृष्ण के साथ उनके बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा की भी पूजा होती है।

धार्मिक ही नहीं बल्कि वैज्ञानिक कारणों से भी मौली बांधी जाती है

हिंदू धर्म में किसी भी पूजा-पाठ या फिर यज्ञ, हवन आदि से समय पंडित (पुरोहित) यजमान की दायीं कलाई में कलावा बांधते हैं। कलावा को मौली और रक्षासूत्र के नाम से भी जाना जाता है। लेकिन क्या कभी आपने ये सोचा है कि इसके पीछे क्या कारण है। अगर आपको लगता है कि इसके पीछे सिर्फ धार्मिक कारण है तो ऐसा नहीं है। जी हां, धार्मिक ही नहीं बल्कि वैज्ञानिक कारणों से भी मौली बांधी जाती है।

देवी लक्ष्मी ने की कलावा बांधने की शुरुआत

शास्त्रों में ये कहा गया है कि कलावा या मौली बांधने का प्रारंभ माता लक्ष्मी और राजा बलि ने की थी। माना जाता है हाथ पर मौली बांझने से जीवन में आने वाले संकट से रक्षा होती है। कलावा को हमेशा बांधते समय एक मंत्र को बोला जाता है-

येन बद्धो बलि राजा, दानवेन्द्रो महाबल:,
तेन त्वाम प्रतिबद्धनामि रक्षे माचल माचल:।

कलावा धारण करने होती है इनकी कृपा

शास्त्रों में कहा गया है कि कलावा बांधने से त्रिदेव यानी ब्रह्मा, विष्णु और महेश का आशीर्वाद मिलता है। साथ ही लक्ष्मी, सरस्वती और पार्वती तीनों देवियों की अनुकूलता का भी फायदा मिलता है। जानें कलावा धारण करने को लेकर क्या कहता है विज्ञान विज्ञान के मुताबिक, शरीर के ज्यादातर अंगों तक जाने वाली नसें कलाई से होकर गुजरती हैं। वहीं जब कलाई पर मौली या कलावा बांधा जाता है तो इससे नसों की क्रिया नियंत्रित रहती हैं। इससे वात, पित्त और कफ की समानता बनी रहती है। माना ये भी जाता है कि कलावा बांधने से हृदय संबंधी रोग, डायबिटीज, ब्लड प्रेशर और पैरालिसिस जैसे रोगों से काफी सुरक्षा होती है।

इन स्थानों पर मौली बांधने से मिलता है लाभ

मौली को शादी शुदा महिलाओं के बाएं हाथ और पुरुषों एवं अविवाहित कन्याओं के दाएं हाथ में बांधने का विधान है। चाबी के छल्ले, बही-खाता और तिजोरी जैसी जगहों पर पवित्र मौली बांधने से फायदा होता है, ऐसी मान्यताएं कहती हैं।

आर्थिक समस्याओं में कलावा

मान्यता है कि कलावे में देवी या देवता अदृश्य रूप में विराजमान रहते हैं। इसका निर्माण कच्चे सूत से तैयार होता है और यह कई रंगों जैसे पीला, सफेद, लाल या फिर नारंगी रंग से मिलकर बनता है। ऐसा माना जाता है कलाई पर इसे बांधने से आर्थिक समस्या भी दूर होती है।

जगन्नाथ रथयात्रा के पहले प्रभु जगन्नाथ को 108 कलशों से शाही स्नान कराया जाता है। फिर 15 दिन तक प्रभु जी को एक विशेष कक्ष में रखा जाता है। जिसे ओसर घर कहते हैं। आखिर उन्होंने क्यों एकांत में 15 दिन के लिए रखा जाता है और उसके बाद ही रथयात्रा प्रारंभ होती है? जानते हैं इस रहस्य को।

रथयात्रा से पहले 15 दिन तक एकांतवास में रहते हैं भगवान जगन्नाथ?

कथा के अनुसार प्रभु जगन्नाथ के कई भक्तों में से एक थे माधवदास। बचपन में ही उनके माता पिता शांत हो गए थे तो बड़े भाई के आग्रह पर उन्होंने विवाह कर लिया और अंत में भाई भी उन्हें छोड़कर संन्यासी बन गए तो उन्हें बहुत बुरा लगा। फिर एक दिन पत्नी का अचानक देहांत हो गया तो वे फिर से अकेले रह गए। पत्नी के ही कहने पर वे बाद में जगन्नाथ पुरी में जाकर प्रभु की भक्ति करने लगे। माधवदास के संबंध में बहुत सारी कहानियां प्रचलित है उन्हीं में से एक कहानी है प्रभु जगन्नाथ के 15 दिन तक बीमार पड़ने की कहानी। प्रभु जगन्नाथ रथयात्रा के 15 दिन पहले बीमार पड़ जाते हैं और 15 दिन तक बीमार रहते हैं।

माधवदासजी जगन्नाथ पुरी में अकेले ही रहते थे। वे अकेले ही बैठे बैठे भजन किया करते थे और अपना सारा काम खुद ही करते थे। प्रभु जगन्नाथ ने उन्हें कई बार दर्शन दिए थे। वे नित्य प्रतिदिन श्री जगन्नाथ प्रभु का दर्शन करते थे और उन्हीं को अपना मित्र मानते थे। एक बार माधवदास जी को अतिसार (उलटी-दस्त) का रोग हो गया। वह इतने दुर्बल हो गए कि चलना-फिरना भी मुश्किल हो गया। फिर भी अपना सारा काम खुद किया करते थे।

उनके परिचितों ने कहा कि महाराज हम आपकी सेवा करें तो माधवदासजी ने कहा कि नहीं, मेरा ध्यान रखने वाले तो प्रभु श्रीजगन्नाथजी है। वे कर लेंगे मेरी देखभाल, वही मेरी रक्षा करेंगे।

फिर धीरे धीरे उनकी तबीयत और बिगड़ गई और वे उठने-बैठने में भी असमर्थ हो गए तब भगवान श्रीजगन्नाथ जी स्वयं सेवक बनकर इनके घर पहुंचे और माधवदासजी से कहा कि हम आपकी सेवा करें। उस वक्त माधवदासजी की बेसुध से ही थे। उनका इतना रोग बढ़ गया था की उन्हें पता भी नहीं चलता था कि कब मल-मूत्र त्याग देते थे और वस्त्र गंदे हो जाते थे। भगवान जगन्नाथ ने उनकी 15 दिन तक खूब सेवा की। उनके गंदे कपड़ों को भी धोया और उन्हें नहलाया भी। जब माधवदास जी को होश आया, तब उन्होंने तुरंत पहचान लिया कि यह तो मेरे प्रभु ही हैं। यह देखकर माधवदासजी ने पूछा, प्रभु आप तो त्रिलोक के स्वामी हैं, आप मेरी सेवा कर रहे हैं। आप चाहते तो मेरा रोग क्षण में ही दूर कर सकते थे। परंतु आपने ऐसा न करके मेरी सेवा क्यों की?

प्रभु श्री जगन्नाथ जी ने कहा- देखो माधव! मुझसे भक्तों का कष्ट नहीं सहा जाता। इसी कारण तुम्हारी सेवा मैंने स्वयं की है। दूसरी बात यह कि जिसका जैसा प्रारब्ध होता है उसे तो वह भोगना ही पड़ता है। मैं नहीं चाहता था कि तुम्हें प्रारब्ध का भोगना न पड़े और फिर से जन्म लेना पड़े। अगर उसको भोगेगे-काटोगे नहीं तो इस जन्म में नहीं तो उसको भोगने के लिए फिर तुम्हें अगला जन्म लेना पड़ेगा। इसीलिए मैंने तुम्हारी सेवा की। परंतु तुम फिर भी कह रहे हो तो अभी तुम्हारे हिस्से के 15 दिन का प्रारब्ध का रोग और बचा है तो अब 15 दिन का रोग मैं ले लेता हूं और अब तुम मुक्त हो। इसके बाद प्रभु जगन्नाथ खुद 15 दिन के लिए बीमार पड़ गए।

इस घटना की स्मृति में तभी से रथयात्रा के पूर्व प्रभु जगन्नाथ बीमार पड़ जाते हैं। तब 15 दिन तक प्रभु जी को एक विशेष कक्ष में रखा जाता है। जिसे ओसर घर कहते हैं। इस 15 दिनों की अवधि में महाप्रभु को मंदिर के प्रमुख सेवकों और वैद्यों के अलावा कोई और नहीं देख सकता। इस दौरान मंदिर में महाप्रभु के प्रतिनिधि अलारनाथ जी की प्रतिमा स्थपित की जाती हैं तथा उनकी पूजा अर्चना की जाती है। 15 दिन बाद भगवान स्वस्थ होकर कक्ष से बाहर निकलते हैं और भक्तों को दर्शन देते हैं। जिसे नव यौवन नैत्र उत्सव भी कहते हैं। इसके बाद द्वितीया के दिन महाप्रभु श्री कृष्ण और बडे भाई बलराम जी तथा बहन सुभद्रा जी के साथ बाहर राजमार्ग पर आते हैं और रथ पर विराजमान होकर नगर भ्रमण पर निकलते हैं।

अनिल अंबानी की कंपनी का कर्ज चुकाएगी महाराष्ट्र सरकार! गिरते बाजार में रॉकेट बना शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। महाराष्ट्र की एकनाथ शिंदे सरकार ने मुंबई मेट्रो की सबसे पुरानी लाइन मेट्रो 1 को खरीदने की योजना को ठंडे बस्ते में डाल दिया है। लेकिन राज्य मंत्रिमंडल ने एमएमआरडीए की कार्यकारी समिति को एकमुश्त निपटान के माध्यम से मुंबई मेट्रो वन प्राइवेट लिमिटेड के 1,700 करोड़ रुपये के कर्ज का मूल्यांकन करने का निर्देश दिया है। 11.4 किमी लंबा मेट्रो-1 कॉरिडोर वर्सोवा-अंधेरी-घाटकोपर के बीच है। यह मुंबई मेट्रो का एकमात्र कॉरिडोर है जिसे पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप के जरिए बनाया गया था। इसके लिए एक स्पेशल पर्पज वीकल एमएओपीएल बनाई गई थी। इसमें एमएमआरडीए की 26 प्रतिशत और अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर की 74 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इस कॉरिडोर में रोजाना 4.6 लाख यात्री सफर करते हैं। इस न्यूज से रिलायंस इन्फ्रा का शेयर करीब 10 फीसदी उछल गया। शेयर मार्केट में गिरावट के बावजूद कंपनी का शेयर बीएसई पर कारोबार के दौरान 206.65 रुपये तक पहुंचा।

एमएओपीएल पर कुछ छह बैंकों का बकाया है। इनमें भारतीय स्टेट बैंक, आईडीबीआई बैंक, केनरा बैंक, इंडियन बैंक, बैंक ऑफ महाराष्ट्र और आईआईएफसीएल (यूके) शामिल हैं। मार्च 2024 में कंपनी ने अपने ऋणदाताओं के साथ एक समझौता किया था जिसके तहत अपने पूरे ऋण का निपटान करने के लिए 1,700 करोड़ रुपये का भुगतान करने पर सहमति व्यक्त की गई। इस व्यवस्था के तहत, एमएमआरडीए और एमएओपीएल ने ऋणदाताओं को 171 करोड़ रुपये का प्रारंभिक भुगतान किया। सूत्रों ने बताया कि अब 26 जून को कैबिनेट की बैठक में यह निर्णय लिया गया कि एमएमआरडीए की कार्यकारी समिति

से एकमुश्त निपटान के मुद्दे पर चर्चा करने के लिए कहा जाए।

उल्लेखनीय है कि 11 मार्च को राज्य मंत्रिमंडल ने मेट्रो-1 में रिलायंस इन्फ्रा की 74 प्रतिशत हिस्सेदारी को एमएमआरडीए द्वारा 4,000 करोड़ रुपये में खरीदने को मंजूरी दे दी थी। लेकिन एमएमआरडीए ने कहा कि उसके पास इसके लिए पैसे नहीं हैं। उसने राज्य सरकार से फंड देने का अनुरोध किया लेकिन सरकार ने इसे खारिज कर दिया। राज्य मंत्रिमंडल ने हाल ही में अपने खरीद निर्णय को उलट दिया था। अब एमएमआरडीए कमिश्नर इस मुद्दे पर चर्चा करने के लिए एमएओपीएल के सभी छह ऋणदाताओं के साथ एक बैठक आयोजित करने की योजना बना रहे हैं। अप्रैल 2023 से जून 2024 तक एमएओपीएल ने 225 करोड़ रुपये से अधिक का ब्याज चुकाया है।

एमएओपीएल को नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल में दिवालियापन की कार्यवाही का सामना करना पड़ रहा था। आईडीबीआई बैंक ने 133.37 करोड़ रुपये के बकाये पर अक्टूबर 2023 में दिवालियापन की कार्यवाही शुरू की, जबकि एसबीआई ने 416 करोड़ रुपये की चूक के कारण अगस्त 2023 में कार्यवाही शुरू की। एमएमआरडीए ने 170 करोड़ रुपये यानी वन-टाइम सेटलमेंट की 10 फीसदी राशि का भुगतान किया था। उसके बाद एनसीएलटी ने दिवालियापन के मामलों का निपटारा कर दिया था। इस बारे में संपर्क करने पर एमएओपीएल के प्रवक्ता ने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। एमएमआरडीए के अधिकारी भी टिप्पणी के लिए उपलब्ध नहीं थे।

अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि 2,356 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित मेट्रो लाइन 1 घाटे में नहीं है, लेकिन वित्तीय संकट में फंसा अनिल अंबानी समूह इस प्रोजेक्ट से बाहर निकलना चाहता है। एमएमआरडीए और एमएओपीएल के बीच 2007 में कनसेशन एग्रीमेंट पर साइन हुए थे। यह कॉरिडोर 2014 में ऑपरेशनल हुआ था। इसकी लागत को लेकर भी एमएमओपीएल और एमएमआरडीए के बीच कानूनी लड़ाई चल रही है। एमएमओपीएल का दावा है कि इस कॉरिडोर को बनाने में 4,026 करोड़ रुपये का खर्च आया था जबकि एमएमआरडीए का कहना है कि इसकी मूल लागत 2,356 करोड़ रुपये थी।

संक्षिप्त समाचार

बारिश के मौसम में कार खरीदें और बचाएं हजारों रुपए! कंपनियां दे रहीं है धमाकेदार डिस्काउंट

नई दिल्ली, एजेंसी। गर्मी की वजह से लोग शोरूम कम जा रहे हैं, जिससे कार की बिक्री पर असर पड़ा है। साथ ही, आने वाले मानसून में भी गाड़ियों की बिक्री कम रहने का अंदेशा है। इन चुनौतियों से निपटने के लिए कार कंपनियां और डीलर्स रात में शोरूम खोलने और खासतौर से शुरुआती मॉडल की गाड़ियों पर भारी डिस्काउंट देने जैसे उपाय कर रहे हैं।

फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन के सर्वे के मुताबिक, गर्मी की वजह से शोरूम पर आने वाले लोगों की संख्या में कम से कम 18 फीसदी की गिरावट आई है। हालांकि, कई शहरों में गर्मी कम हो रही है, फिर भी मारुति सुजुकी जैसी

कंपनियां रात में भी अपने शोरूम खोल रही हैं। बारिश का मौसम शुरू होते ही गाड़ियों की बिक्री बढ़ाने के लिए कार कंपनियां और डीलर्स तरह-तरह के ऑफर दे रही हैं, जिनमें छूट, एक्सचेंज बोनस और फ्री गिफ्ट शामिल हैं। आमतौर पर मानसून के दौरान शुभ दिन कम होते हैं और मौसम भी खराब रहता है, जिसकी वजह से गाड़ियों की बिक्री कम हो जाती है। इसीलिए कंपनियां बिक्री बढ़ाने के लिए ग्राहकों को लुभाने वाले ऑफर देती हैं।

मिल रही भारी छूट- इस बार मानसून आने से पहले देशभर के शोरूम पर अलग-अलग गाड़ियों पर 20,000 रुपए से लेकर 4 लाख रुपए तक की छूट दी जा रही है। ये छूट पिछले साल के मानसून के मुकाबले ज्यादा हैं, क्योंकि कंपनियों के पास पहले से ज्यादा गाड़ियां स्टॉक में हैं और गर्मी की वजह से लोग कम शोरूम जा रहे हैं।

फाडा के प्रेसिडेंट मनीष राज सिंघानिया का कहना है कि, इस साल पिछले साल के मुकाबले ज्यादा छूट मिल रही है क्योंकि कंपनियों के पास ज्यादा गाड़ियां जमा हो गई हैं। इसका मतलब है कि गाड़ियां बनाने वाली कंपनियां ही नहीं बल्कि डीलर्स भी अपना स्टॉक खत्म करने के लिए ऑफर दे रहे हैं। पिछले साल गाड़ियों की कमी थी और लोगों को गाड़ी लेने के लिए इंतजार करना पड़ता था, लेकिन अब ज्यादातर मॉडल और वेरिएंट आसानी से मिल रहे हैं। इस वजह से ग्राहकों को काफी ज्यादा डिस्काउंट मिल रहा है। मारुति सुजुकी की गाड़ियों पर भी अच्छी छूट मिल रही है, उदाहरण के लिए आटो के10 पर 40,000 रुपए, एस प्रेसोस और वैगन आर पर 25,000 से 30,000 रुपए तक और स्विट पर 15,000 से 20,000 रुपए तक की छूट मिल रही है। एमएसआइएल के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी (मार्केटिंग एवं बिक्री) पार्थो बनर्जी कहते हैं कि शाम के समय ज्यादा ग्राहक शोरूम आते हैं, इस वजह से वो रात में भी शोरूम खोल रहे हैं। कंपनी को उम्मीद है कि मानसून के बाद अच्छी फसल होने से गाड़ियों की बिक्री बढ़ेगी। होंडा ने भी होंडा मैजिकल मानसून नाम से एक खास ऑफर शुरू किया है, जिसमें उनकी सभी गाड़ियों पर फायदे और फ्री गिफ्ट दिए जा रहे हैं।

महंगे आलू, प्याज, टमाटर ने बिगाड़ा थाली का स्वाद

10 प्रतिशत महंगी हो गई वेज थाली, नॉन-वेज थाली 4 प्रतिशत सस्ती

नई दिल्ली, एजेंसी। इस साल जून महीने में कई बदलाव हुए। केंद्र में एक बार फिर से नरेंद्र मोदी सरकार बन गई। लेकिन आम आदमी को झटका लगना चालू है। वह इसलिए, क्योंकि बीते जून में आलू 59 फीसदी, प्याज 46 फीसदी और टमाटर 30 फीसदी महंगा हो गया। यही नहीं, इस है। बीते जून महीने में एक औसत गृहस्थ के घर में वेज थाली तैयार करने की लागत फिर से बढ़ गई है। इस महीने इसकी लागत में 10 फीसदी का इजाफा हुआ है। इसकी वजह आलू-प्याज, टमाटर से लेकर चावल-दाल सबका महंगा होना है। हां, इस महीने चिकन के दाम में गिरावट की वजह

महीने चावल की कीमतें भी 13 फीसदी बढ़ी हैं। इस वजह से इस एक गृहस्थ की वेज या शाकाहारी थाली तैयार करने की कीमत में 10 फीसदी का इजाफा हो गया। हालांकि इसी महीने ब्रॉयलर चिकन सस्ता होने की वजह से नॉन-वेज या मांसाहारी थाली की कीमत चार फीसदी घटी है।

शाकाहारियों के लिए आफत, चिकन खाने वालों की मौज- इस समय शाक-सब्जी खाने वालों की आफत है। क्योंकि वेज थाली लगातार महंगी हो रही से नॉन वेज थाली तैयार करने का खर्च चार फीसदी कम हो गया। यह तुलना पिछले वर्ष के इसी महीने की लागत से की गई है।

कहां से आई है रिपोर्ट- बीते जून महीने में वेज थाली और नॉन-वेज थाली के महंगे होने के बारे में रिपोर्ट क्रिसिल की तरफ से आई है। शुक्रवार को क्रिसिल मार्केट इंटेलिजेंस एंड एनालिसिस क्रिसिल एमआईएंडए रिसर्च ने अपनी मासिक राइस रोटी रेट रिपोर्ट पेश जारी की।

क्यों महंगी हुई वेज थाली

क्रिसिल की रोटी राइस रिपोर्ट में बताया गया है कि बीते जून महीने में आलू के दाम में 59 फीसदी की भारी बढ़ोतरी हुई। इसके साथ ही प्याज भी 46 फीसदी महंगा हो गया। उधर कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में जून महीने के दौरान खूब गर्मी बढ़ी। इससे टमाटर के पौधे झुलस गए। इस वजह से टमाटर की कीमतें 30 फीसदी बढ़ गई। रही सही कसर चावल ने पूरा कर दिया। इस महीने चावल की कीमतों में भी 13 फीसदी का इजाफा हुआ है। ऐसे में शाकाहारी थाली को तैयार करने की लागत में वृद्धि तो होना ही था।

चावल-दाल ने बिगाड़ा खेल

जून महीने में चावल जहां 13 फीसदी महंगा हुआ वहीं दाल भी 22 फीसदी महंगी हो गई। अरहर दाल की कीमत तो इस महीने खुले बाजार में ढाई सौ रुपये किलो तक पहुंच गया। थाली कीमत तय करने में चावल और दाल की कीमत इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि शाकाहारी थाली की कीमत तय करने में चावल का वेटेज 13 फीसदी जबकि दाल का वेटेज नौ फीसदी है। मतलब कि दोनों मिला कर करीब एक चौथाई फीसदी हो जाता है।

क्रिप्टो मार्केट में मची अफरा-तफरी, 54000 के नीचे आया बिटकाउन

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया की सबसे पुरानी, सबसे बड़ी और सबसे लोकप्रिय क्रिप्टोकरेंसी बिटकाइन की कीमत में गिरावट का दौर आज लगातार चौथे दिन भी जारी है। गिरते-गिरते शुक्रवार को इसकी कीमत चार महीने के निचले स्तर पर पहुंच गई और यह एक साल में अपने सबसे खराब साप्ताहिक प्रदर्शन की ओर बढ़ रहा है। यह गिरावट ऐसे समय आई है जबकि शेयर मार्केट रोज-रोज नए रिकॉर्ड बना रहे हैं। निवेशक इस बात को लेकर

चिंतित हैं कि जो बाइडन अमेरिका के राष्ट्रपति चुनावों में डेमोक्रेटिक पार्टी की तरफ से उम्मीदवार बने रहेंगे या नहीं। साथ ही क्रिप्टो सप्लाई में संभावित बढ़ोतरी से भी क्रिप्टोकरेंसीज की कीमत में गिरावट आ रही है।

बिटकॉइन की कीमत शुक्रवार को 8 प्रतिशत गिरकर 53,918 पर आ गई, जो फरवरी के अंत के बाद से सबसे कम है। इसी तरह दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी ईथर भी 9 फीसदी गिरकर 2,855 पर आ गया, जो डेढ़ महीने का निचला स्तर है। अमेरिका में एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड के लॉन्च के बाद बिटकॉइन ने साल की मजबूत शुरुआत की थी। मार्च के मध्य में इसकी कीमत 73,803.25 के रेकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई थी लेकिन उसके बाद से बिटकॉइन की कीमत में 21 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई है। निवेशक इस बात से भी चिंतित हैं कि डेमोक्रेटिक पार्टी किसी ऐसे व्यक्ति को राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बना सकती है जो क्रिप्टो का बड़ा सपोर्टर न हो।

सप्लाई में तेजी

डॉनल्ड ट्रंप के साथ पहली बहस में बाइडन का प्रदर्शन बहुत अच्छा नहीं रहा। तभी से इस तरह की अटकलों का बाजार गर्म है कि पार्टी उन्हें साइडलाइन कर सकती है। साथ ही इस तरह की भी रिपोर्ट है कि माउंट गोक्स (स्ह्र. तग्ग×) ने अपने लेनदारों का पैसा देना शुरू कर दिया है। यह कभी दुनिया का सबसे बड़ा क्रिप्टो एक्सचेंज था लेकिन साल 2014 में बंद हो गया था। इससे निवेशकों में यह चिंता पैदा हो गई है कि अगर क्रेडिटर अपने टोकन बेच देते हैं तो बिटकॉइन पर और भी दबाव पड़ सकता है।

टेस्ला के भारत आने की उम्मीद कम, कंपनी के अधिकारियों ने सरकार से संपर्क बंद किया

नई दिल्ली, एजेंसी। जब भारत का दौरा रद्द कर एलन मस्क अप्रैल में चीन की यात्रा पर गए थे, तब यह कहा जा रहा था कि एलन मस्क लोकसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद भारत दौरा प्लान कर सकते हैं। भारत में 4 हजार करोड़ रुपए से अधिक के निवेश के साथ भारतीय बाजार में अपने इलेक्ट्रिक व्हीकल्स को लॉन्च करने की उनकी योजना अब खटाई में पड़ती दिख रही है। बताया जा रहा है कि एलन मस्क की इलेक्ट्रिक कार निर्माता कंपनी के अधिकारियों ने भारत सरकार के अधिकारियों से संपर्क करना बंद कर दिया है। इसके बाद इस बात की उम्मीद कम नजर आ रही है कि टेस्ला इंक जल्द भारत में निवेश कर सकती है।

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो एलन मस्क के भारत की यात्रा स्थगित करने के बाद से उनकी टीम ने नई दिल्ली में अधिकारियों से कोई भी पूछताछ नहीं की है। एक अधिकारी ने नाम ना बताने के शर्त पर कहा कि सरकार को यह समझ में आ गया है कि टेस्ला के पास पैसों की कमी है और वह निकट भविष्य में भारत में नए निवेश की योजना नहीं बनाती दिख रही है।

ऐसा तब हुआ है, जब टेस्ला ने वैश्विक स्तर पर तिमाही डिलीवरी में लगातार दूसरी बार गिरावट दर्ज की है। उसे चीन में कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है। टेस्ला ने अप्रैल में बड़े पैमाने पर कंपनी में छंटनी का ऐलान किया था। इस पर मई में अमल भी किया गया। कंपनी के नए प्रोडक्ट साइबरट्रक का प्रोजेक्ट भी अब धीमी गति से आगे बढ़ रहा है। इतना ही नहीं मैक्सिको में बनाए जाने वाले नए प्लांट की रफ्तार भी कम हो गई है।

इतने हजार करोड़ का निवेश

एलन मस्क ने अपनी भारत यात्रा तब रद्द की थी, जब सरकार ने कुछ हफ्ते पहले ही विदेशी कार निर्माताओं के ईवी इंपोर्ट पर टैक्स को कम करने का ऐलान किया था। टेस्ला को इस नियम का फायदा कम से कम 4,150 करोड़ रुपए (497 मिलियन डॉलर) का निवेश करने और तीन साल के भीतर एक स्थानीय कारखाने में ईवी उत्पादन शुरू करने पर मिलने वाला था। इसके बजाय भारत सरकार को देश में ईवी उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए टाटा मोटर्स लिमिटेड और महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड जैसी घरेलू वाहन निर्माताओं से भी नए प्लांट लगाने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि अगर मस्क फिर से संपर्क करने का फैसला करते हैं, तो नई इंपोर्ट टैक्स नीति का लाभ उठाने के लिए टेस्ला का अभी भी स्वागत किया जाएगा। ब्लूमबर्ग एनईएफ के अनुसार, भारत का ईवी बाजार अपनी फर्स्ट स्टेज में है, जिसमें पिछले साल बैटरी से चलने वाली कारों की हिस्सेदारी कुल बिक्री का केवल 1.3 प्रतिशत थी। कई खरीदार इलेक्ट्रिक कारों की अधिक लागत और चार्जिंग स्टेशनों की कमी के कारण स्विच करने में संकोच कर रहे हैं।

देश का सबसे बड़ा आईपीओ लाने की तैयारी में मुकेश अंबानी! रिलायंस की एजीएम में हो सकती है घोषणा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी देश का सबसे बड़ा आईपीओ लाने की तैयारी में हैं। रिलायंस जियो इन्फोकॉम ने हाल ही में मोबाइल टैरिफ में बढ़ोतरी की है। साथ ही कंपनी अपने 5त्र कारोबार को भुनाने की दिशा में आगे बढ़ी है। जानकारों का कहना है कि यह इस बात का संकेत हो सकता है कि रिलायंस जियो आईपीओ लाने की तैयारी कर रही है। यह भारत का अब तक का सबसे बड़ा आईपीओ हो सकता है। कुछ एनालिस्ट्स का कहना है कि कंपनी का आईपीओ अगले साल की शुरुआत में आ सकता है। विश्लेषकों और इंडस्ट्री से जुड़े लोगों को उम्मीद है कि रिलायंस इंडस्ट्रीज की अगले महीने संभावित एजीएम में जियो की आईपीओ के बारे में तस्वीर स्पष्ट हो सकती है।

अमेरिकी कंपनी विलियम ओ% नील एंड कंपनी की भारतीय यूनिट के इक्विटी रिसर्च प्रमुख मयूरेश जोशी ने कहा कि देश की सबसे बड़ी टेलिकॉम कंपनी के निकट भविष्य में बहुप्रतीक्षित आईपीओ के लिए मंच तैयार हो चुका है। जोशी और अन्य विश्लेषकों का अनुमान है कि टैरिफ में बढ़ोतरी और 5जी बिजनस से आने वाली तिमाहियों में जियो की प्रति यूजर औसत आय में वृद्धि होगी। इससे शेयर बिक्री से पहले यह संभावित निवेशकों के लिए अधिक आकर्षक हो जाएगा। ब्रोकरेज फर्म जेफरीज ने कहा कि वह आरआईएल को आगामी एजीएम में जियो की लिस्टिंग के बारे में किसी भी घटनाक्रम पर नजर रखेगी। ब्रोकरेज ने कहा कि मॉनिटाइजेशन पर फोकस बढ़ना इस बात का संकेत है कि कंपनी जल्दी ही लिस्ट हो सकती है।

जियो ने ईटी के टिप्पणी के अनुरोध का जवाब नहीं दिया। जेफरीज के मुताबिक टैरिफ में हालिया बढ़ोतरी और मॉनिटाइजेशन के बाद जियो की वैल्यूएशन करीब 133 अरब डॉलर (11.11 लाख करोड़) है। इस वैल्यूएशन पर जियो का आईपीओ देश का अब तक का सबसे बड़ा इश्यू हो सकता है। मौजूदा नियमों के अनुसार, 1 लाख करोड़ रुपये या उससे ज्यादा वैल्यूएशन वाली कंपनियों को आईपीओ में कम से कम 5 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचनी होगी। मतलब मौजूदा वैल्यूएशन के आधार पर जियो की शेयर बिक्री 55,500 करोड़ रुपये की हो सकती है। भारत में अब तक का सबसे बड़ा आईपीओ एलआईसी का रहा है। साल 2022 में कंपनी 21,000 करोड़ का इश्यू लेकर आई थी। हुंडई मोटर की भारतीय इकाई ने पिछले महीने 17.5 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचकर 25,000 करोड़ जुटाने के लिए आईपीओ के लिए सेबी से मंजूरी मांगी थी।

जियो की पैरेंट कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज का शेयर गुरुवार को बीएसई पर लगभग स्थिर 3,107.90 रुपए पर बंद हुआ। दूसरी सबसे बड़ी दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल का मार्केट कैप गुरुवार को 1,423.35 के बंद भाव के आधार पर 8.1 लाख करोड़ है। जियो प्लेटफॉर्म्स लिमिटेड में रिलायंस की 67.03 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इसमें रिलायंस की टेलिकॉम और डिजिटल कंपनियां शामिल हैं। इसके ऑपरेशन में टेलिकॉम बिजनस की बड़ी हिस्सेदारी है। कंपनी की 17.72 प्रतिशत हिस्सेदारी मेटा और गूगल के पास है। विस्टा इक्विटी पार्टनर्स, केकेआर, पीआईएफ, सिल्वर लेक, एल कैटरटन, जनरल अटलांटिक और टीपीजी सहित वैश्विक पीई निवेशकों के पास शेष 15.25 प्रतिशत हिस्सेदारी है। जेपीएल ने 2020 में इन प्रमुख वैश्विक निवेशकों से 1.52 लाख करोड़ रुपये से अधिक जुटाए थे।

आरबीआई के बंपर लाभांश से विनिवेश की कम होगी जरूरत, अंतरिम बजट में बना रह सकता है 50,000 करोड़ का लक्ष्य

नई दिल्ली, एजेंसी। आरबीआई की ओर से मिले 2.1 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड लाभांश से सरकार को चालू वित्त वर्ष में विनिवेश की कम जरूरत हो सकती है। केयर रेटिंग्स ने कहा, नई सरकार विनिवेश से प्राप्तियों पर अंतरिम बजट में 50,000 करोड़ रुपये के लक्ष्य को बरकरार रख सकती है।

रेटिंग एजेंसी ने बृहस्पतिवार को कहा, आरबीआई के बंपर लाभांश से केंद्र सरकार की राजकोषीय स्थिति आरामदायक बनी हुई है। ऐसे में बड़े विनिवेश की जरूरत खत्म हो सकती है। शिपिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया में सरकार चालू वित्त वर्ष में हिस्सा बेच सकती है। इससे 12,500 से 22,500 करोड़ मिल सकते हैं। अन्य संभावित बिक्री में कॉनकॉर और पवन हंस शामिल हैं। पिछले दस वर्षों में सरकार ने विनिवेश से 5.2 लाख करोड़ रुपये

जुटाए हैं। सरकार अपनी कंपनियों में 51 फीसदी तक हिस्सेदारी रखती है तो भी उसे बिक्री से 11.5 लाख करोड़ मिल सकते हैं। केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों में हिस्सेदारी बेचने से सरकार को पांच लाख करोड़ रुपये मिलने की उम्मीद है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बनारस मर्केंटाइल सहकारी बैंक, वाराणसी की बिगड़ती वित्तीय स्थिति के मद्देनजर उसका लाइसेंस रद्द कर दिया है। आरबीआई ने लाइसेंस रद्द करते हुए कहा, परिणामस्वरूप, बैंक चार जुलाई, 2024 को कारोबारी समय के बाद बैंकिंग कारोबार करना बंद कर देगा। उत्तर प्रदेश के सहकारिता आयुक्त और सहकारी समितियों के रजिस्ट्रार से भी बैंक को बंद करने और एक लिक्विडेटर नियुक्त करने का आदेश जारी करने का अनुरोध किया गया है।

केंद्रीय बैंक ने कहा कि बैंक द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार, 99.98 प्रतिशत जमाकर्ता जमा बीमा और ऋण गारंटी निगम (डीआईसीजीसी) से अपनी पूरी जमा राशि प्राप्त करने के हकदार हैं। परिसमापन पर, प्रत्येक जमाकर्ता डीआईसीजीसी से अपनी जमाराशि पर पांच लाख रुपए तक की जमा बीमा दावा राशि प्राप्त करने का हकदार होगा। आरबीआई ने कहा कि सहकारी बैंक के पास पर्याप्त पूंजी और कमाई की संभावनाएं नहीं हैं।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान में फेसबुक, यूट्यूब और व्हाट्सऐप पर भी लगेगा प्रतिबंध; ट्विटर पहले से ही है बैन

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में अभिव्यक्ति की आजादी पर वहां की सरकार लगातार हमला कर रही है। चार महीने से अधिक समय से ट्विटर यानी कि एक्स बैन है। अब शहबाज शरीफ की सरकार ने सभी

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म (यूट्यूब, व्हाट्सऐप, फेसबुक, इंस्टाग्राम और टिकटॉक) को 13 से 18 जुलाई तक छह दिनों के लिए बैन करने का फैसला किया है। सरकार को इस बात की आशंका है कि रमजान के दौरान घृणा फैलाने वाली सामग्री सोशल मीडिया पर फैलाई जा सकती है। मुख्यमंत्री मरियम नवाज़ की कानून और व्यवस्था पर कैबिनेट समिति ने पंजाब प्रांत में 13-18 जुलाई के दौरान सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रतिबंध लगाने की सिफारिश की है। गुरुवार देर रात लाहौर में जारी पंजाब सरकार की अधिसूचना के जरिए इसकी जानकारी दी गई है। मरियम नवाज़ की पंजाब सरकार ने केंद्र में अपने चाचा शहबाज़ शरीफ की सरकार से अनुरोध किया है कि वह इंटरनेट पर सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को छह दिनों (13-18 जुलाई) के लिए निलंबित करने की अधिसूचना जारी करें। आपको बता दें कि पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर पहले ही सोशल मीडिया को दुष्ट मीडिया घोषित कर चुके हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म को डिजिटल आतंकवाद करार दिया है। उन्होंने इससे लड़ने की आवश्यकता पर जोर दिया है। वहीं, पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री इशाक डार ने हाल ही में सोशल मीडिया पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का आह्वान किया था। शहबाज सरकार ने पिछले फरवरी में पाकिस्तान के चुनाव आयोग द्वारा आम चुनाव के नतीजों को बदलने के आरोपों के बाद एक्स को बंद कर दिया था। अप्रैल 2022 में अविश्वास प्रस्ताव के जरिए पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को हटाए जाने के बाद से ही सेना और सरकार दोनों को सोशल मीडिया पर कड़ी प्रतिक्रिया मिल रही थी। सरकार ने तब से इमरान खान की पार्टी के दर्जनों सोशल मीडिया कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया है।

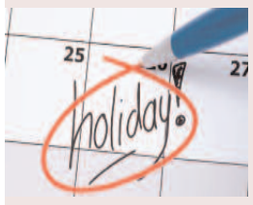

बुजुर्ग होती आबादी का ग्रीस ने निकाला समाधान, अब 6 दिन काम करेंगे जवान; विवाद शुरू

ग्रीस, एजेंसी। एक ओर जहां दुनिया के बाकी देश सप्ताह में चार दिन काम करने के फैसले पर विचार कर रहे हैं, वहीं ग्रीस इसके बिलकुल उलट चल रहा है। ग्रीस में सोमवार को

एक कानून लागू हुआ जो कुछ कंपनियों को छह दिनों के कार्य सप्ताह की प्रणाली को लागू करने की इजाजत देता है। इस बदलाव के जरिए देश के वृद्ध कर्मचारियों की मदद करना और तंगहाली से जूझ रहे कर्मचारियों की आर्थिक मदद करना है। कानून का उद्देश्य ग्रीक तीर तरीके को बनाए रखना है। इस मामले में ग्रीस दुनिया के अधिकांश हिस्सों से बिल्कुल अलग है। ब्रिटेन, आइसलैंड और न्यूजीलैंड जैसे देशों में सप्ताह में चार दिन काम करने से जुड़े ट्रायल किए जा चुके हैं। यह कानून कुछ औद्योगिक और निर्माण क्षेत्र में प्राइवेट सेक्टर में काम करने वाले कर्मचारियों पर लागू होता है। इसके अलावा यह उन लोगों पर भी लागू होता है जो ऐसी नौकरियां करते हैं जहां सप्ताह में सातों दिन और 24 घंटे शिफ्ट में काम करते हैं। हालांकि कानून में यह भी है कि कंपनियां सिर्फ असाधारण परिस्थितियों में छह दिन की कार्य प्रणाली लागू कर सकती है। इसमें अप्रत्याशित रूप से कार्यभार में वृद्धि जैसी चीजें शामिल है। कानून के मुताबिक श्रमिकों को उनके छठे दिन अतिरिक्त 40प्रतिशत मआवजा मिलेगा। सरकार ने जोर देकर कहा है कि कानून किसी भी तरह से मौजूदा पांच दिवसीय कार्य सप्ताह प्रणाली को प्रभावित नहीं करता है। गौरतलब है कि ग्रीस कुशल श्रमिकों की कमी से जूझ रहा है। टाइम्स ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट के मुताबिक कंजर्वेटिव लेबर मिनिस्टर निकी केरामेस ने कहा है कि एक ज्यादा दिन एम्प्लॉयर्स को तत्काल मांगों को पूरा करने में मदद करेगा। इन मांगों को श्रमिकों की वर्तमान आपूर्ति से पूरा नहीं किया जा सकता है। साथ ही इससे कर्मचारियों की जेब में ज्यादा पैसा भी आएगा। हालांकि देश के मजदूर संघ इस बात से बेहद नाराज हैं।

पेरिस के विश्व प्रसिद्ध गैलरीज लाफायेट में यूपीआई सेवा शुरू, भारतीय राजदूत जावेद ने भुगतान किया

पेरिस, एजेंसी। भारत ने पेरिस के ऐतिहासिक डिपार्टमेंट स्टोर गैलरीज लाफायेट में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) लॉन्च किया है। यह ऐतिहासिक कदम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के यूपीआई के वैश्विकरण के दृष्टिकोण को साकार करने की दिशा में एक और कदम है। 2016 में नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) द्वारा इसे विकसित किया गया था। फ्रांस में भारतीय दूतावास ने कहा कि 3 जुलाई 2024 को पेरिस के हॉसमैन में विश्व प्रसिद्ध गैलरीज लाफायेट के प्रमुख स्टोर पर यूपीआई सेवाएं शुरू हो गईं। बयान में कहा गया कि इससे पहले प्रतिष्ठित एफिल टॉवर में यूपीआई को सफलता पूर्वक लॉन्च किया गया था। फ्रांस और मोनाको की रियासत में भारत के राजदूत जावेद अशरफ ने गैलरीज लाफायेट के सीईओ निकोलस हाउज और लाइरा ग्रुप के चेयरमैन एलेन लैकोर की मौजूदगी में स्टोर पर यूपीआई के जरिये भुगतान भी किया।

मजदूर के घर में जन्मे कीर स्टार्मर, पिता कारखाने में कारीगर, मां नर्स थीं अब बनेंगे ब्रिटेन के पीएम

लंदन, एजेंसी। यूके के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने शुक्रवार को 2024 के आम चुनाव में कंजर्वेटिव पार्टी की हार स्वीकार कर ली है। जिसके चलते उन्होंने लेबर पार्टी के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार कीर स्टारमर को बधाई दी है। रिजल्ट शुक्रवार शाम तक क्लियर हो जाएगा, लेकिन तस्वीर पहले ही काफी हद तक साफ हो गई है। बहुमत पार करने वाली लेबर पार्टी जीत की ओर अग्रसर है। तो आइए जानते हैं कि कौन हैं लेबर पार्टी के कीर स्टार्मर, जिन्होंने ब्रिटेन की सियासत में बड़ा उलटफेर कर दिया है।

पेशे से वकील हैं स्टार्मर : ब्रिटेन में 2 सितंबर, 1962 को जन्मे स्टार्मर पेशे से वकील हैं। लेबर पार्टी के अनुसार, उनका पूरा पेशेवर जीवन जरूरतमंद लोगों को न्याय दिलाने के लिए रहा है। वह ब्रिटेन की संसद में साल 2020 से प्रतिपक्ष और लेबर पार्टी के नेता हैं। वह 2015 से 2024 के लिए होलबोर्न और सैंट पैन्क्रास से सांसद भी चुने गए हैं। स्टार्मर 2008 से 2013 तक सरकारी अभियोजन के निदेशक भी रहे हैं।

मजदूर के घर में जन्मे स्टार्मर : स्टार्मर पूर्वी इंग्लैंड के सरी में ऑक्सटेड नामक एक छोटे शहर में पले-बढ़े हैं। उनके पिता एक कारखाने में कारीगर थे और मां अस्पताल में नर्स थीं। स्टार्मर की मां को एक दुर्लभ और गंभीर बीमारी थी, जिसके चलते बचपन में उन्हें काफी परेशानियां उठानी पड़ीं। इन सबके बीच स्टार्मर ने 1985 में लीड्स विश्वविद्यालय से कानून में स्नातक की डिग्री प्राप्त की। इसी के साथ स्टार्मर विश्वविद्यालय जाने वाले परिवार के पहले सदस्य बन गए।

मानवाधिकार से जुड़े मामलों की वकालत : वकील बनने के बाद स्टार्मर ने काफी समय तक गरीबों को मुफ्त कानूनी सलाह दी और कई बड़े मामलों की पैरवी की। उन्हें मानवाधिकारों से जुड़े मामलों में विशेषज्ञता हासिल है। स्टार्मर ने उत्तरी आयरलैंड पुलिसिंग बोर्ड के मानवाधिकार सलाहकार के रूप में भी काम किया है। 2002 में उन्हें क्वीन्स काउंसिल नियुक्त किया गया। कानून और आपराधिक न्याय के क्षेत्र में सेवाओं के लिए 2014 में स्टार्मर को नाइट कमांडर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द बाथ नियुक्त किया गया। उन्होंने कैरेबियन और अफ्रीका में मौत की सजा का सामना करने वाले कैदियों के लिए भी वकालत की। मैकडॉनल्ड्स के पर्यावरणीय दावों की आलोचना करने वाले कार्यकर्ताओं को अपनी निशुल्क सेवा दी। इससे न्याय के चैंपियन के रूप में उन्हें देखा जाने लगा। स्टार्मर को आपराधिक न्याय में उनके योगदान के लिए महारानी एलिजाबेथ द्वितीय ने नाइट की उपाधि दी। लेकिन शायद ही वह अपने नाम के आगे सर शब्द का इस्तेमाल करते हों।

कैसा रहा सियासी सफर : स्टार्मर पहली बार 2015 में संसद के लिए चुने गए, इसके बाद वे एक साल तक ब्रिटेन की शैडो कैबिनेट में आव्रजन मंत्री थे। इसके अलावा स्टार्मर 2016 से 2020 तक यूरोपीय संघ (ब्र) से बाहर निकलने के लिए शैडो राज्य सचिव भी थे। अप्रैल 2020 में स्टार्मर को लेबर पार्टी का अध्यक्ष चुना गया, लेकिन इसके ठीक बाद उनकी पार्टी को 85 सालों में सबसे बड़ी हार का सामना करना पड़ा।

राजनीति में की देर से एंट्री : राजनीति में स्टार्मर की एंट्री अपेक्षाकृत देर से हुई। 52 वर्ष की आयु में वह राजनीति में आए। तब 2015 में वह होलबोर्न और सेंट पैन्क्रास के सांसद बने। एक कुशल वकील होना उनके लिए राजनीति में बेहद काम आया। इसने उनकी प्रतिष्ठा मजबूत की और राजनीति में आगे बढ़ाया। जल्द ही उनके रैंक बढ़ने लगे। उन्होंने पूर्व लेबर नेता जेरेमी कॉर्बिन के अधीन ब्रेक्सिट सचिव के रूप में कार्य किया। स्टार्मर के प्रमुख नीतिगत वादे उनके व्यावहारिक दृष्टिकोण को दिखाते हैं। उन्होंने नेशनल हेल्थ सर्विस की वेटिंग लिस्ट को कम करने के लिए साप्ताहिक नियुक्तियों को बढ़ाने का वादा किया है। इमीग्रेशन को लेकर उन्होंने सीमा सुरक्षा कमान की स्थापना करने की योजना बनाई है। यह कमान छोटी नावों के जरिए अवैध तरीके से लोगों को देश में आने से रोकेगी। आवास क्षेत्र में स्टार्मर का लक्ष्य पहली बार घर खरीदने वालों को बढ़ावा देना है। इसके लिए एक ऐसी योजना शुरू की जाएगी जो उन्हें नए आवास विकास में प्राथमिकता देगी। साथ ही 15 लाख नए घर बनाने के लिए कानूनों में सुधार का वादा किया है। शिक्षा उनकी एक और प्राथमिकता है। स्टार्मर ने 6,500 शिक्षकों की भर्ती करने और प्राइवेट स्कूलों के लिए टैक्स समाप्त करने का वादा किया है।

पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बनाए गए आरोपी, सरकारी तोहफे बेचने का आरोप

रियो डी जेनेरियो , एजेंसी। ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो पर सऊदी अरब मिले महंगे उपहारों के मामले में मनी लॉन्ड्रिंग करने के आरोप लगे हैं। ब्राजीली मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, संघीय पुलिस ने बोल्सोनारो को मनी लॉन्ड्रिंग, गबन और आपराधिक संगठन का आरोपी लगाया है। यह मामला 32 मिलियन डॉलर मूल्य के हीरे के आभूषणों से जुड़ा है जिसे अक्टूबर 2021 में सीमा शुल्क विभाग ने जब्त किया था।

सऊदी अरब सरकार से मिले थे महंगे तोहफे जेयर बोल्सोनारो साल 2019 से लेकर 2022 तक ब्राजील के राष्ट्रपति रहे थे। बोल्सोनारो पर आरोप है कि साल 2019 में राष्ट्रपति रहते हुए उन्होंने सऊदी अरब की आधिकारिक यात्रा की थी। इस दौरान उन्हें सऊदी अरब की सरकार से करीब 68 हजार डॉलर के महंगे आभूषण तोहफे में मिले थे। आरोप है कि बोल्सोनारो ने उन्हें बेचकर नकदी अपने पास रख ली थी, जो कानून का उल्लंघन है। हालांकि बोल्सोनारो ने अपने ऊपर लगे आरोपों से इनकार किया था। बोल्सोनारो के बेटे और ब्राज़ील के सीनेटर फ्लेवियो बोल्सोनारो ने अपने पिता के खिलाफ़ लगे आरोपों को खारिज किया और इसे खुला और बेशर्म उत्पीड़न करार दिया। बोल्सोनारो के खिलाफ कई मामलों में चल रही जांच संघीय पुलिस द्वारा आरोपी बनाए जाने के बावजूद ब्राजील के अटॉर्नी जनरल कार्यालय ने अभी तक देश के संघीय सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष बोल्सोनारो के खिलाफ़ कोई औपचारिक आरोप जारी नहीं किया है। बोल्सोनारो के खिलाफ राष्ट्रपति पद छोड़ने के बाद उनके समर्थकों द्वारा दंगे करने के मामले में भी जांच चल रही है। साथ ही कोरोना महामारी के दौरान कोरोना वैक्सीन कार्ड में कथित हेरा-फेरी के आरोप में भी जांच चल रही है।

पाकिस्तान के 'गोल्डन पीक पर्वत पर एक माह में तीसरे जापानी पर्वतारोही ने गंवाई जान

पेशावर, एजेंसी। उत्तरी पाकिस्तान के सबसे ऊंचे पहाड़ों में से एक पर से उतरते समय एक जापानी पर्वतारोही की मौत हो गई। एक महीने से भी कम समय में इस पहाड़ पर किसी जापानी के साथ यह ऐसी तीसरी घटना है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। स्थानीय अधिकारियों एवं 'अल्पाइन क्लब ऑफ पाकिस्तान ने बताया कि इस सप्ताह के शुरू में 64 वर्षीय जापानी पर्वतारोही हिरोशी ओनिशी 7,027 मीटर ऊंची स्पांतिक चोटी उर्फ 'गोल्डन पीक से उतरते समय हिम-दरार में गिर गये तथा उनकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि बचावकर्मियों ने उनके शव का पता लगा लिया है। उन्होंने बताया कि अब शव को हेलीकॉप्टर की मदद से आधार शिविर तक लाने की व्यवस्था की जा रही है। इससे पहले दो जापानी पर्वतारोहियों-- आत्सुशी तागुची और रियूसेकी हिराओका की इस पर्वत पर चढ़ने की कोशिश के दौरान मौत हो गयी थी। वे 13 जून को लापता हो गये थे तथा दो दिन बाद हिराओका का शव मिला था। समझा जाता है कि सप्ताह भर तक असफल तलाश करने के बाद उनके साथी की भी मौत हो गयी। दोनों गहरी हिम-दरार में गिर गये थे। उत्तरी शहर नागर के पुलिस प्रमुख हनीफ खान ने बताया कि ओनिशी सफलतापूर्वक चोटी पर पहुंचने के बाद जब अन्य जापानी पर्वतारोहियों के साथ नीचे उतर रहे थे तब वह फिसल गये और हिम दरार में गिर गये।

हिजबुल्लाह ने इजराइल पर 200 रॉकेट दागे:टॉप कमांडर की मौत के बाद किया हमला

येरुशलम, एजेंसी। ईरान-समर्थक संगठन हिजबुल्लाह ने इजराइल पर अब तक का सबसे बड़ा हमला किया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक आतंकी संगठन ने गुरुवार को यहूदी देश पर 200 से ज्यादा रॉकेट दागे हैं। इसके अलावा करीब 20 ड्रोन्स से भी हमला किया गया है। हमले में इजराइल के कई मिलिट्री बेस को निशाना बनाया गया।

इजराइली सेना ने कहा कि कुछ मिसाइलें लेबनान से उनके इलाके में गिरीं। इनमें से कई को रोक दिया गया। अभी तक किसी नुकसान की खबर नहीं है। हिजबुल्लाह ने ये हमला अपने एक टॉप कमांडर की मौत का बदला लेने के लिए किया है। दरअसल, इजराइल ने बुधवार को दक्षिण लेबनान के टायर शहर पर हमला किया था। इसमें हिजबुल्लाह का टॉप कमांडर मुहम्मद निमाह नासिर (हज्ज अबू निमाह) मारा गया था। हिजबुल्लाह ने भी कमांडर की मौत की पुष्टि की थी। इस हमले के बाद इजराइल के रक्षा मंत्री योव गैलेंट ने कहा था कि ढ्रहम हिजबुल्लाह के खिलाफ कोई भी कार्रवाई करने के लिए तैयार रहेंगी। गोलन हाइट्स में ड्रोन हमले के बाद आग लगी हिजबुल्लाह की तरफ से हमला होते ही गाजा की सीमा के पास नहल ओज इलाके में सायरन बजने लगा। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, गोलन हाइट्स में आग लग गई। इसके बाद रेस्क्यू वर्कर्स ने आसपास रह रहे लोगों को घरों से बाहर निकाला। फिलहाल फायर फाइटर्स की टीम आग बुझाने की कोशिश कर रही है। कुछ दिन पहले अमेरिका में यात्रा के दौरान गैलेंट ने

कहा था कि हम लेबनान को पाषाण युग में भेज सकते हैं। वहीं, इलाके में बढ़ते तनाव के बीच कई देशों ने अपने नागरिकों को लेबनान यात्रा के खिलाफ चेतावनी दी है। हिजबुल्लाह के नेता हसन नसरल्ला ने इजराइली एयरपोर्ट और साइप्रस पर हमले की धमकी दी है। हिजबुल्लाह के डिप्टी चीफ शेख नईम कासिम ने मंगलवार (4 जून) को कहा था कि लेबनान-इजराइल बॉर्डर पर दोनों के बीच दुश्मनी बढ़ती जा रही है। अगर इजराइली सेना लेबनान तक पहुंची तो हम उसकी सीमा के अंदर तबाही मचा देंगे। लेबनान से जंग के आसार, उत्तरी इजराइल से लोगों को निकाला जा रहा

इजराइल में एक और मोर्चे पर जंग के आसार बनते दिख रहे हैं। उत्तरी इजराइल में हिजबुल्लाह के हमले बढ़ने के बाद कई हिस्सों को खाली करा लिया गया है। वहां के लोगों को दक्षिण इजराइल के होटलों में भेजा गया है। हिजबुल्लाह के बड़े हमले की आशंका को देखते हुए इजराइली लोगों ने अपने घरेलू बंकरों में भोजन, पानी और अन्य चीजें जमा करना शुरू कर दी हैं।

इजराइली राष्ट्रीय बिजली ग्रिड के अधिकारी शॉल गोल्डस्टीन ने कहा कि अगर उत्तर में युद्ध होता है तो हम बिजली का वादा नहीं कर सकते। उनके बयान से इजराइल में जनरेटर की बिक्री बढ़ गई है।

ऑस्ट्रेलिया में 12 साल की बच्ची को मगरमच्छ ने खाया

मेलबर्न, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया में 12 साल की बच्ची को मगरमच्छ ने खा लिया। ऑस्ट्रेलियाई मीडिया एबीसी के मुताबिक घटना पलुम्पा इलाके की है। बच्ची मंगलवार दोपहर को तैराकी सीखने गई थी। जब देर रात तक परिवार को बच्ची का कोई सुराग नहीं मिला तो उन्होंने पुलिस के पास गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई। बच्ची को ढूंढने के लिए पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद मांगी। पुलिस ने इसके लिए पार्क के संचालक और वन विभाग की स्पेशल टीम बनाई। पुलिस को बुधवार की शाम स्विमिंग पूल के पास बच्ची के खून से लथपथ कपड़े मिले। इसके बाद पूरे इलाके में दहशत फैल गई। गुरुवार की सुबह पुलिस ने सर्चिंग ऑपरेशन तेज किया। इसके बाद कुछ ही दूरी पर बच्ची के अवशेष मिले। छुट्टी मनाने पलुम्पा आए हुए थे पुलिस अधिकारियों ने बताया कि गुरुवार की सुबह ही उन्हें इलाके में एक मगरमच्छ दिखा। इसके बाद वन विभाग की टीम ने स्विमिंग पूल के आस-पास मगरमच्छ की मौजूदगी के निशान पाए, जिससे साफ हो गया कि बच्ची को मगरमच्छ ने खा लिया है। बच्ची के परिवारों के मुताबिक वे अपनी छुट्टी मनाने पलुम्पा आए हुए थे। इसी दौरान उन्होंने बच्ची के लिए स्विमिंग क्लास लगाई

थी। इस घटना पर पलुम्पा के मुख्यमंत्री इवा लॉलर ने खेद जताया और कहा कि ये घटना दिल तोड़ने वाली है। उन्होंने कहा कि मगरमच्छ से लोगों की सुरक्षा के लिए और उपाय किए जाने बाकी हैं। लॉलर ने कहा कि वे इसके लिए 4 करोड़ रुपए खर्च कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उत्तरी इलाके में मगरमच्छ की आबादी बढ़ती जा रही है। हम ऐसा होने नहीं दे सकते। हमें इस पर रोक लगाने की जरूरत है। इंडोनेशिया में महिला को 30 फुट के अजगर ने निगला इससे एक दिन पहले इंडोनेशिया में एक महिला को 30 फुट लंबे अजगर ने निगल लिया। न्यूज एजेंसी एएफपी के मुताबिक घटना सुलावेसी प्रांत के सितेबा गांव की है। महिला का नाम सिरियाती है, जो मंगलवार की सुबह अपने बीमार बच्चे के लिए दवा लेने गई थी। लेकिन इसके बाद वह घर नहीं लौटी। जब सिरियाती कई घंटों बाद भी नहीं लौटी तो उसके पति आदियासा ने उसे ढूंढना शुरू किया। आदियासा को घर से 500 मीटर की दूर पर उसकी चप्पल और कपड़े के टुकड़े मिले। इसके बाद उसने पुलिस के पास गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से सिरियाती को ढूंढने लगी। इसी दौरान उन्हें घर के रास्ते से 10 मीटर दूर पर एक लंबा अजगर दिखाई दिया।

खुद को ब्लैक महिला बता गए जो बाइडेन, इंटरव्यू के दौरान फिसली जुबान; फिर हुई फजीहत

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव से पहले जो बाइडेन के उम्मीदवारी से हटने के कयास लगातार तेज हो रहे हैं। आए दिन उनसे होने वाली चूक से सवाल उठने लगे हैं कि वह अगला कार्यकाल संभालने में सक्षम भी हैं या नहीं? वहीं जो बाइडेन ने यह भी स्वीकार कर लिया है कि डोनाल्ड ट्रंप के साथ डिबेट के समय मंच पर सो गए थे। उनका कहना है कि सप्ताह के व्यस्त कार्यक्रम के चलते वह काफी थक गए थे। अब एक रेडियो चैनल पर इंटरव्यू के दौरान उनकी जुबान ऐसी फिसली की एक बार फिर जमकर फजीहत हो गई।

दरअसल इंटरव्यू के दौरान जो बाइडेन खुद को ब्लैक महिला बताने लगे। उन्होंने कहा, मैं पहली ब्लैक महिला हूं जिसने ब्लैक राष्ट्रपति के साथ काम किया। हो सकता है कि वह कमला हैरिस के बारे में बताना चाह रहे हों और उनकी जुबान फिसल गई हो। वह फिलाडेल्फिया के वुर्ड रेडियो स्टेशन के लिए इंटरव्यू दे रहे थे। बाइडेन ने कहा, वैसे मुझे इस बात का गर्व है कि मैं पहली ब्लैक महिला हूं जिसने एक ब्लैक राष्ट्रपति के साथ सेवा दी। मुझे सुप्रीम कोर्ट में पहली ब्लैक महिला के तौर पर भी गर्व है। दरअसल वह बराक ओबामा का नाम लेना चाह रहे थे। लेकिन बातचीत के दौरान एक बार भी उन्होंने ओबामा का नाम नहीं लिया।

बराक ओबामा अमेरिका के पहले ब्लैक प्रेसिडेंट थे। वहीं उनके साथ पहली बार एक ब्लैक महिला कमला हैरिस ने उपराष्ट्रपति का पद संभाला था। इसके अलावा बाइडेन ने भी उपराष्ट्रपति के तौर पर उनके साथ काम किया। वहीं सुप्रीम कोर्ट की बात करके बाइडेन केतांजी ब्राउन जैकसन की बात करना चाहते थे जो कि पहली महिला ब्लैक जज हैं और उनकी नियुक्ति 2022 में की गई थी। इसी इंटरव्यू के दौरान उन्होंने कहा, जब मैं बच्चा था तब से ही डेलावेयर से चुना जाता रहा हूं और ऐसा करने वाला मैं पहला राष्ट्रपति हूं। दरअसल 1973 से ही जो बाइडेन डेलावेयर से सीनेटर रहे हैं। जो बाइडेन ने स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान वाइट हाउस में कहा, मैं कहीं नहीं जाने वाला हूं। उन्होंने समर्थकों से कहा, संघर्ष जारी रखो।

जयशंकर बोले- रूसी सेना में जबरन भारतीयों की भर्ती मंजूर नहीं; पीएम की मॉस्को यात्रा पर कही यह बात

अस्ताना, एजेंसी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुरुवार को कजाखस्तान के अस्ताना में रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने रूस-यूक्रेन संघर्ष क्षेत्र में फंसे भारतीयों का मुद्दा उठाया। वहीं, उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी की आगामी रूस यात्रा के बारे में भी बताया।

बहुत स्पष्ट और दृढ़ता से उठाया : यह पूछे जाने पर कि क्या उन्होंने लावरोव के समक्ष फंसे हुए भारतीयों का मुद्दा उठाया, इस पर जयशंकर ने कहा, मैंने द्विपक्षीय वार्ता के दौरान इस मुद्दे को बहुत स्पष्ट और दृढ़ता से उठाया। कई भारतीयों को रूसी सेना में काम में लगाया गया है। जब वे वापस आएंगे तभी हमें पूरी सच्चाई का पता चलेगा। मगर परिस्थितियां जो भी हों, हम यह स्वीकार नहीं कर सकते कि हमारे लोग किसी किसी दूसरे देश की सेना की ओर से युद्ध क्षेत्र में हैं। मैंने उनसे कहा कि हम उनका सहयोग चाहते हैं और वे हमारे मित्र और भागीदार हैं। हमें कोई रास्ता निकालना होगा, जिससे हमारे लोग जल्द से जल्द और प्रभावी तरीके से भारत लौट सकें।

विदेश मंत्री जयशंकर ने बताया कि लावरोव ने इस बात की भी सराहना की और भारतीय विदेश मंत्रालय इस संबंध में रूसी रक्षा मंत्रालय से बात कर रहा है। उन्होंने कहा, मैंने उनसे आग्रह किया कि हमें और मजबूत फॉलोअप की जरूरत है। मैंने इसे उठाया है और मैं इसे मुद्दे पर तबतक बात जारी रखने का इरादा रखता हूं जब तक कि हमारे सभी लोग वापस नहीं आ जाते।

पीएम मोदी की मॉस्को यात्रा पर जयशंकर : जयशंकर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आगामी रूस यात्रा पर भी बात की।

उन्होंने कहा कि यह दोनों नेताओं के लिए दोनों देशों के बीच बढ़ते आर्थिक संबंधों पर एक-दूसरे से सीधे बातचीत करने का एक शानदार अवसर है।

उन्होंने आगे कहा, हमारे वार्षिक शिखर सम्मेलन में थोड़ी देरी हुई है। यह एक अच्छी परंपरा है। हम दो देश हैं जिनका एक साथ काम करने का मजबूत इतिहास रहा है। हमने वार्षिक शिखर सम्मेलन की आवश्यकता को महत्व दिया। पिछले साल जब मैं मॉस्को गया था, तो मैं प्रधानमंत्री का संदेश लेकर आया था कि हम वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए प्रतिबद्ध हैं और हम इसे जल्द करेंगे।

उन्होंने कहा, यह किसी भी रिश्ते का जायजा लेने का एक तरीका है। सबसे बड़े बदलावों में से एक यह है कि रूस के साथ हमारे आर्थिक संबंध जबरदस्त रूप से बढ़े हैं। यह प्रधानमंत्री मोदी और रूसी राष्ट्रपति पुतिन का एक-दूसरे से सीधे बात करने का शानदार अवसर होगा।

दो भारतीय नागरिकों की हुई थी मौत : आपको बता दें कि विदेश मंत्रालय ने पिछले महीने कहा था कि रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध में दो भारतीय नागरिकों की मौत हुई। दोनों नागरिक रूस की सेना में नियुक्त किए गए थे। एक आधिकारिक बयान में बताया गया है कि विदेश मंत्रालय ने उन सभी भारतीय नागरिकों की स्वदेश वापसी पर जोर दिया गया, जो रूसी सेना में कार्यरत हैं।

मंगलवार को अस्ताना पहुंचे थे जयशंकर : एस जयशंकर मंगलवार को एससीओ शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए अस्ताना पहुंचे थे। कजाकिस्तान के उप विदेश मंत्री अलीबेक बाकायेव ने उनका स्वागत किया। इसके बाद जयशंकर ने कजाकिस्तान के विदेश मंत्री मूरत नुरतुलू से भी मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं ने मध्य एशिया के साथ भारत की बढ़ती भागीदारी समेत कई मुद्दों पर चर्चा की थी।

जुलाई के आखिर तक मुख्य कोच नियुक्त कर लेगा AIFF

कौन होगा स्टिमैक का उत्तराधिकारी?

नई दिल्ली, एजेंसी। अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ (एआईएफएफ) ने कहा कि वह इस महीने के आखिर तक राष्ट्रीय पुरुष टीम के मुख्य कोच की नियुक्ति कर लेगा जिसके लिए उसे दुनिया भर से आवेदन मिले हैं। इस पद के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि बुधवार को समाप्त हो गई और एआईएफएफ ने कहा कि उसे कुल 291 आवेदन मिले हैं। इसमें से 100 आवेदकों के पास यूईएफए प्रो लाइसेंस डिप्लोमा है, जबकि 20 के पास एएफसी प्रो लाइसेंस डिप्लोमा और तीन के पास

कॉनमेबोल लाइसेंस हैं। एआईएफएफ के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने बयान में कहा, हमें बड़ी संख्या में आवेदन मिले हैं और कई ख्याति प्राप्त कोच ने भारत में दिलचस्पी दिखाई है। हमें उम्मीद है कि हम जुलाई के आखिर तक मुख्य कोच की नियुक्ति कर देंगे ताकि भारत सितंबर में फीफा विंडो का फायदा उठा सके। एआईएफएफ ने भारतीय टीम के विश्व कप क्वालीफायर्स के तीसरे दौर में पहुंचने में नाकाम रहने के बाद पिछले महीने इगोर स्टीमक को मुख्य कोच पद से बर्खास्त कर दिया था। तभी से यह पद खाली पड़ा है।

बाबर, शाहीन और रिजवान को पीसीबी ने नहीं दिया एनओसी

क्या मिलीा टी20 वर्ल्ड कप 2024 में खराब प्रदर्शन की सजा

कराची, एजेंसी। बाबर आजम, मोहम्मद रिजवान और शाहीन अफरीदी जैसे कई पाकिस्तानी क्रिकेटर्स को पीसीबी (पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड) ने एनओसी देने से मना कर दिया है। तीनों खिलाड़ियों ने जीटी20 (ग्लोबल टी20 कनाडा) के लिए एनओसी मांगी थी। पीसीबी के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने यह साफ किया कि राष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं को हमेशा पहले आना चाहिए, जिसके बाद इन खिलाड़ियों को एनओसी देने से मना कर दिया गया।

सख्त हुआ पीसीबी

मोहसिन नकवी ने घोषणा की कि जो खिलाड़ी घरेलू लीग के लिए एनओसी मांग रहे हैं, उन्हें बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली क्रिकेट सीरीज के कारण मना कर दिया जाएगा। प्रमुख टूर्नामेंटों में पाकिस्तान के लगातार खराब प्रदर्शन के बाद प्रोटोकॉल में बदलाव की घोषणा की गई। हाल ही में भारत और यूएसए के खिलाफ मुकाबले हारने के बाद मैन इन ग्रीन टी20 विश्व कप 2024 से ग्रुप स्टेज से ही बाहर हो गया था। पत्रकारों को संबोधित करते हुए नकवी ने बताया कि चयन समिति को प्रदर्शन के लिए कुछ स्तर पर जवाबदेह ठहराया जाएगा और राष्ट्रीय टीम में चयन से पहले घरेलू क्रिकेट में खिलाड़ियों के प्रदर्शन के लिए नए मानदंड निर्धारित किए जाएंगे।

पीएम बोले- देश का गौरव बढ़ाएंगे भारतीय खिलाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विश्वास जताया कि ओलंपिक में भाग लेने वाले भारतीय खिलाड़ी देश को गौरवान्वित करेंगे और 140 करोड़ लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरेंगे। भारत पेरिस ओलंपिक के लिए लगभग 120 खिलाड़ियों का दल भेज रहा है और उसे उम्मीद है कि इस बार वे तोक्यो ओलंपिक से बेहतर प्रदर्शन करेंगे। भारत ने तोक्यो ओलंपिक में सात पदक जीते थे जिनमें नीरज चोपड़ा का भाला फेंक में जीता गया स्वर्ण पदक भी शामिल है। प्रधानमंत्री ने ओलंपिक में भाग लेने वाले खिलाड़ियों के एक बड़े दल से मिलने के बाद एक्स पर पोस्ट किया, ''ओलंपिक के लिए पेरिस जा रहे हमारे दल से बातचीत की। मुझे विश्वास है कि हमारे खिलाड़ी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे और भारत को गौरवान्वित करेंगे। उनकी जीवन यात्रा और सफलता 140 करोड़ भारतीयों की उम्मीद बंधाती है। भारतीय खिलाड़ियों के दल के साथ खेल मंत्री मनसुख मांडविया, खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे और भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा भी थीं। पीएम मोदी ने नीरज चोपड़ा, मुक्केबाज निकहत जरीन और ओलंपिक में दो बार की पदक विजेता बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु से वर्चुअल बातचीत भी की।

ओलंपियंस से मिले पीएम मोदी

पेरिस ओलिंपिक

नीरज चोपड़ा को मिली बड़ी जिम्मेदारी

- **ओलंपिक में 28 सदस्यीय एथलेटिक्स टीम की करेंगे अगुवाई**

नईदिल्ली, एजेंसी। एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया)ने 26 जुलाई से शुरू होने वाले पेरिस ओलिंपिक के लिए 28 सदस्यीय भारतीय एथलेटिक्स टीम की घोषणा कर दी है। टोक्यो ओलिंपिक के गोल्ड मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा भारतीय टीम

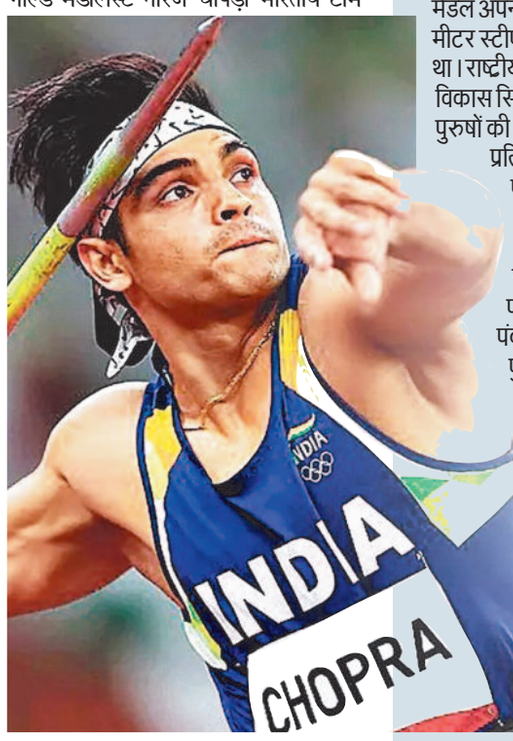

का नेतृत्व करेंगे। नीरज चोपड़ा के साथ ही इस बार जेवलिन में किशोर जेना भी भाला फेंकते हुए नजर आएंगे। वहीं पिछले साल एशियन गेम्स में महिलाओं के जेवलिन थ्रो में गोल्ड मेडल जीतने वाली अन्नू रानी भी पेरिस में जेवलिन थ्रो में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। पेरिस ओलिंपिक के लिए 28 सदस्यीय एथलेटिक्स टीम में17 पुरुष और 11 महिला एथलीट शामिल हैं। नीरज चोपड़ा टोक्यो ओलिंपिक में देश के लिए जेवलिन में गोल्ड मेडल जीता था।

8 एथलीट टोक्यो ओलिंपिक में ले चुके हैं हिस्सा

नीरज चोपड़ा और अन्नू रानी के अलावा, पुरुषों की 3000 मीटर स्टीपलचेज के एथलीट अविनाश साबले, पुरुषों मे एशिया के टॉप शॉट पुटर में से एक तजिंदरपाल सिंह तूर, महिला रेस वॉकर प्रियंका गोस्वामी और 4×400 मीटर रिले धावक मोहम्मद अनस, अमोज जैकब और सुभा वेंकटेशन तीन साल पहले टोक्यो में हिस्सा ले चुके हैं।

पारुल चौधरी 3000 और 5000 मीटर स्टीपलचेज में करेंगे देश का प्रतिनिधित्व

पारुल चौधरी 3000 मीटर स्टीपलचेज और 5000 मीटर दौड़ में हिस्सा लेंगी। दो इंडिविजुअल इवेंट में भाग करने के लिए चुनी गई एकमात्र एथलीट हैं। उन्होंने पिछले साल एशियन गेम्स में 5000 मीटर दौड़ में गोल्ड मेडल अपने नाम किया था और 3000 मीटर स्टीपलचेज में सिल्वर मेडल जीता था। राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक अक्षदीप सिंह, विकास सिंह और परमजीत सिंह बिष्ट पुरुषों की 20 किमी रेस वॉक स्पर्धा में प्रतिस्पर्धा करेंगे, जबकि सूरज पंवार मिक्स्ड मैराथन इवेंट में प्रियंका गोस्वामी के साथ हिस्सा लेंगे। अक्षदीप सिंह, राम बाबू, विकास सिंह, परमजीत सिंह बिष्ट और सूरज पंवार सभी पेरिस ओलिंपिक में पुरुषों की 20 किमी रेस वॉक स्पर्धा के लिए क्वालिफाई थे। सूरज ने वर्ल्ड रैंकिंग के जरिए जगह बनाई, जबकि बाकी चार ने प्रवेश मानक को पूरा किया था।

पुरुष

अविनाश साबले (3,000 मीटर स्टीपलचेज), नीरज चोपड़ा, किशोर कुमार जेना (जेवलिन), तजिंदरपाल सिंह तूर (शॉट पुट), प्रवीण चित्रवेल, अबुल्ला अबूबकर (ट्रिपल जंप), अक्षदीप सिंह, विकास सिंह, परमजीत सिंह बिष्ट (20 किमी वॉक रेस), मुहम्मद अनस, मुहम्मद अजमल, अमोज जैकब, संतोष तमिलारासन, राजेश रमेश (4म400 मीटर रिले), मिजो चाको कुरियन (4म400 मीटर रिले), सूरज पंवार (वॉक मिक्स्ड मैराथन), सर्वेश अनिल कुशारे (हाई जंप)।

महिला

किरण पहल (400 मीटर), पारुल चौधरी (3,000 मीटर स्टीपलचेज और 5,000 मीटर), ज्योति याराजी (100 मीटर हर्डल रेस), अन्नू रानी (जेवलिन थ्रो), आभा खटुआ (शॉट पुट), ज्योतिका श्री दांडी, सुभा वेंकटेशन, विथ्या रामराज, पूवम्मा एमआर (4म400 मीटर रिले), प्राची (4म400 मीटर), प्रियंका गोस्वामी (20 किमी वॉक रेस)।

इक्वाडोर को पेनल्टी में शूट कर अर्जेंटीना सेमीफाइनल में

ह्यूस्टन (अमेरिका), एजेंसी। अर्जेंटीना ने इक्वाडोर को पेनल्टी शूट आउट में 4-2 से हराकर कोपा अमेरिका कप में लगातार पांचवीं बार सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। अर्जेंटीना का सेमीफाइनल में वेनेजुएला बनाम कनाडा मैच के विजेता से शुक्रवार को मुकाबला होगा जो 9 जुलाई को ईस्ट रदरफोर्ड, न्यू जर्सी के मेटलाइफ स्टेडियम में खेला जाएगा। एनआरजी स्टेडियम पर मौजूदा चैंपियन के कब्जे के बावजूद, इक्वाडोर अधिक खतरनाक था, मैच के पहले तीन शॉट्स में, जिसमें सरमिएंटो शॉट पर एमिलियानो मार्टिनेज द्वारा महत्वपूर्ण बचाव भी शामिल था। अर्जेंटीना के लिए पहला अच्छा मौका एंज़ो फर्नांडीज के माध्यम से आया- एक हेडर और एक पलटवार के बाद एक कॉर्नर मिला। मेसी के कार्नर से, मैक एलिस्टर के बाद लिसेंड्रो मार्टिनेज का दूसरा हेडर, अलेक्जेंडर डोमिंगुएज़ ने बचा लिया लेकिन गेंद पहले ही गोल रेखा पार कर चुकी थी।

पहले हाफ के अंतिम मिनटों में, निकोलस गोंजालेज के एक प्रयास ने

एल्बीसेलेस्टे को दूसरे गोल का मौका दिया, लेकिन इक्वाडोर की रक्षा फिर से संगठित होने और खतरे को बेअसर करने में कामयाब रही। स्कालोनी की टीम मध्यांतर के बाद 1-0 की बढ़त के साथ उतरी।

दूसरे हाफ की शुरुआत धीमी गति से हुई लेकिन मुकाबला काफी संघर्षपूर्ण रहा। 55वें मिनट में डिबू मार्टिनेज की लंबी गेंद के बाद लुटारो मार्टिनेज ने मौका बनाया। टूर्नामेंट के शीर्ष स्कोरर ने इसे अपनी छाती से नियंत्रित किया, मुड़े और डोमिंगुएज़ के गोल के ठीक सामने बाएं पैर से शॉट लगाने से चूक गया। इक्वाडोर ने अपने खेल से अर्जेंटीना को परेशान कर दिया और रोड्रिगो डी पॉल के हैंडबॉल के बाद पेनल्टी अर्जित की, लेकिन एनर वालेंसिया का शॉट पोस्ट से टकरा गया, जिससे अर्जेंटीना ने जश्न मनाया।

बेटियों ने किया शानदार प्रदर्शन

भारत ने जीता एशियाई लैक्रोज़ प्रतियोगिता का रजत पदक

उदयपुर, एजेंसी। उज़्बेकिस्तान के समरकंद में खेली गई सीनियर महिला लैक्रोज़ प्रतियोगिता में भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक जीता। गुरुवार को खेले गए संघर्षपूर्ण फाइनल में भारत को अनुभवी सऊदी अरब से 9-11 से हार का सामना करना पड़ा।

इस अत्यंत रोमांचपूर्ण मुकाबले में भारत की ओर से झूला कुमारी गुर्जर व विशाखा मेघवाल ने तीन- तीन, कप्तान सुनीता मीणा ने दो एवं डाली गमेती ने एक गोल किया। वहीं गोलकीपर दीपिका बामनिया का प्रदर्शन भी सराहनीय रहा। टीम में अन्य खिलाड़ी हेमलता डांगी, मीरा दौजा, राधिका जेडे, कीर्ति कुरुवा, राशि गौड़, दिव्यांशी दवे, रिद्धिमा वाघेला, अलका सिंह थी। टीम के साथ प्रशिक्षक नीरज बत्रा व शकील खान, मैनेजर डॉ. गंगाधरया, सहायक मैनेजर सलीम खान, चीफ डे मिशन शहजाद खान, सौरभ वेताल रहे। भारतीय टीम की कप्तान सुनीता मीणा प्रतियोगिता में 22 गोल कर सर्वश्रेष्ठ स्कोरर रही।

विजेताओं को एशिया पैसिफिक लैक्रोज़ फेडरेशन के चेयरमैन जापान के क्रिश जिन्नो ने सम्मानित किया। भारतीय टीम की ऐतिहासिक उपलब्धि पर लैक्रोज़ फेडरेशन ऑफ़ इंडिया के महासचिव तौसीफ अहमद लारी, राजस्थान के खेल मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़, जनजाति मंत्री बाबूलाल खराड़ी, विधायक फूलसिंह मीणा, प्रताप भील, उदय लाल डांगी, उदयपुर संभागीय आयुक्त राजेंद्र भट्ट, जनजाति आयुक्त प्रज्ञा केवलरमानी आदि ने बधाइयां प्रेषित की। फाइनल में पहुंचने के साथ ही भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया में होने वाली एशिया पेसिफिक चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई कर लिया है, जहां विश्व कप की टीमों का चयन होना है।

जिम्बाब्वे को हराते ही इतिहास रचेगी टीम इंडिया

शुभमन गिल के पास है मौका

नईदिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया का टी20 वर्ल्ड कप 2024 को जीतने के बाद सेलिब्रेशन समापन की ओर है। अब मुकाबले की बारी है। भारतीय टीम इस वक्त जिम्बाब्वे के दौरे पर है, जहां 5 टी20 इंटरनेशनल मुकाबले खेले जाएंगे। सीरीज के लिए टीम इंडिया का ऐलान बीसीसीआई की ओर से पहले ही कर दिया गया था, जिसकी कप्तानी शुभमन? गिल के पास है। इस बीच शुभमन गिल के पास एक बड़ा मौका है। अगर भारत पहले ही मैच में जिम्बाब्वे को हरा देता है तो फिर वो काम हो जाएगा जो अब तक टेस्ट खेलने वाला कोई भी देश नहीं कर पाया है।

टी20 इंटरनेशनल में लगातार सबसे ज्यादा मैच जीतने वाली टीमें – टी20 इंटरनेशनल में लगातार सबसे ज्यादा मैच जीतने का कीर्तिमान इस वक्त बरमूडा की टीम के पास है। टीम ने साल 2021 से लेकर 2023 तक लगातार 13 टी20 इंटरनेशनल मैच जीते हैं। वहीं मलेशिया ने भी ये कारनामा किया है। टीम ने साल 2022

दो मैच लगातार जीते तो बनेगा नया कीर्तिमान

इतना ही नहीं, भारतीय टीम के पास मौका है कि वो सारे रिकॉर्ड ध्वस्त कर दे। यानी बरमूडा और मलेशिया को भी पीछे कर दे, इसलिए उसे लगातार दो और मैच जीतने होंगे, जो काम कोई मुश्किल नहीं है। टीम को जिम्बाब्वे के खिलाफ पहला मैच शनिवार को यानी 6 जून को खेलना है, वहीं दूसरा मुकाबला 7 जून को खेला जाएगा, जो कि रविवार को है। दोनों मैच हरारे में खेले जाएंगे। यानी दो दिन में टीम इंडिया बड़ा ?इतिहास रच देगी, जिसे बाद में तोड़ना नामुमकिन तो नहीं, लेकिन मुश्किल जरूर हो जाएगा।

में लगातार 13 मुकाबले जीते हैं। ये दोनों देश टेस्ट मैच नहीं खेलते हैं। इसके बाद अगर आगे की बात की जाए तो अफगानिस्तान की टीम ने साल 2018 से लेकर 2021 तक लगातार 12 टी20 इंटरनेशनल मैच जीते हैं। वहीं रोमानिया ने भी साल 2020 से लेकर 2021 तक लगातार 12 मैच जीते हैं।

टीम इंडिया लगातार जीत चुकी है 12 टी20 इंटरनेशनल मैच – भारतीय टीम ने साल 2021 से लेकर 2022 तक लगातार 12 टी20 इंटरनेशनल मैच जीते थे, लेकिन इसके बाद ये जीत का सिलसिला टूट गया था। लेकिन अब फिर से टीम इंडिया लगातार इतने ही मैच जीत चुकी है और जीत के रथ पर सवार है। साल 2023 से शुरू हुआ ये क्रम साल 2024 तक यानी अभी तक जारी है। अगर टीम इंडिया जिम्बाब्वे को पहले ही टी20 इंटरनेशनल मैच में हरा देती है तो उसकी लगातार मैच जीतने की संख्या 12 से बढ़कर 13 हो जाएगी। यानी लगातार 13 टी20 इंटरनेशनल मैच जीतने वाला और टेस्ट खेलने वाला भारत पहला देश बन जाएगा।

अरबाज ने शबाना से पूछा

क्या आपकी वजह से अलग हुए थे सलीम-जावेद

सलीम खान और जावेद अख्तर साथ मिलकर बॉलीवुड में अपना जलवा बिखेर चुके हैं। दोनों का अलग होना सिनेप्रेमियों के लिए सदमे से कम नहीं था। उनके अलग होने के पीछे क्या वजह थी उस वक्त इस पर तरह-तरह की अफवाहें थीं।

सलीम और जावेद कई इस बात का जवाब खुद भी दे चुके हैं। अब सलीम खान के बेटे अरबाज जब जावेद अख्तर की वाइफ शबाना आजमी के साथ बैठे तो उन्होंने यह चर्चा फिर से छेड़ी। अरबाज ने शबाना से पूछा कि क्या वह चाहती थीं कि जावेद अख्तर अपना अलग मुकाम बनाएं, इस वजह से उन्होंने अलग होने का फैसला लिया? शबाना आजमी अरबाज के शो द इन्विंसिबल्स सीरीज के पार्ट 2 में गेस्ट के तौर पर पहुंची थीं। वहां अरबाज ने उनसे कहा,उस वक्त सलीम-जावेद अपने करियर की पीक पर थे, जब आप जावेद साहब की जिंदगी में आईं। इसके कुछ ही दिन बाद दोनों अलग हो गए। कई लोगों ने इसका जवाब बाने की कीशिश की कि दोनों के अलग होने की वजह क्या थी।

कुछ ने यहां तक कहा कि क्योंकि जावेद राइटर और पोएट थे, शबाना ने उनसे कहा कि अपना करियर अकेले बनाएं। आपने भी ये अफवाहें सुनी होंगी। बचपन में मैंने भी ऐसा सुना था। आप इस पर क्या कहेंगी? शबाना ने जवाब दिया, अरबाज, क्या तुम यकीन करोगे? मुझे आज तक नहीं पता कि सलीम-जावेद अलग क्यों हो गए थे। मुझे लगा कि ये पर्सनल डिसीजन है, मुझे इसमें नहीं घुसना चाहिए। लेकिन मुझे लगता है कि वह कुछ बदलावों से होकर गुजर रहे थे।

उन्होंने कविताएं लिखनी शुरू कर दी थीं, वह अलग तरह की दुनिया में जा रहे थे। मुझे नहीं पता कि क्या हुआ और वे क्यों अलग हो गए लेकिन मुझे पता है कि ये बड़ा रिस्क लेने के बाद वह पहले से ज्यादा खुश इंसान हो गए थे।

रश्मिका के फैंस के लिए

खुशखबरी

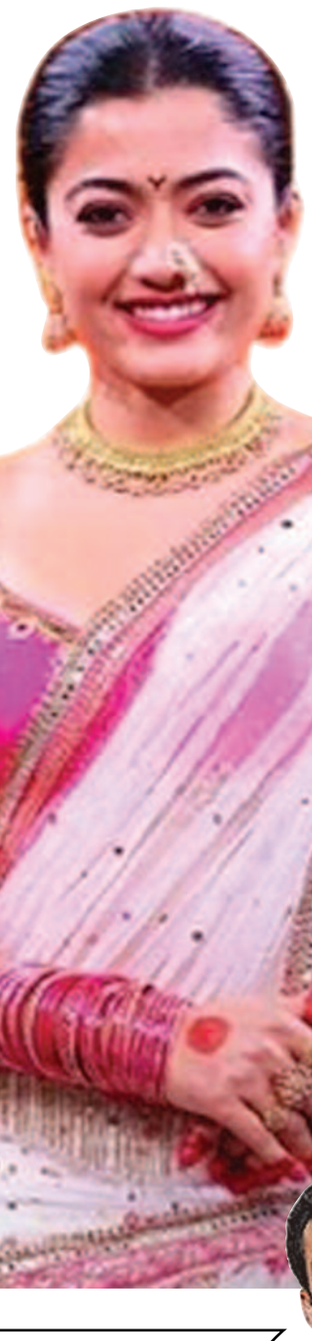

जारी होने वाला है कुबेर से अभिनेत्री का पहला पोस्टर

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना भारतीय फिल्म इंडस्ट्री के लिए जाना पहचाना नाम हैं। बीते कुछ समय में वह कई बड़ी फिल्मों का हिस्सा रही हैं। वह पिछले साल रणबीर कपूर की ब्लॉकबस्टर फिल्म एनिमल में नजर आई थीं। इसके अलावा वह सुपरस्टार अल्लू अर्जुन की आगामी फिल्म पुष्पा 2 का भी हिस्सा हैं। इस वक्त वह अपनी एक और आगामी फिल्म कुबेर को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म एक पैन-इंडिया ड्रामा फिल्म में वह मुख्य भूमिका में नजर आने वाली हैं। शेखर कम्मुला द्वारा निर्देशित इस फिल्म में उनके साथ दो अन्य बड़े सितारे भी नजर आने वाले हैं।

कुबेर की टीम ने साझा की जानकारी

रश्मिका मंदाना सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहती हैं। इस वक्त उनकी अगली फिल्म की सोशल मीडिया पर काफी चर्चा हो रही है। इस फिल्म में उनके साथ साउथ सिनेमा के दो बड़े दिग्गज कलाकार धनुष और नागार्जुन भी नजर आएंगे। हाल में ही फिल्म की प्रोडक्शन टीम ने अभिनेत्री के किरदार का प्री-लुक जारी किया है, जिससे फिल्म को लेकर उत्साह और भी ज्यादा बढ़ गया है। टीम ने सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा कर अभिनेत्री की फिल्म से पहला झलक जारी किए जाने को लेकर जानकारी दी है।

5 जुलाई की सुबह जारी होगी रश्मिका की पहली झलक

टीम की पोस्ट के मुताबिक रश्मिका मंदाना का पहला लुक 5 जुलाई की सुबह 11:34 बजे जारी किया जाएगा। गौरतलब है कि धनुष और नागार्जुन के किरदारों की प्रभावशाली पहली झलक ने पहले ही दर्शकों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। ऐसे में अब रश्मिका के किरदार के पोस्टर का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फिल्म कुबेर का निर्माण श्री वेंकटेश्वर सिनेमा एलएलपी और एमिगोस क्रिएशंस प्राइवेट लिमिटेड के बैनर तले सुनील नारंग और पुष्कर राम मोहन राव कर रहे हैं।

रश्मिका की आगामी फिल्में

बात करें रश्मिका के वर्क फ्रंट की तो वह कुबेर के अलावा सुपरस्टार अल्लू अर्जुन की बहुप्रतीक्षित फिल्म पुष्पा 2 में भी नजर आने वाली हैं। यह फिल्म साल 2021 में रिलीज हुई फिल्म पुष्पा का सीक्वेल है। इसके अलावा वह बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान की आगामी फिल्म सिंकदर में भी काम कर रही हैं। यह फिल्म अगले साल ईद के मौके पर रिलीज होने वाली है। फिल्म का निर्देशन एआर मुरूगॉदास कर रहे हैं। इसके अलावा अभिनेत्री विक्की कौशल के साथ फिल्म छावा में भी काम कर रही हैं।

सोनाक्षी सिन्हा ने लव लाइफ पर कभी नहीं मानी भाई की बात !

सोनाक्षी सिन्हा मिसेज जहीर इकबाल बन गई हैं. सोनाक्षी को इस इंटरफेथ शादी के लिए पापा शत्रुघ्न सिन्हा और मां पूनम सिन्हा का आशीर्वाद मिला, लेकिन उनके भाई लव सिन्हा की बातें सबूत हैं कि वह बहन के इस फैसले से बिलकुल भी खुश नहीं है. सोनाक्षी के भाई लव सिन्हा इस शादी में शामिल नहीं हुए थे और एक्स पर एक पोस्ट साझा कर उन्होंने इस बात का खुलासा भी किया था. इस रिश्ते से सिन्हा परिवार के बिगड़े माहौल को लेकर पिछले कई समय से अफवाहें चल रही हैं. जहीर इकबाल से सोनाक्षी सिन्हा की शादी पर तमाम लोगों ने आपत्तियां जताईं. इसे लव जिहाद तक का नाम दिया गया. भाई लव सिन्हा ने एक्स पर पोस्ट साझा कर इस शादी से बहन के साथ हुए विवाद के संकेत दिए. लेकिन क्या आप जानते हैं कि लव सिन्हा पहले भी सोनाक्षी के बारे में बात कर चुके हैं. उन्होंने बताया था कि सोनाक्षी किसी की नहीं सुनतीं.

2023 में सिद्धार्थ कन्नन के साथ बातचीत में लव ने बहन सोनाक्षी के बारे में बात की थी. उन्होंने बताया कहा था कि एक भाई के रूप में, मेरा कन्सर्न्ड हमेशा उसके लिए रहेगा. इसलिए, मैं चिंतित रहूंगा क्योंकि हर कोई, सतही तौर पर, हमेशा यह दिखाने की कोशिश करता है कि वे अच्छे हैं. वे खुद को एक निश्चित तरीके से पेश करने की कोशिश करते हैं, लेकिन वास्तविकता बहुत अलग हो सकती है और मैं, एक भाई के रूप में, किसी पर भी आंख बंद कर भरोसा नहीं कर सकता. शत्रुघ्न सिन्हा के बेटे लव ने कहा था, मैं एक भाई होने के नाते हर किसी पर जांच करने का अपना कर्तव्य निभाऊंगा और मैं इसे ऐसे ही करता हूं.

जब उनसे पूछा गया कि क्या लव, सोनाक्षी को लेकर पजेसिव हैं? इस सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, मैं पजेसिव नहीं हूं, मैं बस वही कहना पसंद करता हूं जो मैं मानता हूं. ये अलग बात है कि वो सुनती नहीं. वह जैसी है, वैसी ही है. वह सुनती नहीं है. बाहरी लोगों को फायदा हो सकता है, बाहरी लोगों के पास हमेशा एक एजेंडा होता है. मैं सिर्फ बड़े भाई के तौर पर सोच रहा हूं.

लव ने आगे कहा कि वह केवल चिंता के कारण सलाह देते हैं, लेकिन अगर उनकी बहन या कोई और, कोई अलग विकल्प चुनना चाहता है, तो यह उन पर निर्भर है.सिर्फ सोनाक्षी ही नहीं, मैं किसी को भी सलाह क्यों दूंगा? मैं इसे केवल चिंता, परवाह से करूंगा. इसके अलावा, यदि कोई कुएं में कूदना चाहता है, तो भले ही आप उसे रोकने की कोशिश करें, फिर भी वह ऐसा कर लेगा.

सोनाक्षी और जहीर की शादी के कुछ दिनों बाद, लव ने एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए कहा कि वह उनकी शादी में शामिल नहीं हुए क्योंकि वह कुछ लोगों के साथ नहीं जुड़ेंगे, चाहे कुछ भी हो जाए. उन्होंने दूल्हे के पिता इकबाल रतनसी के बारे में एक समाचार लेख भी साझा किया, लेकिन बाद में उन्होंने पोस्ट को डिलीट कर दिया. उन्होंने फिर एक और पोस्ट शेयर किया, जिसमें लिखा था, जिस स्टेटमेंट को गलत तरीके से मैंने बताया वो मेरा बयान नहीं है. एक सीनियर जर्नलिस्ट है. अब मामला बंद हो चुका है और मैं इस पर आगे कोई कमेंट नहीं करूंगा.'

शादी से कुछ दिन पहले ऐसी खबरें आई थीं कि शादी की वजह से सिन्हा परिवार मुश्किल दौर से गुजर रहा है. अफवाहें तब शुरू हुईं जब शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा कि वह अपनी बेटी की शादी के बारे में सूचना मिलने का इंतजार कर रहे हैं. अनुभवी एक्टर ने बाद में स्पष्ट किया कि वह अपनी बेटी की शादी में शामिल होंगे, और उन्होंने ऐसा ही किया. शादी में सोनाक्षी की मां और भाई कुश भी मौजूद थे.

आंध्र प्रदेश के डिप्टी सीएम बनने के बाद तेलुगु सुपरस्टार 'पवन कल्याण' का बड़ा बयान

कल्याण ने आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री का पद भी संभाल लिया है, जिससे उनके फैंस को यह डर सता रहा है कि कहीं वह अब पर्दे से गायब होकर अपना सारा समय राजनीति को न दे दें। लेकिन पवन कल्याण ने आखिरकार फिल्मों को लेकर अपने रुख पर चुप्पी तोड़ी है। अभिनेता ने अपने फैंस को आश्वासन देते हुए कहा है कि वह फिल्में करते रहेंगे। ट्रैक टॉलीवुड के अनुसार, अभिनेता ने कहा कि वह अगले तीन महीनों में फिल्में करना शुरू कर देंगे। वह पहले उन तीन फिल्मों का काम पूरा करेंगे जिन्हें बीच में ही रोक दिया गया था।

'रेस 3' के लिए सलमान ने नहीं ली थी कोई फीस

इन दिनों इंडस्ट्री में स्टार्स की फीस को लेकर काफी चर्चा हो रही है. लोग कहते हैं कि सुपरस्टार भारी भरकम फीस लेते हैं. कुछ लोग इसे सही ठहरा रहे हैं तो कुछ लोग इसके उलट सोच रहे हैं. इसी बीच आइए नजर डालते हैं सलमान की इस पिक्चर पर, जिसके लिए उन्होंने कोई फीस नहीं ली थी. सलमान खान की 'रेस 3' साल 2018 में रिलीज हुई थी. ये मूवी बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई थी. इस फिल्म को सोशल मीडिया पर काफी ट्रोल भी किया गया था. ये जानकर हैरानी हो सकती है कि इस फिल्म के लिए सलमान ने कोई फीस नहीं ली थी. लेकिन इसका कारण क्या था, चलिए जानते है. 'रेस 3' के प्रोड्यूसर रमेश तौरानी ने खुलासा किया है कि सलमान ने इस फिल्म के लिए कोई फीस नहीं ली है.

अब प्रभास की कल्कि 2898 एडी पर भड़के मुकेश खन्ना

● गिनाईं ये बड़ी गलतियां, सरकार से लगाई गुहार

27 जून को रिलीज हुई नाग अश्विन की 'कल्कि 2898 AD' बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है. इस फिल्म में साउथ सुपरस्टार प्रभास के साथ अमिताभ बच्चन, दीपिका पादुकोण, कमल हासन जैसे दिग्गज सितारे नजर आ रहे हैं. यह पिक्चर दर्शकों को काफी पसंद आ रही है. अब बीआर चोपड़ा की 'महाभारत' में भीष्म का किरदार निभाने वाले मुकेश खन्ना ने इस फिल्म पर रिएक्शन दिया है. उन्होंने ये फिल्म देखी और इसका रिव्यू अपने यूट्यूब चैनल पर शेयर किया है. उन्होंने कहा कि उन्हें ये फिल्म पसंद आई, लेकिन इसके साथ ही उन्होंने फिल्म की कुछ कमियां भी गिनाई.

मुकेश खन्ना के मुताबिक इस फिल्म में कुछ तथ्यों में बदलाव किए गए हैं, मुकेश खन्ना ने बताया कि पिक्चर में कुछ ऐसी चीजे दिखाई गई हैं, जो असल में कभी हुई ही नहीं थीं.

मुकेश खन्ना ने कहा,ये दिखाया गया है कि कृष्ण अपनी 'मणि' निकालकर अश्वत्थामा को श्राप देते हैं, लेकिन हकीकत में ऐसा कभी नहीं हुआ. मैं मेकर्स से पूछना चाहता हूं कि आप व्यास मुनि से ज्यादा कैसे सोच सकते हैं. वो कृष्ण नहीं थे जिन्होंने अश्वत्थामा की 'मणि' हटाई थी. मैं आपको बता सकता हूं कि ये द्रौपदी ही थी जिसने कहा था कि उसकी 'मणि' हटा दी जानी चाहिए.

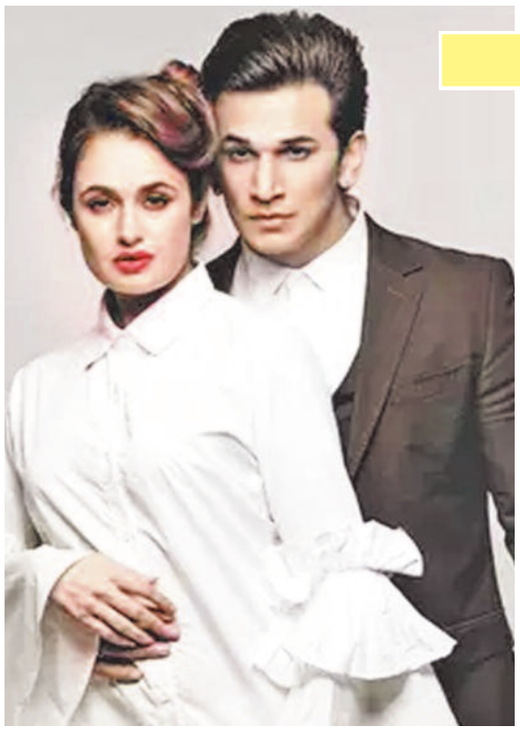

शादी के 6 साल बाद

युविका चौधरी बनने जा रही मां

दीपिका पादुकोण और शाहरुख खान के साथ 2007 में आई फिल्म ओम शांति ओम में काम कर चुकी एक्ट्रेस युविका चौधरी इन दिनों सुर्खियों में हैं. दरअसल, युविका चौधरी और प्रिंस नरूला शादी के 6 साल बात माता-पिता बनने वाले हैं. प्रिंस नरूला ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर खास अंदाज में युविका चौधरी की प्रेग्नेंसी का ऐलान किया था. प्रेग्नेंसी की खबर के बाद से ही फैन्स युविका चौधरी के बेबी बंप का इंतजार कर रहे थे और अब एक्ट्रेस ने फैन्स की इस इच्छा को एक बेहद ही खूबसूरत और रोमांटिक वीडियो के जरिये पूरा कर दिया है. और प्रिंस नरूला ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है. इस वीडियो में युविका चौधरी लाइट पिंक कलर की चेक वाली ड्रेस पहने हुए नजर आ रही हैं. प्रिंस नरूला के साथ इस रोमांटिक वीडियो में युविका चौधरी ने पहली बार फैन्स को अपने क्यूट बेबी बंप की झलक दिखाई है.

मलाइका संग ब्रेकअप पर अर्जुन ने तोड़ी चुप्पी

अर्जुन कपूर जल्द ही फिल्म 'सिंघम अगेन' में नजर आएंगे. फिल्म की रिलीज से पहले ही उनकी निजी जिंदगी में भूचाल आ गया है.अर्जुन और मलाइका अरोड़ा का 4 साल पुराना रिश्ता खत्म हो गया है. अर्जुन और मलाइका के ब्रेकअप की खबरों ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया. फैंस इस खबर पर विश्वास नहीं कर पा रहे थे. अर्जुन के जन्मदिन पर मलाइका ने उन्हें विश नहीं किया और न ही कोई इंस्टाग्राम पोस्ट डाली. वह अर्जुन की बर्थडे पार्टी से भी दूर रहीं. इससे ब्रेकअप की खबरों को और हवा मिल गई.

अर्जुन कपूर की प्रतिक्रिया: अर्जुन कपूर ने आखिरकार इन खबरों पर चुप्पी तोड़ी. सोशल मीडिया स्टार विद जैनिस पर बात करते हुए, अर्जुन ने खुलासा किया कि उन्होंने मलाइका के साथ अपने रिश्ते को इंस्टा-ऑफिशियल इसलिए बनाया था क्योंकि वे नहीं चाहते थे कि कोई उनकी पर्सनल लाइफ को लेकर बातें बनाए.

अर्जुन ने सुनाई खरी-खरी: अर्जुन ने कहा, हम सभी को दूसरों के बारे में हर चीज जाननी होती है और कमेंट भी करते हैं. 'वे कब शादी करेंगे? वे साथ में अच्छे नहीं लगते. यह रिश्ता चलेगा?' इन सभी बातों पर लगाम लगाने के लिए एक इंटरव्यू की जरुरत होती है. मैं नहीं चाहता कि हमारे बारे में भी ये बातें हों. अर्जुन ने अपने और मलाइका की उम्र के फर्क पर भी बात की. उन्होंने कहा, मलाइका 50 साल की हैं और मैं 39 साल का हूं. उम्र का फर्क नहीं मायने रखता. रिश्ते में सबसे महत्वपूर्ण है आपसी समझ और सम्मान.

रिश्तों को लेकर स्पष्टता: अर्जुन कपूर ने साफ किया कि वे नहीं चाहते कि उनके रिश्ते को लेकर कोई गलतफहमी हो. उन्होंने कहा, मैं चाहता हूं कि लोग हमारी जिंदगी का सही पक्ष देखें और उसकी इज्जत करें.

-साभार एजेंसी